भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 15 अक्तूबर 2026 | 29 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 171, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:24 सूर्यास्त 5:50

आज का तापमान

शिमला	12.0 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	15.0 न्यू	25.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	72,781.89
निफ्टी	22,622.70
सोना 1,46,000	चांदी 2,20,000

न्यूज शॉर्ट्स

मद्रास हाईकोर्ट बोला- तमिलनाडु सरकार लोगों को दुश्मन समझ रही

एजेंसी, चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु पुलिस से आरएसएस के रूट मार्च को अनुमति नहीं देने पर सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि जम्मू-कश्मीर में आरएसएस मार्च कर सकता है, तो तमिलनाडु पुलिस हर साल अनुमति क्यों रोकती है? जस्टिस वी लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि सरकार नागरिकों को दुश्मन समझ रही है और विरोध प्रदर्शनों के लिए परमिशन देने से इनकार कर रही है। चाहे कोई भी सरकार आए, आरएसएस को उसके मार्च के लिए अनुमति नहीं दी जाती है। आपका डर क्या है? क्या आप डर रहे हैं? यह टिप्पणी आरएसएस सदस्य वीजी जगदीशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान हुई। उन्होंने 18 अक्तूबर, 25 अक्तूबर, 1 नवंबर या दूसरी किसी तारीख को मार्च की अनुमति मांगी है।

हॉलीवुड सिंगर बोलीं सीजेपी को अमेरिका से फंडिंग मिल रही



एजेंसी, वॉशिंगटन। हॉलीवुड सिंगर मैरी मिलबेन ने कॉकरोच जनता पार्टी पर अमेरिका से फंडिंग मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विरोधी अमेरिकी डोनर्स अभिजीत दीपके को पैसा भेज रहे हैं। उनके मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल भारत में अशांति फैलाने और सरकार के काम में रुकावट डालने के लिए किया जा रहा है। मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट कर भारत के युवाओं से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'यह चुप रहने का समय नहीं है।'

दक्षिण अफ्रीका: स्मृति सभा से लौट रहे लोगों पर बरसाई गोलियां, चार की मौत

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में एक स्थानीय राजनेता की स्मृति सभा से लौट रहे लोगों पर एक बंदूकधारी ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार देर रात जोहानिसबर्ग के दक्षिण-पूर्व में स्थित कैटलेहोंग टाउनशिप में हुई गोलीबारी में घायलों में कम से कम एक बच्चा भी शामिल है। संदिग्ध ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। शुरुआत में पुलिस ने बताया था कि घटनास्थल पर दो लोगों की मौत हुई है। हालांकि, बुधवार को अस्पताल में दो अन्य घायलों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई।

रेलवे के 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का दीपावली बोनस

2014 से अब तक रेलवे में करीब 5.5 लाख लोगों की भर्ती की गई : वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेलवे के 11.40 लाख अराजपत्रित कर्मचारियों के लिए 78 दिन के उत्पादकता आधारित बोनस को मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,009.61 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।



सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के बोनस को मंजूरी दी गई है। इससे करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, 'यह मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीपावली का उपहार है, जो दिन-रात काम करते हैं। जब हम त्योहार मनाते हैं, तब वे मैदान में, पटरियों पर, रेल इंजनों के भीतर और कार्यशालाओं में दिन-रात काम करते हैं। ऐसे सभी रेलवे कर्मचारियों के लिए यह दीपावली का उपहार करीब 2,009 करोड़ रुपए का बोनस है।' वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक रेलवे में करीब 5.5 लाख लोगों की भर्ती की गई है। उन्होंने बताया कि रेलवे में 1.65 लाख रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है और परीक्षाएं चल रही हैं।

दिव्यांगता की पात्रता सीमा 80% से घटाकर 40%

नई व्यवस्था में पेंशन के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता की सीमा 80% से घटाकर 40% कर दी गई है। इससे पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले अधिक दिव्यांग लोग योजना के दायरे में आ सकेंगे। नए नियमों के तहत पात्रता, लाभार्थियों की संख्या और पेंशन की रकम से जुड़ी जानकारी सरकार दिशा-निर्देश जारी होने के तीन महीने के भीतर लागू करेगी। दिव्यांगों की पात्रता में यह बदलाव दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार किया गया है।

आईडीबीआई बैंक की 60.72% हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लि. को 52,878.08 करोड़ रुपए में बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। एयर इंडिया की बिक्री के बाद यह देश का सबसे बड़ा रणनीतिक विनिवेश है। मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को मंजूरी दी।

थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा, 11.39 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका लगने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर के बाद खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं और ईंधन व बिजली की कीमतें में तेज उछाल से सितंबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अगस्त में 9.92 फीसदी थी। यह पांच महीने का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है।



◆खाद्य, ईंधन, विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से थोक महंगाई दर में इजाफा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर के जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है। आंकड़ों अनुसार खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 8.66 फीसदी हो गई। विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर भी बढ़कर 9.76 फीसदी के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अगस्त में यह 8.37 फीसदी थी। ईंधन व बिजली की महंगाई दर सितंबर में 25.85 फीसदी रही, जबकि पिछले महीने अगस्त में यह 22.93 फीसदी रही थी।

मंत्रालय ने डब्ल्यूपीआई के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस, कोयले एवं लिग्नाइट, बुनियादी धातुओं, रसायनों एवं रासायनिक उत्पादों, वस्त्रों, रबर एवं प्लास्टिक उत्पादों तथा बिजली के उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी से सितंबर में थोक महंगाई की दर में वृद्धि दर्ज की गई है।

नीला ड्रम हत्याकांड मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा

एजेंसी, मेरठ। मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या करने वाली मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई। उसके प्रेमी साहिल को भी जज अरविंद कुमार मिश्रा ने फांसी की सजा सुनाई। सजा सुनाने से पहले मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। इससे पहले बुधवार सुबह 10.30 बजे भी जज अरविंद कुमार मिश्रा ने जेल में बंद मुस्कान और साहिल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उनका पक्ष जाना। जज ने मुस्कान से पूछा- तुम अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या में दोषी हो, क्या सजा चाहती हो? उसने जवाब दिया- मेरी बेटी छोटी है, उसका ख्याल रखा जाए। फिर वह खामोश हो गई। इसके बाद साहिल से यही सवाल पूछा गया, तो वह भी चुप रहा। सौरभ राजपूत की हत्या 3 मार्च, 2025 को हुई थी। शव को 5 टुकड़ों में काटकर नीले ड्रम में भर दिया गया था।

छात्रों के बीच पहुंचीं सीएम रेखा, समस्याएं सुन अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के प्रमुख शैक्षणिक व कोचिंग हब मुखर्जी नगर क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चाय की दुकान पर विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और पढ़ाई, आवास, महिला सुरक्षा तथा बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

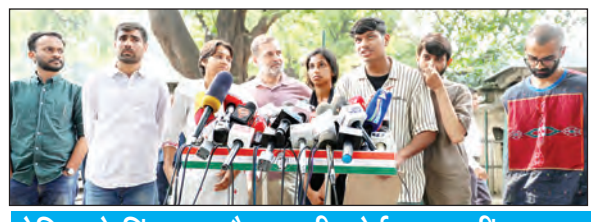
मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। विद्यार्थियों ने निशुल्क लाइब्रेरी की कमी, पीजी के अधिक किराए, जमानत राशि, दलाली, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी और सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति जैसे मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली में शिक्षा प्राप्त करने आए युवा राजधानी के परिवार का हिस्सा हैं।

राहुल यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए, पुलिस पर आरोप लगाए

युवक बोला- गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

एजेंसी, नई दिल्ली। एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादती करने के आरोप लगाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनएसयूआई के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्रा ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक कान से सुनने की क्षमता चली गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी। राहुल गांधी ने छात्रों से घटनाओं के वीडियो और दूसरे सबूत सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि इन सबूतों के आधार पर पुलिसकर्मियों से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त तक, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी।



देखिए ये हिंदुस्तान है, इसकी कोई जात नहीं : राहुल

राहुल गांधी ने कहा, 'ये हिंदुस्तान है, अमित शाह जी यहां कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं है, इनकी कोई जात नहीं है। आप इस आवाज के सामने खड़े नहीं हो सकते। स्टूडेंट्स से कहना चाहता हूं। आप वीडियो बनाकर रखिए। उन सबूतों को हम रखेंगे।' राहुल ने कहा कि जब सब खत्म होगा, तो इन सबूतों के आधार पर सबको सजा मिलेगी। चाहे पुलिस वाले हों या ज्ञानेश कुमार हों। ये देश की आवाज हैं। इस आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है।

एअर इंडिया फ्लाइट से हाईजैक अलर्ट मिला, पायलट का इनकार

एजेंसी, जयपुर। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2030 की बुधवार सुबह जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट से अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को हाईजैक का सिग्नल मिला था।

यह जानकारी जयपुर एटीसी से साझा की गई। करीब 45 मिनट बाद विमान को सुबह 9.45 बजे जयपुर में उतारा गया। शुरुआती जांच में पायलट की गलती से अलर्ट मैसेज भेजने की जानकारी थी। हालांकि, पूछताछ में उसने कहा कि- मेरी कोई गलती नहीं है। फ्लाइट रडार 24 के मुताबिक, विमान ने 13 अक्तूबर की रात 9:45 बजे फ्रैंकफर्ट से उड़ान भरी थी। उसे 14 अक्तूबर की सुबह 10:40 बजे दिल्ली पहुंचना था, लेकिन जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। करीब साढ़े 4 घंटे की जांच के बाद दोपहर 2.24 बजे विमान को दिल्ली रवाना किया। 30 सितंबर को इजराइल जा रही फ्लाईदुबई फ्लाइट से भी हाइजैक सिग्नल कोड 7500 भेजा गया था। इस प्लेन को पायलट ने हाइजैक और क्रैश करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय को-पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने ऐसा होने से रोक दिया था।



◆जर्मनी-दिल्ली फ्लाइट की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में 2027-28 से शुरू होगा शैक्षणिक सत्र : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि रुद्रपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2027-28 से शैक्षणिक सत्र शुरू होगा।

इसके लिए सीट आवंटन का आदेश प्राप्त हो गया है। प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं को और मजबूत करने के साथ एम्स के केंद्र को भी जल्द शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि पिथौरागढ़, अल्मोड़ा और रुद्रपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेजों का संचालन शुरू हो चुका है। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज के लिए सीट आवंटन का आदेश मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा, पान मसाला तथा संबंधित उत्पादों पर एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के साथ प्रभावी कार्रवाई पर भी जोर दिया जा रहा है। धामी ने कहा कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के जरिए सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करने, नियमित जनसंवाद बनाए रखने तथा महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। गैरसैंण में प्रस्तावित विधानसभा सत्र के संबंध में धामी ने कहा कि सरकार जनहित से जुड़े सभी मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा और तथ्यों के आधार पर जवाब देने के लिए तैयार है।



◆कहा- उत्तराखंड में चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार

◆'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान से लोगों तक पहुंचेंगी सरकारी योजनाएं

सौरव व आशुतोष पांच दिन के लिए तिहाड़ जेल भेजे

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। वहीं, अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। तीनों को मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। रात 3 बजे उन्हें एहतियातन गिरफ्तार किया गया। बुधवार सुबह स्पेशल कोर्ट में पेशी हुई। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना कोई जुर्म नहीं है। युवाओं को जेल भेजना कायरता है। सीजेपी की लीगल टीम प्रमुख रत्ना सिंह के मुताबिक, तीनों पर बिना इजाजत जंतर-मंतर में घुसने, बॉन्ड की शर्तें तोड़ने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं। आशुतोष और सौरव को 10 अक्तूबर को भी फ्लाइट से हिरासत में लिया गया था।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की निर्माता और नए भारत की भाग्य विधाता बन रहीं यूपी की नारी : योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की चतुर्थी पर मां कूष्मांडा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। उन्होंने प्रदेशवासियों को सृजन, ऊर्जा और समृद्धि की सनातन प्रतीक मां कूष्मांडा की आराधना का संदेश भी बताया।

उन्होंने बुधवार को कहा कि जहां नारी को शक्ति व अवसर मिलता है, वहां अभाव परिश्रम में, परिश्रम आत्मनिर्भरता में और आत्मनिर्भरता समृद्धि में बदलती है। मुख्यमंत्री योगी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि उत्तर प्रदेश की नारी अब केवल विकास की लाभार्थी नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था की निर्माता और नए भारत की भाग्य विधाता बन रही है। वर्ष 2017 से पहले महिलाओं के लिए न अवसर था, न संसाधन और न ही सरकार के पास नीति और नीयत। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अब महिलाएं केवल परिवार की समृद्धि का आधार नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था की संचालक और नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की नेतृत्वकर्ता बन रही हैं, जब गांव की नारी समृद्ध होगी, तभी उत्तर प्रदेश सही मायने में समृद्ध और सशक्त बनेगा।

गांव की बहनों को आत्मनिर्भरता की नई राह से जोड़ रही सरकार



योगी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार गांव की बहनों को आत्मनिर्भरता की नई राह से जोड़ रही है। बीसी सखी गांवों में बैंकिंग सेवाओं की सशक्त कड़ी हैं। लखपति दीदी आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन गई हैं। ड्रोन दीदी खेती में आधुनिक तकनीक का नेतृत्व कर रही हैं। स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओज) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका, उद्यमिता और कृषि आधारित रोजगार के अवसरों का विस्तार हो रहा है।

◆मुख्यमंत्री ने मां कूष्मांडा को बताया सृजन, ऊर्जा व समृद्धि की सनातन प्रतीक

◆कहा- वर्ष 2017 से पहले महिलाओं के लिए न अवसर था, न संसाधन

सरकार ने लिया प्रशासनिक यूनिट गठित करने का फैसला, मुख्यमंत्री का माना जा रहा मास्टर स्ट्रोक

चार नए जिलें बनने की संभावना से जगी उम्मीद, कांगड़ा, मंडी और शिमला पर निगाहें

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा प्रशासनिक यूनिट बनाने के लिए गठित की गई कमेटी के फैसले को न केवल दमदार फैसला माना जा रहा है, बल्कि दशकों से चली इन मांगों से जनता को भी खासी राहत मिलने की संभावनाएं बन गई है।

इन मांगों को लेकर पिछले कई दशकों से लोग अकसर तत्कालीन मुख्यमंत्रियों के समक्ष अपना रोना रोते रहे, लेकिन आर्थिक तौर पर सक्षम न होने की बात सामने आते ही इस फैसलें को नहीं ले पाया गया। बतातें चलें कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार ने प्रदेश में नए जिले बनाने और मौजूदा प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए चार सदस्यीय आयोग गठित किया है। इस पहल के बाद कांगड़ा, मंडी और शिमला जिलों से नए जिले बनाए जाने की संभावनाओं को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, अभी किसी नए जिले के गठन या उसके नाम और सीमाओं पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। प्रदेश में लंबे समय से बड़े भौगोलिक क्षेत्र और दूरदराज के इलाकों को देखते हुए नए जिलों के गठन की मांग उठती रही है। कई क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। राजस्व संबंधी कामकाज, प्रमाणपत्र, भूमि विवाद और अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं, ऐसे में नए जिले बनने की स्थिति में प्रशासन को स्थानीय स्तर पर मजबूत करने और सरकारी सेवाओं को जनता के करीब पहुंचाने का रास्ता खुल सकता है।

राजनीतिक तौर पर पहली बार बड़े जिलों को साधने का भी प्रयास

इस आयोग के गठन से प्रदेश के बड़े जिलों को भी राजनीतिक तौर पर साधने का प्रयास दिख रहा है। एक ओर जहां दूरस्थ स्थान के लोगों को राहत मिलेगी, वहीं वे लोग आगामी चुनावों में सरकार के साथ खड़े रहेंगे। नए जिलों की संभावनाओं के बीच कांगड़ा, मंडी व शिमला जैसे बड़े जिलों पर विशेष निगाहें रहेंगी। आयोग इन जिलों सहित पूरे प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा करेगा, अब आयोग के गठन से इन मांगों की समीक्षा के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू हुई है। इस लिहाज से सरकार की पहल को केवल राजनीतिक दांव के रूप में देखने के बजाय प्रशासनिक जरूरतों और क्षेत्रीय विकास के संदर्भ में भी परखना होगा।

इस आयोग में इनकों किया गया है शामिल

आयोग में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश धर्म चंद चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया है। अधिवक्ता विशाल पंवार और भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेश शर्मा सदस्य होंगे, जबकि भूमि अभिलेख विभाग के निदेशक को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। आयोग का मुख्यालय शिमला में होगा और उसे छह महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है। ऐसा माना जा रहा है कि आयोग जिलों के साथ उपमंडलों, तहसीलों, उपतहसीलों और विकास खंडों की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करेगा। फिलहाल आयोग की रिपोर्ट का इंतजार रहेगा।

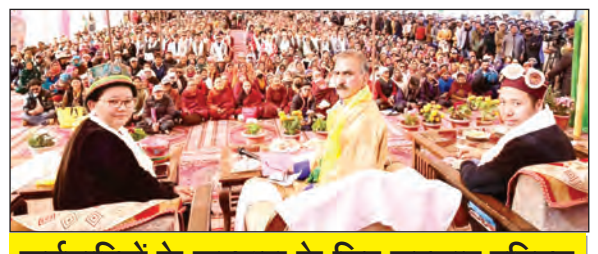
सुविधा स्पीति में हेलिपोर्ट के सर्वे और कॉलेज खोलने की संभावनाएं तलाशने की घोषणा

कुंजुम टनल बनाएगी सरकार, पहले होगा सर्वे : सुक्खू

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, काजा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कुंजुम पास के नीचे टनल निर्माण के लिए सर्वे करवाने तथा इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि इस टनल के निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है और इसके निर्माण से क्षेत्र के लोगों और पर्यटकों को वर्षभर बेहतर सड़क संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने स्पीति घाटी को प्राकृतिक खेती क्षेत्र घोषित करने की घोषणा करते हुए कहा कि काजा में कॉलेज खोलने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इसके अतिरिक्त, काजा में स्त्री रोग विशेषज्ञ और मेडिसिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने काजा में हेलिपोर्ट निर्माण के लिए सर्वे करवाने का आश्वासन भी दिया, जिससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने दो दिवसीय प्रवास पर स्पीति घाटी के काजा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार आने वाले समय में स्पीति के विकास पर 500 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। समदो-काजा ट्रांसमिशन लाइन का कार्य तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिस पर लगभग 350 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सुक्खू ने कहा कि जब वह पहली बार 15 अप्रैल को हिमाचल दिवस कार्यक्रम के दौरान इस क्षेत्र में आए थे, तब स्थानीय लोगों ने बिजली की समस्या उनके समक्ष रखी थी, अब इस दिशा में किए गए प्रयास धरातल पर उतरने लगे हैं।



कर्मचारियों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

कर्मचारियों के कल्याण और पुरानी पेंशन योजना पर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने दिवाली के अवसर पर महंगाई भत्ते की किस्त जारी करने पर विचार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को आत्मसम्मान के साथ वृद्धावस्था में जीवन-यापन करने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से पुरानी पेंशन योजना बहाल की गई है तथा आने वाले समय में और कर्मचारियों को इसके दायरे में लाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओपीएस लागू करने के कारण केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को प्रतिवर्ष मिलने वाले 1,600 करोड़ रुपए रोक दिए हैं।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादों के विपणन पर विशेष बल : कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार

विभागीय कार्यों की समीक्षा कर योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के दिए निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार की अध्यक्षता में कृषि विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें विभागीय योजनाओं, हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना चरण-दो (जाइका) और प्राकृतिक खेती से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कृषि मंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करने और कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए।

उन्होंने हाल ही में स्थापित किसान हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली का जायजा लिया और किसानों में इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने बताया कि एग्रीस्टैक परियोजना के तहत वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार से 140 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। चालू वर्ष में 400 करोड़ रुपये प्राप्त करने के लिए विभाग पात्र हो गया है।

64.82 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त जारी: बैठक में कृषि निदेशक डॉ. रविंद्र सिंह जसरोटिया ने विभागीय योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी।



किसानों की आय बढ़ाने पर कृषि मंत्री ने दिया जोर।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 28.31 करोड़ रुपये और कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत 36.51 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त जारी की गई है।

प्राकृतिक खेती और हल्दी उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा: जाइका परियोजना के माध्यम से हमीरपुर, पालमपुर, सोलन और मंडी क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती से उत्पादित हल्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि मंत्री ने किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के साथ हल्दी उत्पादों की गुणवत्ता, प्रमाणीकरण और विपणन व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय और पारंपरिक फसलों के प्रदर्शन तथा फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए।

जाइका परियोजना में 306 उप-परियोजनाएं: फसल विविधीकरण परियोजना के दूसरे चरण में प्रदेश में 306 उप-परियोजनाएं संचालित की जाएंगी। अब तक 174 उप-परियोजनाओं के माध्यम से 4,462.16 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएं विकसित की गई हैं। वहीं, 1,323.80 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। परियोजना के तहत 10 किसान उत्पादक संगठन और 238 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं। परियोजना के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित 1,010.60 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान में से अब तक 348.26 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। कृषि मंत्री ने वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने और विकास कार्य निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण: कृषि संसाधनों के वैज्ञानिक मानचित्रण के लिए विभाग के 50 अधिकारियों और कर्मचारियों को देहरादून स्थित भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का प्रशिक्षण दिया गया है। बैठक में देसी गायों की खरीद पर सहायता, गोशालाओं में लाइनिंग और पारंपरिक फसलों को प्रोत्साहन देने पर भी चर्चा हुई। कृषि मंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक, बेहतर सिंचाई, प्राकृतिक खेती और मजबूत विपणन व्यवस्था के माध्यम से किसानों की उत्पादकता, आय और आजीविका में सुधार करना सरकार की प्राथमिकता है। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और कृषि उत्पादों के विपणन, प्राकृतिक खेती तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

शिमला में तहबाजारियों का रोजगार संकट गहराया चार महीने से काम ठप, आंदोलन की चेतावनी

महापौर बोले- पुनर्वास के लिए छह सदस्यीय कमेटी गठित, नए स्थानों की तलाश जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के लोअर बाजार से हटाए गए तहबाजारियों और नगर निगम के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। पिछले चार महीने से रोजगार प्रभावित होने का हवाला देते हुए तहबाजारियों ने अब सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। बुधवार को तहबाजारी अपनी मांगें लेकर नगर निगम के उपमहापौर के कार्यालय पहुंचे, लेकिन अदालत के आदेशों का हवाला दिए जाने के बाद बैठक में कोई समाधान नहीं निकल सका। तहबाजारी यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी रोजी-रोटी से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा मंत्रियों और विधायकों के कार्यक्रमों में काले झंडे दिखाकर विरोध जताया जाएगा। दूसरी ओर, महापौर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि तहबाजारियों के पुनर्वास के लिए नए स्थानों और विकल्पों की तलाश की जा रही है। नगर निगम नियमों के अनुसार ही कार्रवाई करेगा।

तहबाजारी यूनियन के अध्यक्ष पवन ने कहा कि पिछले चार महीनों से तहबाजारी परेशान हैं और उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय जिस सरकार का उन्होंने समर्थन किया था, वही अब उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। रोजगार प्रभावित होने से तहबाजारियों के परिवारों का गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। पवन ने नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कर्मचारी दुकानों और गोदामों में रखा सामान उठा रहे हैं। उन्होंने काम करने वाले युवकों का सामान रास्ते में छीने जाने का आरोप भी लगाया। यूनियन अध्यक्ष ने नगर निगम आयुक्त के रवैये को तानाशाहीपूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी समस्याएं नहीं सुनी जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप



लगाया कि स्थानीय विधायक के हस्तक्षेप के बावजूद लोगों पर पांच हजार से दस हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। पवन ने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो यूनियन आंदोलन तेज करेगी और सरकारी कार्यक्रमों में काले झंडे दिखाकर विरोध जताएगी।

महापौर सुरेंद्र चौहान ने बताया कि तहबाजारियों और वेंडर्स की समस्याओं के समाधान तथा पुनर्वास के लिए छह सदस्यीय मॉनिटरिंग कमेटी गठित की गई है। वह स्वयं कमेटी के कामकाज की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तहबाजारियों से संबंधित कार्रवाई तय नियमों और प्रावधानों के तहत की जाती है। महापौर के अनुसार, पुनर्वास और आजीविका से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न स्थानों पर चर्चा की गई है। नगर निगम नए स्थानों और अन्य संभावनाओं की तलाश कर रहा है। प्रशासन तहबाजारियों की समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है, लेकिन नियमों से हटकर कार्रवाई नहीं की जा सकती।तहबाजारियों ने प्रशासन से जल्द ठोस निर्णय लेने की मांग की, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिले और रोजगार दोबारा शुरू हो सके।

प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों को भरने पर जोर दे रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशिएलिटी चमियाणा सहित प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सहायक स्टाफ नर्सों के 650 पदों पर नियुक्तियां प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि 1300 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है।

प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में सहायक स्टाफ नर्सों के 117 पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में स्वास्थ्य विभाग में सहायक स्टाफ नर्सों के 500 अतिरिक्त पदों पर भर्ती को भी मंजूरी प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि राज्य चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को चिकित्सा शिक्षा विभाग में ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट के 84 और स्वास्थ्य विभाग में 39 पदों पर नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग में रेडियोग्राफर के 21 पदों पर भी नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

मेडिकल कॉलेजों में सहायक स्टाफ नर्सों के 1300 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

फार्मासिस्ट के 17 पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, जबकि 74 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा मेडिकल लैबोरेटरी तकनीशियन के 66, लैबोरेटरी सहायक के आठ, रेडियोग्राफर के 20, ऑफथैल्मोलॉजिस्ट के दो, फिजियोथैरेपिस्ट के सात और ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट के 13 पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है। प्रवक्ता ने बताया कि मंत्रिमंडल ने चिकित्सा शिक्षा विभाग में रेडियोलॉजिस्ट के 30, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट के 13 और परफ्यूजनिस्ट के छह पदों को भरने की स्वीकृति दी है। वहीं, आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों के लिए स्वास्थ्य विभाग में रेडियोग्राफर के 10 पद भरे जाएंगे। प्रदेश सरकार ने 31 दिसंबर, 2026 तक सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 90 प्रतिशत चिकित्सा, पैरामेडिकल और अन्य सहायक स्टाफ की तैनाती का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मार्च 2025 में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में पैरामेडिकल तथा मिनिस्ट्रियल स्टाफ कैडर अलग करने की पहल भी की गई थी। प्रवक्ता के अनुसार, स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक मशीनरी और उपकरणों की खरीद पर लगभग तीन हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य अस्पतालों और चिकित्सा शिक्षा संस्थानों का आधुनिकीकरण कर लोगों को प्रदेश में ही बेहतर और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : रोहित ठाकुर



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल प्रतिभाओं को निखारने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। वह कुपवी स्थित पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 67वीं राज्य स्तरीय अंडर-19 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 12 जिलों और सात खेल छात्रावासों के 655 खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूत करते हैं।

खेल उपलब्धियों के आधार पर तीन प्रतिशत कोटे में 300 से अधिक खिलाड़ियों को रोजगार दिया गया है। प्रदेश में खेल छात्रावासों की संख्या आठ से बढ़ाकर 11 की गई है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग में लगभग 9,000 पद भरे जा चुके हैं और 6,000 अन्य पद भरने की प्रक्रिया प्रस्तावित है। प्रतियोगिता में सोलन जिले ने ऑल राउंड बेस्ट का खिताब जीता।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता व इसकी संवैधानिक मर्यादा हुई तार-तार: राठौर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और संवैधानिक वैधता को तार-तार कर दिया है। उन्होंने यह बात कोटगढ़ में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक के दौरान कही। राठौर ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर देश के 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान के साथ खिलवाड़ है, जिसे किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता।



कोटगढ़ में भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन।

राठौर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से बर्खास्त करने और उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। इस संघर्ष में देश और प्रदेश के लोगों को उनका साथ देने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और विपक्षी दलों की चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भाजपा की नीति रही है। अब वोट चोरी के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। राठौर ने लोगों से अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष हरिकृष्ण हिमराल ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार के निर्देशानुसार शिमला जिला सहित प्रदेशभर में मताधिकार के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

अंडर-19 राज्य स्तरीय मेजर गेम्स में जिला शिमला का शानदार प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। छात्राओं की अंडर-19 राज्य स्तरीय मेजर गेम्स खेलकूद प्रतियोगिता में जिला शिमला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर तय कर अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का परिचय दिया।



जिला शिमला की टीम में एमईएस स्कूल मशोबरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मशोबरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संधू की छात्राओं ने भाग लिया। सभी विद्यालयों की खिलाड़ियों ने सामूहिक प्रयास, अनुशासन और बेहतर खेल कौशल के दम पर जिले का नाम रोशन किया। जिला शिमला के कोच नंदलाल शर्मा ने टीम की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि छात्राओं ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी भविष्य में भी मेहनत और लगन से खेलते हुए जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगी। नंदलाल शर्मा ने छात्राओं को प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय और रग्बी एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश का आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय स्वायत्तता से समझौता नहीं, बिल पर विचार जरूरी

अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए व्यापक संवाद और जन-जागरूकता अभियान चलाने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की संस्थागत स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (एचपीयूटीडब्ल्यूए) का शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। धरना-प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने प्रस्तावित विधेयक के प्रत्येक प्रावधान का गहन अध्ययन करने, उसके संभावित प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण करने और व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया।

डॉ. जसवीर, डॉ. दीप लता, डॉ. अशोक बंसल, डॉ. विनोद नेगी, डॉ. सुनील, संघ की संयुक्त सचिव डॉ. अंजली शर्मा और सचिव डॉ. अंकुश भारद्वाज ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक



प्रस्तावित विधेयक के संभावित प्रभावों के तथ्यात्मक विश्लेषण पर जोर।

पहचान, स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता और संस्थागत गरिमा का आधार है।

किसी भी प्रस्तावित बदलाव का मूल्यांकन शोध, नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक की प्रति प्राप्त कर उसके प्रत्येक प्रावधान का गंभीरता से अध्ययन किया जाना चाहिए। इसके बाद तथ्यों और वैधानिक व्यवस्था के आधार पर विश्वविद्यालय की स्वायत्तता पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की समीक्षा कर विश्वविद्यालय समुदाय और आम जनता के सामने स्पष्ट जानकारी रखी जाए। डॉ. जसवीर ने स्वतंत्र शैक्षणिक व्यवस्था को विश्वविद्यालय की पहचान बताते हुए किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर विचार-विमर्श की आवश्यकता जताई। डॉ. दीप लता ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व छात्रों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों को भी संवाद में शामिल किया जाना चाहिए।

डॉ. अशोक बंसल ने कहा कि शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए स्वतंत्र निर्णय लेने की व्यवस्था जरूरी है। वहीं, डॉ. विनोद नेगी ने प्रस्तावित प्रावधानों की समीक्षा तथ्यों और स्थापित वैधानिक व्यवस्थाओं के आधार पर करने पर बल दिया। डॉ. सुनील ने आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी बताई। एचपीयूटीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव डॉ. अंजली शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता आने वाली पीढ़ियों के शैक्षणिक भविष्य से भी जुड़ा विषय है।

जमीन विवाद पर रामकुमार चौधरी का पलटवार, भाजपा पर लगाए आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। दून के विधायक रामकुमार चौधरी ने जमीन विवाद को लेकर भाजपा पर पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने की साजिश रच रही है। चौधरी ने कहा कि विवादित जमीन का वर्ष 2017 में मठ के प्रतिनिधियों के साथ आपसी सहमति से तबादला हुआ था। उनके अनुसार, यह मंदिर नहीं, बल्कि मठ से संबंधित जमीन है।



चौधरी ने बताया कि भाजपा की शिकायत पर जमीन की म्यूटेशन रद्द होने के बाद उन्होंने नालागढ़ अदालत में चुनौती दी थी। उनके मुताबिक, 16 नवंबर 2024 को फैसला उनके पक्ष में आया। उन्होंने पेड़ काटने के आरोपों को खारिज करते हुए प्रमाण प्रस्तुत करने की मांग की। विधायक ने भाजपा से जुड़े कुछ लोगों पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर लाखों रुपये किराया वसूलने का आरोप लगाया।

उन्होंने वर्धमान चौक के पास करीब 48 बीघा जमीन और बद्दी-बरोटीवाला क्षेत्र में बिजली बोर्ड की जमीन पर कथित कब्जों की निष्पक्ष जांच की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। चौधरी ने दून क्षेत्र में करीब 600 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाने का दावा किया। उन्होंने बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए तीन सबस्टेशनों हेतु 104 करोड़ रुपये स्वीकृत होने की जानकारी दी।

जिलों,ब्लॉकों व बूथ स्तर तक वोट बचाओ देश बचाओ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस प्रदेशभर में 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर पर 'वोट बचाओ, देश बचाओ' चौपाल आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अभियान के तीसरे चरण में मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर को सभी जिला मुख्यालयों में प्रदेश कांग्रेस नेताओं और जिला कांग्रेस अध्यक्षों की संयुक्त प्रेस वार्ताएं होंगी। इसके बाद जिला और ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। चार से 10 नवंबर तक बूथ स्तर पर मतदाता सत्यापन अभियान चलाकर मतदाता सूची से हटाए गए नामों की जानकारी जुटाई जाएगी।

निशाना बोले- चुनावी हार के कारणों पर मंथन करे कांग्रेस, केवल आरोपों से नहीं मिलेगा जनता का विश्वास

राहुल गांधी झूठे आरोप छोड़ें, लोकतंत्र में प्रमाण देना भी जरूरी : श्रीकांत शर्मा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से भी सबक नहीं लिया है। लगातार चुनावी हार के बाद पार्टी अपनी रणनीति और संगठन में सुधार करने के बजाय चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को चुनावी पराजय का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए।

श्रीकांत शर्मा ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता का विश्वास जीतने के लिए अपनी कार्यशैली की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नेता को सवाल उठाने और आरोप लगाने का अधिकार है, लेकिन आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण देना भी जरूरी है। केवल आरोप दोहराने से वे सच साबित नहीं हो जाते। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ 'चौकीदार चोर है' का नारा दिया था, लेकिन चुनाव परिणामों में जनता ने कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया। इसके बावजूद पार्टी ने अपनी रणनीति में अपेक्षित बदलाव नहीं किया।



2019 की गलतियों से कांग्रेस ने नहीं लिया सबक : श्रीकांत शर्मा।

शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी चुनावी हार के कारणों की समीक्षा करने के बजाय दूसरों को जिम्मेदार ठहराने में लगी है। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस बार-बार राहुल गांधी को पार्टी के प्रमुख चेहरे के रूप में प्रस्तुत करती है, लेकिन चुनावी चुनौतियों के बावजूद संगठन और रणनीति में प्रभावी सुधार नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि पार्टी को राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर जनाधार मजबूत करने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए। शर्मा ने कहा कि यदि कांग्रेस के पास मतदाता सूची में अनियमितताओं के प्रमाण हैं, तो उन्हें संबंधित चुनाव अधिकारियों के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए संवैधानिक और कानूनी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। साथ ही किसी भी पात्र मतदाता का नाम निर्धारित प्रक्रिया और उचित अवसर दिए बिना नहीं हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति छोड़कर जनता के बीच जाना चाहिए। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मतदाता करते हैं और सभी राजनीतिक दलों को जनादेश का सम्मान करना चाहिए। राहुल गांधी को प्रमाण आधारित चर्चा, सकारात्मक कार्यक्रमों और संगठनात्मक सुधारों पर ध्यान देना चाहिए।

प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए आयोग का गठन किया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनसुविधाओं में सुधार और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य की विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए आयोग का गठन किया है। आयोग नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन के साथ मौजूदा इकाइयों के विलय, विभाजन और पुनर्गठन की संभावनाओं का आकलन करेगा।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग जिलों, उपमंडलों, तहसीलों, उपतहसीलों, विकास खंडों और अन्य विभागीय मंडलों की मौजूदा संरचना की समीक्षा करेगा। इस दौरान जनसंख्या, भौगोलिक परिस्थितियों, पहुंच, प्रशासनिक दक्षता और जनसुविधाओं को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। आयोग की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति धर्म चंद चौधरी करेंगे।

अधिवक्ता विशाल पंवर और भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेश शर्मा सदस्य होंगे, जबकि निदेशक भू-अभिलेख आयोग के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। प्रवक्ता के अनुसार राजस्व, वित्त, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, वन, लोक निर्माण, जल शक्ति और सामान्य प्रशासन विभागों के प्रशासनिक सचिव आवश्यकता के अनुसार विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सहयोग देंगे। आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करने से पहले संबंधित हितधारकों, जनप्रतिनिधियों और विभागों से परामर्श करेगा।

उत्तराखंड में विकास योजनाओं को रफ्तार मुख्यमंत्री ने दी 70 करोड़ की स्वीकृति

धामी ने विभिन्न जिलों में विकास कार्यों के लिए खोला खजाना

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विकास योजनाओं और निर्माण कार्यों के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके तहत सड़क सुधार, पुल निर्माण, धर्मशालाओं, पुलिस भवनों और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार सहित कई कार्यों को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने ऊधमसिंह नगर के किच्छा विधानसभा क्षेत्र में पंतनगर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर की शेष सड़कों के सुधार के लिए 19.99 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। गदरपुर क्षेत्र में विभिन्न गांवों में धर्मशालाओं के निर्माण के लिए 2.67 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। देहरादून के सहसपुर क्षेत्र में संपर्क मार्गों, आंतरिक सड़कों और नालियों के निर्माण के लिए 76.60 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

तीर्थस्थलों पर बढ़ेंगी बुनियादी सुविधाएं



चम्पावत में मां पूर्णागिरि मेला क्षेत्र में विश्राम शेड और पुलिया निर्माण के लिए 77.22 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं, गंगोलीहाट के पोखरी-चंडिकाघाट मोटर मार्ग के पुनरीक्षित निर्माण कार्य के लिए 5.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। हरिद्वार के लालढांग क्षेत्र में रावासन नदी पर 250 मीटर लंबे पैदल यात्री पुल के निर्माण के लिए 9.34 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अतिरिक्त टिहरी के नरेंद्रनगर पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में भवन निर्माण के लिए 9.71 करोड़ रुपये, अल्मोड़ा के सल्ट थाने में आवासीय भवन के लिए 3.80 करोड़ रुपये तथा उत्तरकाशी के मोरी-नैटवाड़-जखोल मोटर मार्ग पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है।

ओलावृष्टि प्रभावित किसानों को अतिरिक्त राहत देंगे धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके तहत कृषि, औद्यानिकी और गन्ने की फसलों को हुए नुकसान के लिए निर्धारित आपदा राहत मानकों के अतिरिक्त समान राशि की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा प्रभावित किसानों के अक्टूबर से दिसंबर तक के बिजली बिलों का भुगतान स्थगित रखने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण की अदायगी तीन माह तक स्थगित करने के लिए केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय से अनुरोध करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न कठिनाइयों से उन्हें उबारने के लिए प्रतिबद्ध है।

देहरादून के सभी 100 वार्डों में राशन दुकानों की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन देहरादून के सभी 100 वार्डों में उचित दर दुकानों की जांच कराएगा। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, सभी वार्डों में राशन दुकानों के निरीक्षण के लिए सेक्टर अधिकारियों की तैनाती की गई है। इनके साथ संबंधित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी या पूर्ति निरीक्षक भी मौजूद रहेंगे। जांच के दौरान दुकानों में साफ-सफाई, खाद्यान्न की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप वितरण की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में राशन दुकानों की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्हें राजकीय अन्न भंडारों का स्वयं निरीक्षण कर वहां से दुकानों को भेजे जाने वाले खाद्यान्न की गुणवत्ता जांचने को कहा है।

देहरादून विश्वविद्यालय में सजेगा प्रवासी उत्तराखंडियों का महासम्मेलन

प्रवासी उत्तराखंडियों के सुझावों से संवरेगा प्रदेश का विकास

अनिल थपलियाल

देहरादून। तृतीय प्रवासी उत्तराखंडी दिवस सम्मेलन-2026 के आयोजन को लेकर शासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को सचिवालय में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सम्मेलन के सफल आयोजन, व्यापक प्रचार-प्रसार और प्रवासी उत्तराखंडियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। सम्मेलन 13 नवंबर को देहरादून स्थित दून विश्वविद्यालय के नित्यानंद ऑडिटोरियम में आयोजित होगा।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्मेलन को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप, युवा-केंद्रित और नवाचारपूर्ण स्वरूप दिया जाए, ताकि इसकी अलग पहचान स्थापित हो सके। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों और शहरों में रहकर अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रहे प्रवासी उत्तराखंडियों को चिह्नित कर आमंत्रित करने पर जोर दिया।



बैठक के दौरान प्रमुख सचिव आरके सुधांशु व अन्य।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से प्रवासी उत्तराखंडियों के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया जाए, ताकि राज्य के विकास में उनके अनुभवों, सुझावों और योगदान का लाभ लिया जा सके। बैठक में बताया गया कि सम्मेलन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रमुख सचिव ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सम्मेलन की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने और तीन से चार दिन में तैयारियों की प्रगति की जानकारी देने के निर्देश दिए। सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया, विज्ञापन, होर्डिंग और सामाजिक माध्यमों से अभियान चलाया जाएगा।

विकास कार्यों पर बनेंगी लघु फिल्में

सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार की विकास योजनाओं, नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रसारण होगा। बैठक में सचिव शैलेश बगोली, विनोद कुमार सुमन, सी. रविशंकर, राजेंद्र कुमार, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

दून में बाल लेखन कार्यशाला शुरू



कार्यशाला में उपस्थित बच्चे।

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। क्रिएटिव उत्तराखंड, बालप्रहरी और भारत ज्ञान विज्ञान समिति की ओर से अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से दून लाइब्रेरी में पांच दिवसीय बाल लेखन कार्यशाला शुरू हुई। बुधवार को कार्यशाला में 35 बच्चों ने प्रतिभाग किया। पूर्व अपर निदेशक शिक्षा एसपी सेमवाल ने बच्चों में पठन-पाठन की आदत विकसित करने पर जोर दिया। बालप्रहरी के संपादक उदय किरौला ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना है। साहित्यकार प्रकाश चंद्र पांडे और डॉ. सुरेंद्रदत्त सेमल्टी ने कविता लेखन की बारीकियां बताईं। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेता बच्चों को बाल साहित्य देकर सम्मानित किया गया।

गौचर रेलवे सुरंग में आपात स्थिति से निपटने को मॉकड्रिल



मॉकड्रिल के दौरान।

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। निर्माणाधीन रेलवे टनल में संभावित हादसे से निपटने के लिए आपातकालीन मॉकड्रिल आयोजित की गई। इसमें कर्णप्रयाग पुलिस, स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग के साथ मेघा कंपनी के कर्मचारियों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों, त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की प्रक्रिया को परखा गया। अधिकारियों ने सभी संबंधित टीमों को मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सुरक्षा नियमों का पालन करने और किसी भी दुर्घटना की स्थिति में बिना देरी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ओलंपस स्कूल में करियर मेले से विद्यार्थियों को मिली राह



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। ओलंपस हाई स्कूल में माययूनिमेंटर की ओर से 'स्कूल करियर गाइडेंस समिट 2026-27' का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न राज्यों के 20 विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने कक्षा 11वीं और 12वीं के करीब 200 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों की जानकारी दी। समिट में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, छात्रवृत्ति, छात्रावास सुविधाओं और रोजगार के अवसरों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालयों के स्टॉल पर प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। माययूनिमेंटर के संस्थापक ओम गर्ग ने कहा कि सही करियर चयन के लिए उचित मार्गदर्शन जरूरी है। विद्यार्थियों को करियर कार्ड भी दिए गए, जिन्हें भरने पर निःशुल्क व्यक्तिगत करियर परामर्श मिलेगा। अक्टूबर में पांच स्कूलों के 2,050 से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य है।

खामियां मिलने पर दून मेडिकल कॉलेज और देवभूमि यूनिवर्सिटी के मेस बंद

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने देहरादून के गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज और विकासनगर स्थित देवभूमि यूनिवर्सिटी के मेस-कैफेटेरिया को कमियां दूर होने तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। औचक निरीक्षण के दौरान जरूरी दस्तावेजों की कमी के साथ साफ-सफाई और कीट नियंत्रण में भी खामियां मिलीं। विभाग ने जांच के लिए कुल 10 खाद्य नमूने लेकर राज्य खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला भेजे हैं। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विनय शंकर पांडेय के निर्देश पर टीमों ने विभिन्न भोजनालयों का निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त मनीष सयाना के नेतृत्व में दून मेडिकल कॉलेज के बॉयज मेस, गर्ल्स मेस और कैफेटेरिया की जांच की गई। यहां कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र, पानी की जांच रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल संबंधी दस्तावेज और वैध खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं मिले। गर्ल्स हॉस्टल के मेस के स्टोररूम में जंग लगी अलमारियां और परिसर में जीवित कॉकरोच पाए गए। खिड़कियों और रसोई के दरवाजों पर जाली भी नहीं थी। टीम ने खुली हल्दी, दही, तैयार छोले, दाल और फैट स्प्रेड के नमूने लिए। विकासनगर स्थित देवभूमि यूनिवर्सिटी के किचन में भी खाद्य लाइसेंस, मेडिकल प्रमाणपत्र और पानी की जांच रिपोर्ट नहीं मिली।

देहरादून में बढ़ते नशे पर प्रहार : क्या कॉलेज अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं?

मोटी फीस, बड़े-बड़े दावे और चकाचौंध भरे कैंपस... फिर युवाओं को नशे से बचाने की जवाबदेही किसकी?

विकास बलूनी

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून आज शिक्षा के बड़े केंद्र के रूप में पहचान रखती है। देश के विभिन्न राज्यों से युवा यहां अपने सपनों को साकार करने आते हैं। बड़े-बड़े कॉलेज, निजी विश्वविद्यालय, आधुनिक कैंपस और बेहतर भविष्य के वादे विद्यार्थियों को आकर्षित करते हैं। लेकिन इसी माहौल में युवाओं के बीच नशे की बढ़ती चिंता एक गंभीर सवाल खड़ा करती है—

आज सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि युवा नशे की गिरफ्त में क्यों आ रहे हैं, बल्कि यह भी है कि उन्हें इससे बचाने के लिए शिक्षण संस्थान क्या कर रहे हैं? क्या कॉलेजों की जिम्मेदारी सिर्फ कक्षाएं चलाने, परीक्षाएं कराने तक सीमित है? क्या विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, अनुशासन, बदलती संगत और नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता उनकी प्राथमिकताओं में शामिल नहीं होनी चाहिए?

पुलिस की कार्रवाई जरूरी, लेकिन क्या वही एकमात्र रास्ता है?

जब नशे की तस्करी सामने आती है, तब पुलिस कार्रवाई करती है। संदिग्धों की धरपकड़ होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कानून के तहत कार्रवाई की जाती है। नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए यह आवश्यक भी है। लेकिन क्या केवल गिरफ्तारी और जेल भेजने से समस्या की जड़ खत्म हो जाएगी? नशे के कारोबार पर कार्रवाई पुलिस का दायित्व है, लेकिन युवाओं को नशे से दूर रखने में समाज और शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।



एआई निर्मित चित्र।

मोटी फीस लेने वाले संस्थानों की जवाबदेही कहां है? देहरादून में अनेक निजी शिक्षण संस्थान शिक्षा के नाम पर विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से बड़ी रकम लेते हैं। बेहतर शिक्षा, सुरक्षित परिसर और उज्ज्वल भविष्य का भरोसा दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या विद्यार्थियों के समग्र विकास और सुरक्षा के प्रति इन संस्थानों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? कॉलेज प्रबंधन को यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए कि परिसर और छात्रावासों में नशे के विरुद्ध स्पष्ट नियम हों, विद्यार्थियों को नियमित रूप से जागरूक किया जाए और जरूरतमंद छात्रों को बिना अपमान या भेदभाव के सहायता मिल सके।

◆ विद्यार्थियों के समग्र विकास और सुरक्षा के प्रति इन संस्थानों की कोई जवाबदेही नहीं बनती?

आखिर कब जागेंगे शिक्षण संस्थान? देहरादून की पहचान शिक्षा, संस्कृति और देवभूमि की गरिमा से जुड़ी है। ऐसे में युवाओं के भविष्य को नशे के खतरे से बचाना केवल पुलिस या सरकार की जिम्मेदारी मान लेना पर्याप्त नहीं है। पुलिस की सख्ती के साथ शिक्षण संस्थानों की सक्रियता, परिवारों का सहयोग और प्रशासन की जवाबदेही भी जरूरी

भारतेन्दु शिखर की सरकार से अपील है—नशे के खिलाफ लड़ाई केवल नारों और औपचारिक अभियानों तक सीमित न रहे।क्योंकि युवा बचेंगे, तभी उत्तराखंड का भविष्य बचेगा।

दून में नॉर्दन आर्टिस्ट क्रिकेट चैंपियंस लीग 26 अक्टूबर से

नशे को ना, खेल को हां का संदेश लेकर आएगी कलाकारों की लीग, कलाकार दिखाएंगे हुनर

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 26 से 31 अक्टूबर तक नॉर्दन आर्टिस्ट क्रिकेट चैंपियंस लीग (एनएसीएल)-2026 का आयोजन किया जाएगा। छह दिवसीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। इसमें दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में मनोरंजन जगत से जुड़े कलाकार, मॉडल, गायक और अन्य प्रतिभाशाली



खिलाड़ी क्रिकेट के मैदान पर अपना हुनर दिखाएंगे।

लीग का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें नशे सहित नकारात्मक गतिविधियों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। आयोजकों के अनुसार, खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रतियोगिता के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया जाएगा।

आयोजन से जुड़े संस्थापक एवं निदेशक नितिन गिल, उदय खरब, साहिल संधू, दीपक छिल्लर, जेरी और आकाश गुर्जर ने इसे खेल और मनोरंजन को एक मंच पर लाने की पहल बताया। लीग का संदेश है— 'नशे को ना, खेल को हां—स्वस्थ युवा, सशक्त उत्तराखंड।' आयोजकों को उम्मीद है कि इस आयोजन से देहरादून में खेल और मनोरंजन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

देहरादून में विश्व मानक दिवस पर गुणवत्ता और ऊर्जा दक्षता पर मंथन

अनिल थपलियाल



देहरादून। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के देहरादून शाखा कार्यालय की ओर से बुधवार को होटल रीजेंटा, मोहबेवाला में विश्व मानक दिवस 2026 समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम 'सतत विकास लक्ष्य-7: सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा' रही। कार्यक्रम में उद्योग जगत, औद्योगिक संगठनों, ज्वेलरी क्षेत्र और बीआईएस के लाइसेंसधारकों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। देहरादून के महापौर सौरभ थपलियाल मुख्य अतिथि और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की अपर सचिव रुचि मोहन रयाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों को प्रोत्साहित करने और सतत विकास में भारतीय मानकों की भूमिका पर चर्चा की गई। विभिन्न कंपनियों के विशेषज्ञों ने स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा से संबंधित प्रस्तुतियां दीं।

धामी ने सुनी लोक कलाकारों की मांगें

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। लोक कलाकार संरक्षण संघ उत्तराखंड के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने लोक कलाकारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोक कलाकारों पर लागू किए गए नए और अव्यावहारिक नियमों को तत्काल निरस्त कर पूर्व की तरह सरल, पारदर्शी और कलाकार हितैषी व्यवस्था बनाए रखी जाए, ताकि कलाकारों को सांस्कृतिक गतिविधियों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। संघ के अनुसार, कुछ माह पूर्व लोक कलाकारों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया था। उस समय मुख्यमंत्री के ओएसडी दलबीर सिंह दानू ने कलाकारों को आश्वासन दिया था कि मुख्यमंत्री के देहरादून लौटने पर उनकी मुलाकात कराई जाएगी।

जीबीपीआईईटी के 16 विद्यार्थियों को मिला नौ लाख का सालाना पैकेज



◆ जीबीपीआईईटी के छात्रों को बड़ी कामयाबी

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। गोविंद बल्लभ पंत इंजीनियरिंग कॉलेज (जीबीपीआईईटी), घुड़दौड़ी के 16 विद्यार्थियों का पीआई इन्फोटेक के कैंपस प्लेसमेंट अभियान में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को नौ लाख रुपये वार्षिक का पैकेज मिलेगा। इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी का माहौल है।

चयनित विद्यार्थियों में सिविल इंजीनियरिंग से उत्कर्ष कुशवाहा और प्रियांशी ममगाईं, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से अखिलेश रघुवंशी, कर्तव्य अग्रवाल और प्रियांशु उनियाल शामिल हैं। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से रचिता पंत और विश्वास भाटिया, जबकि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई/एमएल) से अनन्या नेगी, पलक जेठी और ओजस्वी अरोड़ा ने सफलता हासिल की।

इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से शुभम सिंह रावत, अरनव बंसल और क्षितिज गोयल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से समृद्धि भट्ट, विधि नबियाल और सृष्टि रावत का चयन हुआ। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट डीन डॉ. केएस भाटिया ने कहा कि विद्यार्थियों को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए तकनीकी ज्ञान, संचार कौशल और साक्षात्कार की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

यात्रा चारधाम और मानसखंड के तीर्थों का भ्रमण करेगी जूना अखाड़े की छड़ी

हरिद्वार से रवाना हुई जूना अखाड़े की पावन छड़ी यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की ऐतिहासिक पावन छड़ी यात्रा का सोमवार को धर्मनगरी हरिद्वार में विधिवत शुभारंभ हुआ। सिद्धपीठ माया देवी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना के बाद यात्रा को रवाना किया गया। इस अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि का सानिध्य रहा। यात्रा में शामिल साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने देवभूमि के पौराणिक तीर्थों के दर्शन तथा सनातन परंपरा के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।



ओम पर्वत और आदि कैलाश तक जाएगी जूना अखाड़े की छड़ी यात्रा

शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, कुंभ मेला अधिकारी सोनिका और अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती ने भी पवित्र छड़ी की विधिवत पूजा-अर्चना की। पवित्र छड़ी के प्रमुख हिमालय पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी वीरेंद्रानंद गिरि के नेतृत्व में लगभग 70 साधु-संतों, नागा संन्यासियों और श्रद्धालुओं का जत्था उत्तराखंड के तीर्थों के भ्रमण के लिए रवाना हुआ। मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण के बीच संतों ने यात्रा की सफलता और जनकल्याण की कामना की।

जूना अखाड़े की यह पावन छड़ी यात्रा उत्तराखंड के चारधाम यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ सहित केदारखंड तथा मानसखंड के प्रमुख पौराणिक तीर्थों का भ्रमण करेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न सिद्धपीठों, शिवालयों और शक्तिपीठों में दर्शन-पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही यात्रा ओम पर्वत और आदि कैलाश जैसे महत्वपूर्ण हिमालयी धार्मिक स्थलों तक भी पहुंचेगी।

सनातन परंपरा का संदेश देगी पावन छड़ी यात्रा

इस धार्मिक अभियान का उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करना, आध्यात्मिक चेतना जागृत करना और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सचिव श्रीमहंत नारायण गिरि ने कहा कि पावन छड़ी यात्रा सनातन धर्म की प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। यह यात्रा गुरु-शिष्य परंपरा, त्याग और तपस्या की विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इसका महत्व केवल तीर्थ दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धर्म, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और लोककल्याण के प्रति समाज को जागरूक करने का भी अभियान है। इस अवसर पर जूना अखाड़े के वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमहंत महेश पुरी, श्रीमहंत केदारपुरी, महामंत्री श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि और श्रीमहंत रामेश्वर गिरि सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। हरिद्वार से शुरू हुई यह यात्रा उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ते हुए विभिन्न तीर्थस्थलों तक पहुंचेगी।

न्यूज शॉर्ट्स

कालका में दो माह से टूटा पुल, प्रशासन बेखबर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कालका में हंडिया मोहल्ले की ओर जाने वाला करीब 28 साल पुराना लोहे का पुल टूटे दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक नए पुल का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। इससे स्थानीय लोगों के साथ स्कूली बच्चों की परेशानी भी बढ़ गई है। मंगलवार को स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी के बीच से गुजरते दिखाई दिए। छोटे बच्चों को परिजन सहारा देकर नदी पार करवाते नजर आए। बरसात के दौरान तेज बहाव के कारण पुल टूट गया था। इसके बाद नदी किनारे डंगे तो बनाए गए, लेकिन आवाजाही के लिए वैकल्पिक रास्ता नहीं बनाया गया। लोगों को नदी पार करनी पड़ रही है या रामबाग रोड से कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है।

पठानकोट में किराए के मकान से 7.8 किलो हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट पुलिस ने अंतरजिला नशा तस्करी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 7.8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी अमृतसर से हेरोइन लेकर पठानकोट में सप्लाई करने पहुंचे थे। पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान किराए के मकान से नशे की खेप बरामद हुई। एसएसपी मनप्रीत सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस जांच कर रही है।

एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा ने विपक्ष को घेरा

जाखड़ ने एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी दलों के रुख को दोहरा और दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर इस प्रक्रिया को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ये दल बैठकों में एसआईआर पर सहमति जताते हैं, जबकि सार्वजनिक मंचों पर इसका विरोध करते हैं। सुनील जाखड़ ने बुधवार को पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा से मुलाकात की। इसके बाद सीईओ कार्यालय के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने एसआईआर के विरोध को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

जाखड़ के अनुसार, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में, चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का यह रुख उनके कथित दोहरे चरित्र को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों का रुख स्पष्ट होना चाहिए। एक ओर बैठकों में सहमति जताना और दूसरी ओर सार्वजनिक रूप से विरोध करना उचित नहीं है। एसआईआर मतदाता सूचियों की जांच और पुनरीक्षण से जुड़ी प्रक्रिया है। इसे लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच मतभेद सामने आ रहे हैं। भाजपा इस प्रक्रिया को चुनावी व्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बता रही है, जबकि विपक्षी दलों के विरोध को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।



मीडिया से बातचीत करते भाजपा नेता सुनील जाखड़।

जाखड़ के बयान से पंजाब में एसआईआर को लेकर राजनीतिक बहस और तेज होने के संकेत हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की ओर से इस बयान पर प्रतिक्रिया की जानकारी उपलब्ध नहीं है। जाखड़ ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों का रुख स्पष्ट होना चाहिए। बैठकों में सहमति जताने और सार्वजनिक मंचों पर विरोध करने से मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा होता है। एसआईआर मतदाता सूचियों की जांच और पुनरीक्षण से जुड़ी प्रक्रिया है, जिसे लेकर विभिन्न दलों में मतभेद सामने आ रहे हैं। भाजपा इसे चुनावी व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम बता रही है, जबकि विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। जाखड़ के बयान के बाद पंजाब में इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज होने के संकेत हैं।

बैठकों में सहमति, सार्वजनिक मंचों पर विरोध क्यों?

जाखड़ ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों का रुख स्पष्ट होना चाहिए। बैठकों में सहमति जताने और सार्वजनिक मंचों पर विरोध करने से मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा होता है। एसआईआर मतदाता सूचियों की जांच और पुनरीक्षण से जुड़ी प्रक्रिया है, जिसे लेकर विभिन्न दलों में मतभेद सामने आ रहे हैं। भाजपा इसे चुनावी व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम बता रही है, जबकि विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं।

पारदर्शी मतदाता सूची लोकतंत्र की जरूरत

उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों का सही और पारदर्शी होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है। एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची की जांच कर चुनावी प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय बनाने का प्रयास किया जाता है। जाखड़ ने विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय स्पष्ट रुख अपनाने की बात कही। उनके अनुसार, चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर विरोध जताने से पहले उसके उद्देश्य और महत्व को समझना चाहिए। इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच जारी मतभेदों के चलते पंजाब में एसआईआर को लेकर बहस और तेज होने की संभावना है।

सरहद पार से नशा मंगवाता रहा पुलिस जवान, 15 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा

भारतेंदु संवाददाता, तरनतारन। सीमा पार से ड्रोन के जरिए होने वाली नशे और हथियारों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए तैनात पंजाब पुलिस की एंटी ड्रोन टीम का एक कांस्टेबल ही नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से करीब 15 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हलचल मच गई है।

जानकारी के अनुसार, पंजाब में सीमावर्ती क्षेत्रों के जरिए पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं। इसी उद्देश्य से पुलिस की एंटी ड्रोन टीम भी तैनात की गई है। आरोप है कि इस टीम में तैनात कांस्टेबल खुद ही सीमा पार से नशीले पदार्थ मंगवाने के नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। बीएसएफ ने मामले में कार्रवाई करते हुए कांस्टेबल को गिरफ्तार किया और उसके पास से बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद की। जब्त की गई हेरोइन की मात्रा करीब 15 किलोग्राम है।



एआई चित्र।

- **पंजाब में सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई, कांस्टेबल से 100 करोड़ की हेरोइन जब्त**

इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये आंकी गई है। हालांकि, नशे की खेप कहां से मंगवाई गई थी और इसे आगे किसे पहुंचाया जाना था, इस संबंध में विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित एजेंसियां तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) भी जांच से जुड़ा है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास करेंगी कि आरोपी कांस्टेबल लंबे समय से इस गतिविधि में शामिल था या नहीं और क्या इस नेटवर्क में अन्य लोगों की भी भूमिका है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली टीम के जवान पर ही ऐसे आरोप लगने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित सहयोगियों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आरोपी के मोबाइल और संपर्कों की भी जांच की जा रही है, ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

पंजाब-हरियाणा के पेट्रोल पंपों पर यूपीआई भुगतान बंद करने का फैसला

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में पंजाब और हरियाणा के पेट्रोलियम डीलर्स ने पेट्रोल पंपों पर यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने का फैसला लिया है। इस निर्णय से पेट्रोल और डीजल भरवाने आने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के पंजाब प्रधान परमजीत सिंह दोआबा और प्रवक्ता मोंटी सहगल ने कहा कि पेट्रोल पंप संचालक पहले से ही कम मुनाफे के कारण आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में एमडीआर से जुड़ा मुद्दा उनकी चिंता बढ़ा रहा है। डीलर्स का कहना है कि पेट्रोलियम कारोबार में मुनाफे का अंतर सीमित है और बढ़ते खर्चों के बीच कारोबार चलाना मुश्किल होता जा रहा है। इसी के चलते एसोसिएशन ने एमडीआर के विरोध में यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने का निर्णय लिया है। इस कदम का उद्देश्य संबंधित शुल्क व्यवस्था के प्रति विरोध दर्ज कराना है। इस फैसले का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करने वाले लोगों को भुगतान के लिए नकद या पेट्रोल पंप पर उपलब्ध अन्य विकल्प अपनाने पड़ सकते हैं। खासकर उन वाहन चालकों को असुविधा हो सकती है, जो रोजमर्रा के लेनदेन में डिजिटल भुगतान पर निर्भर रहते हैं। डीलर्स की मांग और एमडीआर को लेकर आगे क्या निर्णय होता है, इस पर सभी की नजर रहेगी। डीलर्स ने संबंधित अधिकारियों से एमडीआर शुल्क व्यवस्था पर पुनर्विचार करने और पेट्रोल पंप संचालकों को राहत देने की मांग की है।

चंडीगढ़ में 35 एकड़ में बनेगा सिटी फॉरेस्ट, 13.72 करोड़ मंजूर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के लोगों को मनोरंजन और इको टूरिज्म का नया ठिकाना मिलने जा रहा है। इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 स्थित सुखना चो रिजर्व फॉरेस्ट में 35 एकड़ क्षेत्र में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है और इसके लिए 13.72 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे शहर में हरियाली बढ़ाने के साथ लोगों को प्रकृति के बीच समय बिताने का अवसर मिलेगा।

परियोजना का उद्देश्य वन क्षेत्र को इस तरह विकसित करना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों को मनोरंजन और प्रकृति से जुड़ी गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान मिल सके। सिटी फॉरेस्ट विकसित होने से शहरवासियों को व्यस्त दिनचर्या से दूर प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का नया विकल्प मिलने की उम्मीद है।

- **सिटी फॉरेस्ट से चंडीगढ़ में हरियाली और इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा**

सुखना चो रिजर्व फॉरेस्ट में प्रस्तावित यह परियोजना पर्यावरण और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सिटी फॉरेस्ट के विकास से लोगों में प्रकृति और वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। इसके अलावा, यह स्थान परिवारों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद इसके विकास की दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

झोटा हत्याकांड पर भाजपा का राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन

मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में भाजपा ने राज्यभर में किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट/जालंधर। मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में बुधवार को भाजपा ने पंजाब के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। कई स्थानों पर पुतले फूंके गए, जबकि प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया।

फरीदकोट में प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिला प्रधान संदीप सिंह सन्नी बराड़ को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनकी हिरासत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। भाजपा ने झोटा हत्याकांड को लेकर राज्य सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। पार्टी नेताओं ने हत्या की घटना पर रोष जताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जालंधर में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। पार्टी की ओर से राज्य के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। इसके बाद कार्यकर्ता अलग-अलग स्थानों पर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।



प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिला प्रधान हिरासत में।

भाजपा ने परविंदर सिंह झोटा की हत्या को गंभीर मामला बताते हुए पंजाब में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और नशा कारोबार को लेकर सवाल उठाए। पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रदेश में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। गौरतलब है कि झोटा हत्याकांड के बाद भाजपा ने राज्यभर में प्रदर्शन करने का एलान किया था। बुधवार को इसी आह्वान के तहत विभिन्न जिलों में विरोध जताया गया।

औसत एसीआर के आधार पर नहीं रोके सकते कर्मचारी की पदोन्नति, हाईकोर्ट सख्त

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी कर्मचारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में औसत श्रेणी दर्ज होने के आधार पर उसे पदोन्नति से वंचित नहीं किया जा सकता, यदि उसे इस रिपोर्ट की जानकारी देकर अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया हो।

- **औसत एसीआर के आधार पर प्रमोशन रोकने पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया रुख**



हाई कोर्ट।

हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार के तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग से जुड़े चार मामलों में कर्मचारियों की पदोन्नति पर दोबारा विचार करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि कर्मचारियों की एसीआर उनके सेवा रिकॉर्ड का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। ऐसे में रिपोर्ट में दर्ज प्रतिकूल या औसत मूल्यांकन का असर पदोन्नति पर पड़ने से पहले कर्मचारी को इसकी जानकारी देना और अपना पक्ष रखने का उचित अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी कर्मचारी को पदोन्नति के अवसर से वंचित करना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने संबंधित मामलों की समीक्षा तीन महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

मैड संधू हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। मेकअप आर्टिस्ट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मधुसूदन उर्फ मैड संधू हत्याकांड में पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जालंधर सीआईए की टीम ने मुंबई एटीएस के सहयोग से मामले के मुख्य आरोपित जश्नप्रीत सिंह को मुंबई से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से तीन पिस्तौल, पांच मैगजीन और 11 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, जश्नप्रीत सिंह मैड संधू हत्याकांड में मुख्य शूटर था। उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। उसकी गिरफ्तारी को मामले की जांच में महत्वपूर्ण कामयाबी माना जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आरोपित ने तरनतारन में रंगदारी के लिए की गई फायरिंग में अपनी संलिप्तता भी कबूल की है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है, ताकि हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। इस मामले में अब तक कुल नौ आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

- **तीन पिस्तौल और 11 कारतूस के साथ पकड़ा गया जश्नप्रीत सिंह**



एआई चित्र।

मैड संधू हत्याकांड में नए सुरागों की उम्मीद

पुलिस अब जश्नप्रीत सिंह से पूछताछ के आधार पर हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या में इस्तेमाल हथियार कहां से आए और आरोपित किन लोगों के संपर्क में था। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ से हत्याकांड की पूरी साजिश का खुलासा होगा।

मैड संधू हत्याकांड की जांच तेज

पुलिस के अनुसार, जश्नप्रीत सिंह की गिरफ्तारी से मैड संधू हत्याकांड की जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। आरोपित से पूछताछ कर हत्या की साजिश, हथियारों के स्रोत और अन्य संभावित आरोपितों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। तरनतारन में रंगदारी के लिए हुई फायरिंग में उसकी कथित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस मामले में अब तक नौ आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस बरामद हथियारों की जांच के साथ आरोपित के आपराधिक रिकॉर्ड और संभावित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

मैड संधू हत्याकांड में आरोपितों से पूछताछ जारी

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में गिरफ्तार आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि हत्याकांड को अंजाम देने के पीछे क्या कारण था और इसमें किस-किस की भूमिका रही। मुंबई से जश्नप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को मामले से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

कभी खुद नशे की गिरफ्त में था झोटा बाद में बना नशे के खिलाफ योद्धा

भारतेंदु संवाददाता, मानसा। नशे के खिलाफ आवाज उठाने और युवाओं को जागरूक करने वाले परविंदर सिंह झोटा की जिंदगी कभी खुद नशे की गिरफ्त में बीती थी। हालांकि, दोस्त की नशे के कारण हुई मौत ने उसे भीतर तक झकझोर दिया। इस घटना के बाद उसने न केवल खुद नशा छोड़ने का फैसला किया, बल्कि पंजाब के युवाओं को भी इस बुराई से बचाने के लिए मुहिम शुरू कर दी। परविंदर सिंह झोटा का जीवन इस बात का उदाहरण था कि इंसान अपनी गलतियों से सबक लेकर दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। दोस्त को खोने के बाद उसने नशे के दुष्परिणामों को करीब से समझा और इसके खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प लिया। धीरे-धीरे वह नशे के खिलाफ लड़ने वाले सक्रिय लोगों में शामिल हो गया। झोटा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करता था। वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपनी बात लोगों तक पहुंचाता और नशे के कारोबार से जुड़े लोगों को उजागर करने के लिए स्टिंग ऑपरेशन भी करता था। उसकी मुहिम का उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना और समाज में जागरूकता फैलाना था। खुद नशे की लत से बाहर निकलकर उसने दूसरों को इससे बचाने की कोशिश की।

जीरकपुर के बलटाना में पूर्व पार्षद नीतू चौधरी के घर पर हुई फायरिंग



- **पंजाब में बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने कानून-व्यवस्था पर खड़े किए सवाल**

भारतेंदु संवाददाता, जीरकपुर। पंजाब में आपराधिक घटनाओं के लगातार सामने आने से कानून-व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद बुधवार को जीरकपुर के बलटाना में पूर्व पार्षद नीतू चौधरी के घर पर फायरिंग की घटना सामने आई है। हमलावरों ने घर को निशाना बनाते हुए करीब आठ राउंड गोलियां चलाईं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

पुलिस के अनुसार, फायरिंग की सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हमलावरों की पहचान करने और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपितों की गतिविधियों और उनके आने-जाने के रास्ते के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने पूर्व पार्षद के घर पर करीब आठ गोलियां चलाईं और पुलिस उनकी पहचान करने के प्रयास में जुटी है। घटना के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

जांच पूरी होने के बाद ही फायरिंग से जुड़े अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा। इस घटना ने पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंगलवार को मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या और उसके अगले दिन जीरकपुर में पूर्व पार्षद के घर पर फायरिंग की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सुराग जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए जांच तेज कर दी गई है और सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

5. 27 अक्तूबर से 5 नवंबर तक चलेगी प्रतियोगिता, पंजाब में लौटेगा अंतरराष्ट्रीय हॉकी का रोमांच

मोहाली में सजेगा हॉकी का महाकुंभ, 4 और 5 नवंबर को निर्णायक मुकाबले

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में करीब 40 साल बाद बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी प्रतियोगिता का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के तहत 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के सभी मैच जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में आयोजित होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों की मेजबानी मोहाली करेगा।

चार नवंबर को सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे और पांच नवंबर को खिताबी मुकाबला होगा। इस प्रतियोगिता के आयोजन से पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हॉकी के प्रति राज्य के लोगों के लगाव को देखते हुए टूर्नामेंट को खास माना जा रहा है। जालंधर और मोहाली में होने वाले मुकाबलों के दौरान



दर्शकों को देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों का खेल देखने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के आयोजन से पंजाब की हॉकी परंपरा को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

27 अक्टूबर से शुरू होने वाली चैंपियनशिप के शुरुआती चरण में सभी टीमें जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। यहां लीग चरण के मुकाबलों के जरिए टीमें अगले दौर में जगह बनाने के लिए जोर लगाएंगी। प्रत्येक टीम की कोशिश बेहतर प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश करने की होगी। शुरुआती मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता का रोमांच मोहाली में अपने चरम पर पहुंचेगा, जहां सेमीफाइनल और फाइनल के जरिए चैंपियन का फैसला होगा। भारतीय हॉकी टीम इस प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा भारतीय खिलाड़ियों को मिल सकता है।

हालांकि, खिताब की राह आसान नहीं होगी, क्योंकि अन्य एशियाई टीमें भी मजबूत चुनौती पेश करेंगी। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए टीमों को शुरुआती चरण में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय प्रशंसकों को अपनी टीम से एक बार फिर शानदार खेल और खिताबी जीत की उम्मीद रहेगी। टूर्नामेंट की एक खास बात यह है कि दर्शक स्टेडियम में बैठकर मुकाबलों का आनंद निशुल्क उठा सकेंगे। इससे अधिक से अधिक लोगों को अंतरराष्ट्रीय हॉकी देखने का अवसर मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की प्रतियोगिता देखकर प्रेरणा मिल सकती है।

मानसा में झोटा के परिवार से मिले कांग्रेस सांसद राजा वड़िंग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। बुधवार को कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने झोटा के परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। उन्होंने परविंदर सिंह झोटा को शहीद का दर्जा देने की भी मांग की।

परिवार से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए राजा वड़िंग ने झोटा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले व्यक्ति की हत्या बेहद चिंताजनक है। इस घटना ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नशे की समस्या लगातार गहरी होती जा रही है और बड़ी संख्या में युवा इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं।

राजा वड़िंग ने कहा कि पंजाब में नशे का बढ़ता प्रभाव केवल राज्य के लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में रहने वाले पंजाबियों के लिए भी चिंता का विषय है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने नशे के खिलाफ अभियान चलाने वालों की सुरक्षा और उनके प्रयासों को महत्व देने पर भी जोर दिया। परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद उनके परिवार और समर्थकों में शोक का माहौल है।

लद्दाख को आज मिलेगी विकास की सौगात

पीएम मोदी करेंगे परियोजनाएं समर्पित, लद्दाख की राजनीतिक मांगों पर भी होगी चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, लेह

लद्दाख में 15 अक्टूबर को विकास और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन लेह के सिंधु घाट से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। वहीं, केंद्र सरकार और लद्दाख के स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच संवैधानिक संरक्षण, विशेष दर्जे तथा राजनीतिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर उपसमिति स्तर की अहम बैठक भी प्रस्तावित है। इन दोनों कार्यक्रमों को लद्दाख के विकास और क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांगों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। इसके लिए मुख्य सचिव के स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं को समर्पित करेंगे, उनसे संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यक्रम के दौरान सामने



आने की उम्मीद है। लद्दाख में सड़क, संपर्क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को क्षेत्र की जरूरतों के लिहाज से अहम माना जाता है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमावर्ती स्थिति के कारण यहां आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है।

इसी दिन केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) तथा कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रतिनिधियों के बीच

◆लद्दाख में विकास के साथ अधिकारों पर मंथन

उपसमिति स्तर की वार्ता भी होगी। बैठक में लद्दाख के संवैधानिक अधिकारों और राजनीतिक मांगों पर चर्चा की जाएगी। चार सूत्रीय एजेंडे के तहत संवैधानिक संरक्षण और केंद्र शासित प्रदेश को विशेष दर्जा देने जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। स्थानीय संगठनों की ओर से लंबे समय से इन विषयों पर केंद्र सरकार से बातचीत की जा रही है। ऐसे में इस बैठक को आगे की बातचीत की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लेह एपेक्स बॉडी के सह-अध्यक्ष त्सेरिंग दोरजे लाक्रुक के अनुसार, पहले बैठक कारगिल में आयोजित करने का प्रस्ताव था, लेकिन अब इसे लेह में निर्धारित किया गया है। उन्होंने वार्ता से सकारात्मक परिणाम निकलने की उम्मीद जताई है। हालांकि, बैठक के नतीजे बातचीत और दोनों पक्षों के रुख पर निर्भर करेंगे। लद्दाख के प्रतिनिधि संवैधानिक सुरक्षा और क्षेत्र के राजनीतिक भविष्य से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट प्रगति की अपेक्षा कर रहे हैं।

18 अक्टूबर को लेह आ सकते हैं अमित शाह



इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 18 अक्टूबर को लेह आने की संभावना भी जताई जा रही है। संभावित दौरे के दौरान जिला न्यायालय परिसर में नए भवन का उद्घाटन किए जाने की चर्चा है। हालांकि, गृह मंत्री के दौरे को लेकर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में उनके कार्यक्रम और यात्रा की अंतिम रूपरेखा स्पष्ट होना बाकी है। अगले कुछ दिनों में होने वाले इन कार्यक्रमों पर लद्दाख के राजनीतिक संगठनों, प्रशासन और स्थानीय लोगों की नजर रहेगी। विकास परियोजनाओं के साथ संवैधानिक अधिकारों पर होने वाली वार्ता से क्षेत्र में आगे की दिशा को लेकर उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

गुरेज में पांच इंच बर्फ, घाटी में बढ़ी ठंड

श्रीनगर समेत मैदानी इलाकों में बारिश और तेज हवाओं ने बदला मिजाज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। उत्तरी कश्मीर की गुरेज घाटी समेत ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई है, जबकि श्रीनगर सहित घाटी के मैदानी क्षेत्रों में बारिश और तेज हवाओं के कारण ठंड बढ़ गई है। राजदान टॉप पर करीब पांच इंच बर्फ दर्ज की गई। ताजा हिमपात से पहाड़ों ने सफेद चादर ओढ़ ली है। वहीं, सड़कों पर बर्फ जमने से फिसलन बढ़ने के कारण यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, बर्फ हटाने के बाद बुधवार को बांडीपोरा-गुरेज मार्ग पर यातायात फिर से बहाल कर दिया गया।

गुरेज घाटी के राजदान टॉप, किलशाय टॉप और काबल गली में ताजा बर्फबारी से पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक गया है। राजदान टॉप पर लगभग पांच इंच हिमपात होने से सड़क पर वाहनों की आवाजाही चुनौतीपूर्ण हो गई थी। संपर्क बहाल करने के लिए बर्फ हटाने वाली मशीनें तैनात की गईं। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और संबंधित एजेंसियों ने संयुक्त प्रयास कर मार्ग से बर्फ हटाई, जिसके बाद इस सड़क पर यातायात सुचारू हो सका। मार्ग खुलने से स्थानीय लोगों और यात्रियों को राहत मिली है।

◆राजदान टॉप पर हिमपात, बांडीपोरा-गुरेज मार्ग बहाल



गुलमर्ग, सोनमर्ग और जोजिला में भी हिमपात

बर्फबारी का असर केवल गुरेज घाटी तक सीमित नहीं रहा। गुलमर्ग, सोनमर्ग, जोजिला क्षेत्र, पहलगाम और उत्तरी कश्मीर के तुलैल इलाके में भी ताजा हिमपात दर्ज किया गया। गांदरबल के ऊंचे इलाकों, हरमुख चोटी के आसपास, साधना टॉप और सिंथन टॉप में भी बर्फ गिरी है। इन क्षेत्रों की चोटियां बर्फ की सफेद चादर से ढक गई हैं। मौसम में आए इस बदलाव से ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

बर्फबारी का असर केवल गुरेज घाटी तक सीमित नहीं रहा। गुलमर्ग, सोनमर्ग, जोजिला क्षेत्र, पहलगाम और उत्तरी कश्मीर के तुलैल इलाके में भी ताजा हिमपात दर्ज किया गया। गांदरबल के ऊंचे इलाकों, हरमुख चोटी के आसपास, साधना टॉप और सिंथन टॉप में भी बर्फ गिरी है। इन क्षेत्रों की चोटियां बर्फ की सफेद चादर से ढक गई हैं। मौसम में आए इस बदलाव से ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

दूसरी ओर, श्रीनगर सहित घाटी के मैदानी क्षेत्रों में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने से मौसम सर्द हो गया है। अचानक तापमान में गिरावट महसूस होने से लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। ऊंचाई वाले इलाकों में सड़कों पर बर्फ जमने से फिसलन बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

लोकतंत्र के लिए पारदर्शी चुनाव आयोग जरूरी: सुरिंदर चौधरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए पारदर्शी, सक्रिय और निष्पक्ष चुनाव आयोग जरूरी है। युवाओं की आवाज दबाने के बजाय उनकी शिकायतों का जवाब दिया जाना चाहिए और रोजगार जैसे मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

बुधवार को गांदरबल स्थित माता खीर भवानी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान चुनाव आयोग के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि युवा और जनता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा चाहते हैं, तो उन्हें पद



उपमुख्यमंत्री, सुरिंदर चौधरी।

◆बेरोजगारी पर बोले उपमुख्यमंत्री, चुनाव आयोग पर भी साधा निशाना

छोड़ देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं की मांगों को अनसुना नहीं किया जा सकता और उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने बेरोजगारी को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और अनेक त्याग करते हैं। इसके बावजूद पढ़ाई पूरी करने के बाद युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश का युवा नौकरी मांग रहा है और उसकी आवाज सुनी जानी चाहिए। युवाओं की शिकायतों का समाधान करना और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

चौधरी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता और युवाओं की मांगों को महत्व दिया जाना चाहिए। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता लोकतंत्र में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके सवालों का जवाब देने पर जोर दिया।

अखनूर में पशु चोरी के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू पुलिस ने अखनूर क्षेत्र में गाय और बछड़ों की चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस पोस्ट चौकी चौरा की टीम ने मामले की जांच के दौरान यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, पशु चोरी जैसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस के मुताबिक, एक अक्टूबर 2026 को पुलिस पोस्ट चौकी चौरा में मवेशी के बच्चे की चोरी की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर थाना अखनूर में एफआईआर नंबर 229/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा। उनकी पहचान मोहम्मद रजाक पुत्र नेक आलम निवासी गंगल, मोहम्मद शब्बीर पुत्र गुलाम अली निवासी कपियां-दी-बैन, शौकत अली पुत्र गुल मोहम्मद निवासी कोटली टांडा, बुल मोहम्मद पुत्र रमजान निवासी कोपी टांडा और करामत अली पुत्र मोहम्मद राशिद निवासी कोटली टांडा के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच करते हुए आरोपियों तक पहुंचने के लिए कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में पशुओं की चोरी सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कश्मीर में सदियों से अडिग 12 फीट ऊंचा शिवलिंग, अब शुरू हुआ मंदिर निर्माण

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर की वादियों में कई ऐसे प्राचीन धार्मिक स्थल मौजूद हैं, जो सदियों के बदलाव और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी ऐतिहासिक पहचान और आस्था को संजोए हुए हैं। बारामूला के कानलीबाग में स्थित 12 फीट ऊंचा प्राचीन शिवलिंग भी इन्हीं में से एक है। खुले आसमान के नीचे स्थापित यह विशाल शिवलिंग दूर से ही लोगों का ध्यान आकर्षित करता है।



समय और आतंकवाद के लंबे दौर के बीच कायम रही आस्था, अब शिवलिंग के पास बनेगा मंदिर

यहां न तो कोई भव्य मंदिर है और न ही नियमित पूजा-अर्चना की विशेष व्यवस्था, इसके बावजूद स्थानीय हिंदू समुदाय की इस शिवलिंग के प्रति गहरी आस्था बनी हुई है। बताया जाता है कि 14वीं शताब्दी में अफगान आक्रमण के दौरान यहां स्थित मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन शिवलिंग अपने मूल स्वरूप में बना रहा। समय बीतने के साथ आसपास की परिस्थितियां बदलती रहीं, मगर यह प्राचीन धार्मिक प्रतीक अपनी जगह पर कायम रहा।

लंबे समय तक शिवलिंग एक पेड़ के नीचे स्थित था, जिससे इसे प्राकृतिक छाया मिलती थी। हालांकि, अब वह पेड़ भी गिर चुका है और शिवलिंग के आसपास की मिट्टी धीरे-धीरे खिसकने लगी है। इससे इसके संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय श्रद्धालु लंबे समय से यहां मंदिर निर्माण और शिवलिंग के संरक्षण की मांग कर रहे थे। अब उनके प्रयासों के बाद इस स्थान पर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

इससे श्रद्धालुओं में उम्मीद जगी है कि प्राचीन शिवलिंग को सुरक्षित रखने के साथ यहां पूजा-अर्चना के लिए भी उचित व्यवस्था विकसित हो सकेगी। स्थानीय लोगों के लिए यह शिवलिंग केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि क्षेत्र के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। सदियों पुराने इस स्थल का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों तक इसकी ऐतिहासिक पहचान और धार्मिक परंपरा को पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

आतंकी फंडिंग मामले में मुश्ताक अहमद मीर भगोड़ा घोषित

भारतेंदु संवाददाता,जम्मू

जम्मू की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने आतंकी फंडिंग से जुड़े मामले में राजौरी निवासी मुश्ताक अहमद मीर को भगोड़ा घोषित कर दिया है। उस पर अल-हुदा एजुकेशन ट्रस्ट (एएचईटी) के माध्यम से प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के लिए कथित तौर पर धन जुटाने और उसका इस्तेमाल करने का आरोप है। उसके पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में छिपे होने की आशंका है।

विशेष न्यायाधीश प्रेम सागर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 के तहत एनआईए की ओर से दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत के अनुसार, मुश्ताक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, लेकिन वह न तो गिरफ्तार हुआ और न ही अदालत में पेश हुआ। समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित कराने सहित निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद उसकी उपस्थिति सुनिश्चित नहीं हो सकी।

◆अदालत में पेश नहीं होने पर आतंकी फंडिंग का आरोपित भगोड़ा घोषित किया

मुश्ताक राजौरी जिले की दरहाल तहसील के थानामंग गांव का निवासी है। बताया जाता है कि वह 1995-96 में नियंत्रण रेखा पार कर आतंकवाद में शामिल होने के लिए चला गया था। एनआईए का यह मामला वर्ष 2022 का है। आरोप है कि फरवरी 2019 में जमात-ए-इस्लामी को गैरकानूनी संगठन घोषित किए जाने के बाद भी एएचईटी के जरिए उसके लिए धन जुटाया गया और इस्तेमाल किया गया। अगस्त 2025 में विशेष एनआईए अदालत ने मुश्ताक, एएचईटी सहित तीन आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

जम्मू-कश्मीर में कल्याण की राह अब भी कठिन

योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के दावों के बीच वंचित परिवारों की चुनौतियां बनीं बड़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में विकास की रफ्तार के बीच सामाजिक न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचाना अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी सेवाओं और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के बावजूद कमजोर तबकों के कई परिवार बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं। कहीं आवश्यक प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों की कमी योजनाओं का लाभ लेने में बाधा बन रही है, तो कहीं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं।

पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और सरकारी सहायता तक पहुंच बनाना आसान नहीं है। मौसमी पलायन के



◆विकास के दावों के बीच वंचित परिवारों की मुश्किलें बरकरार

कारण भी कई परिवारों के सामने बच्चों की पढ़ाई, पोषण और सरकारी सुविधाओं का लाभ नियमित रूप से प्राप्त करने जैसी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं।

विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाएं और जागरूकता की कमी योजनाओं का लाभ लेने में अतिरिक्त बाधा पैदा करती हैं। ऐसे में केवल योजनाएं शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके क्रियान्वयन की नियमित निगरानी और जरूरतमंद लोगों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इसके लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, दस्तावेज तैयार कराने में सहायता देने और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मचारियों और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी अनावश्यक बाधा के समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचेगा और सामाजिक न्याय का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को मिल सकेगा।

जम्मू-कश्मीर में डेंगू के 1200 मामले आए सामने

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में इस साल डेंगू के करीब 1,200 मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में संक्रमण के मामलों में कमी दर्ज की गई है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इसे खतरे के पूरी तरह टलने का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। डेंगू के प्रति लापरवाही मरीजों की परेशानी बढ़ा सकती है और समय पर उपचार नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

चिकित्सकों के अनुसार, डेंगू से पीड़ित मरीजों को बुखार के दौरान ही नहीं, बल्कि बुखार उतरने के बाद भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इस अवधि में कुछ मरीजों में गंभीर जटिलताएं विकसित हो सकती हैं, इसलिए उनकी सेहत पर लगातार नजर रखना जरूरी है। जम्मू-कश्मीर में पिछले वर्षों के आंकड़े भी इस बीमारी की गंभीरता को दर्शाते हैं।



फाईल फोटो।

वर्ष 2022 में प्रदेश में डेंगू के 8,269 मामले दर्ज किए गए थे, जो अब तक के सर्वाधिक आंकड़ों में शामिल हैं। उस वर्ष संक्रमण के कारण 18 लोगों की मौत भी हुई थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। मरीजों को पर्याप्त आराम, तरल पदार्थों का सेवन और चिकित्सकों के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आस्था | लंबी कतारें, अटूट आस्था, मां के जयकारों से गूंजा कटड़ा

नवरात्र में वैष्णो देवी दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

पवित्र शारदीय नवरात्र के दौरान मां वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। नवरात्र के पहले चार दिनों में 1.67 लाख से अधिक श्रद्धालु मां के चरणों में नतमस्तक हो चुके हैं। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मनगरी कटड़ा पहुंच रहे हैं। मां के दिव्य दर्शन को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा मार्ग से लेकर भवन परिसर और भैरव घाटी तक हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी हुई है। मां के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आ रहा है।

श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के चलते पंजीकरण केंद्रों, दर्शनी ड्योढ़ी पर सुरक्षा जांच और भवन में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हुई हैं। कई स्थानों पर



श्रद्धालुओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद उनके उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही। भक्त मां के जयकारे लगाते हुए पूरे जोश और श्रद्धा के साथ भवन की ओर बढ़ रहे हैं। नवरात्र के अवसर पर कटड़ा के बाजारों और यात्रा मार्ग पर भी विशेष रौनक देखने को मिल रही है।

मां वैष्णो देवी के दर्शन के साथ श्रद्धालु पवित्र गर्भजून गुफा और भैरव घाटी में बाबा भैरवनाथ के दर्शन के लिए भी पहुंच रहे हैं। इन स्थानों पर भी भक्तों की कतारें लगी हुई हैं। श्रद्धालु अपनी यात्रा को यादगार बनाने के लिए पूरे परिवार के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। कई भक्त पैदल यात्रा करते हुए भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नवरात्र के दौरान धार्मिक वातावरण और भक्तों की आस्था देखते ही बन रही है।

श्रद्धालुओं की भारी आमद के कारण पंजीकरण, सुरक्षा जांच और दर्शन व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। लंबी कतारों के बावजूद भक्त धैर्य के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मां के प्रति अटूट विश्वास उन्हें यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित कर रहा है। कटड़ा में देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं के कारण धार्मिक गतिविधियों में तेजी आई है। नवरात्र के शुरुआती चार दिनों में 1.67 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का मां के दरबार में पहुंचना यात्रा के प्रति लोगों की गहरी आस्था को दर्शाता है। आने वाले दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना के बीच यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाएं महत्वपूर्ण बनी हुई हैं।

भैरव घाटी तक भक्तों की कतारें

मां वैष्णो देवी के दर्शन के साथ श्रद्धालु पवित्र गर्भजून गुफा और भैरव घाटी में बाबा भैरवनाथ के दर्शन के लिए भी पहुंच रहे हैं। इन स्थानों पर भी भक्तों की कतारें लगी हुई हैं। श्रद्धालु अपनी यात्रा को यादगार बनाने के लिए पूरे परिवार के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। कई भक्त पैदल यात्रा करते हुए भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नवरात्र के दौरान धार्मिक वातावरण और भक्तों की आस्था देखते ही बन रही है। श्रद्धालुओं की भारी आमद के कारण पंजीकरण, सुरक्षा जांच और दर्शन व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। लंबी कतारों के बावजूद भक्त धैर्य के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मां के प्रति अटूट विश्वास उन्हें यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित कर रहा है।

वैष्णो देवी के लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली-कटड़ा के बीच विशेष ट्रेनें चलाने के साथ फेरे भी बढ़ाए

भारतेंदु संवाददाता,जम्मू

त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही रेलवे ने पहले से संचालित एक जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरों में भी बढ़ोतरी की है। इस पहल से त्योहारों के दौरान जम्मू और कटड़ा जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अतिरिक्त रेल सेवाओं का लाभ मिलेगा।

त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों को लौटते हैं और धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करते हैं। इसके कारण प्रमुख रेल मार्गों पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। नई दिल्ली से जम्मू और कटड़ा जाने वाले यात्रियों को भी इस दौरान आरक्षण तथा सीटों की उपलब्धता से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में विशेष ट्रेनों का संचालन और पहले से चल रही ट्रेनों के फेरे बढ़ाने का निर्णय यात्रियों की अतिरिक्त मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



घटेगा भीड़ का दबाव

उत्तर रेलवे की ओर से की गई इस व्यवस्था से यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में अधिक विकल्प मिल सकेंगे। विशेष ट्रेनों के संचालन से नियमित रेल सेवाओं पर भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। त्योहारों के दौरान परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों और वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को इससे सुविधा मिलने की उम्मीद है।

उत्तर रेलवे की ओर से की गई इस व्यवस्था से यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में अधिक विकल्प मिल सकेंगे। विशेष ट्रेनों के संचालन से नियमित रेल सेवाओं पर भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। त्योहारों के दौरान परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों और वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को इससे सुविधा मिलने की उम्मीद है।

रेल यात्रा करने वाले यात्रियों को सलाह है कि वे यात्रा से पहले विशेष ट्रेनों के संचालन की तारीख, समय, ठहराव और आरक्षण की उपलब्धता की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित रेलवे पूछताछ माध्यम से प्राप्त कर लें। इससे यात्रा की योजना बनाने और अंतिम समय में होने वाली परेशानियों से बचने में मदद मिलेगी।

प्रकृति का सम्मान ही सच्चे विकास की पहचान



आज का युग विकास, विज्ञान और तकनीक का युग है। देश और समाज की प्रगति के लिए सड़कें, भवन, उद्योग, ऊर्जा परियोजनाएं, आधुनिक शहर और बेहतर परिवहन व्यवस्था आवश्यक हैं। विकास से लोगों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की अनेक सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन विकास की इस दौड़ में यदि प्रकृति और पर्यावरण की उपेक्षा की जाए, तो यही विकास भविष्य के लिए गंभीर संकट बन सकता है। इसलिए सच्चा और दूरदर्शी विकास वही है, जिसमें मानव की आवश्यकताओं के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण को भी समान महत्व दिया जाए। मानव जीवन पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। हमें सांस लेने के लिए शुद्ध वायु, पीने के लिए स्वच्छ जल, भोजन के लिए उपजाऊ भूमि और स्वस्थ जीवन के लिए अनुकूल वातावरण प्रकृति से ही प्राप्त होता है। जंगल वर्षा और जलचक्र को प्रभावित करते हैं, पेड़ वातावरण में संतुलन बनाए रखने में सहायता करते हैं तथा नदियां और जलस्रोत जीवन को गति देते हैं।

पशु-पक्षी और अन्य जीव-जंतु भी प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जाएगा, तो इसका प्रभाव केवल जंगलों और वन्यजीवों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मानव जीवन भी प्रभावित होगा। बढ़ता प्रदूषण, जल संकट, अनियमित वर्षा, भूस्खलन, बाढ़ और बदलता मौसम हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ का परिणाम अंतत: मानव को ही भुगतना पड़ता है। विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़े उद्योग स्थापित करना नहीं है। विकास का वास्तविक अर्थ लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार करना भी है।

यदि आज हम सुविधाओं के लिए जंगलों को समाप्त कर देंगे और जलस्रोतों को प्रदूषित कर देंगे, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए क्या छोड़कर जाएंगे? इसलिए विकास योजनाएं बनाते समय पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीरता से अध्ययन किया जाना चाहिए। निर्माण कार्यों में अनावश्यक पेड़ों की कटाई से बचना चाहिए और जहां कटाई आवश्यक हो, वहां व्यापक स्तर पर नए पौधे लगाए जाने चाहिए। जलस्रोतों, नदियों और प्राकृतिक क्षेत्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पर्वतीय राज्यों और क्षेत्रों में प्रकृति का संरक्षण और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। पहाड़ों की भौगोलिक संरचना संवेदनशील होती है। यहां अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और प्राकृतिक जल निकासी के साथ छेड़छाड़ से भूस्खलन तथा अन्य प्राकृतिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, वनों और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटन और विकास यहां की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पर्यटन और निर्माण गतिविधियों को पर्यावरण के अनुकूल बनाना आवश्यक है।

स्थानीय परिस्थितियों और प्रकृति की क्षमता को ध्यान में रखकर विकास कार्य किए जाएं, तभी पहाड़ों की सुंदरता और सुरक्षा दोनों बनी रह सकती हैं। जल प्रकृति का अनमोल उपहार है, लेकिन आज अनेक क्षेत्रों में जल संकट बढ़ रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन और जलस्रोतों का प्रदूषण भविष्य के लिए चिंता का विषय है। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण और पानी का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। हर व्यक्ति अपने स्तर पर पानी बचाने का प्रयास कर सकता है। घरों, विद्यालयों और सार्वजनिक संस्थानों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

तालाबों, बावड़ियों, झरनों और प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण की बात आते ही वृक्षारोपण का उल्लेख होता है। पेड़ लगाना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल पौधे लगाकर फोटो खिंचवाना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों की देखभाल करना और उन्हें विकसित होने तक सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं, पंचायतों और युवाओं को मिलकर नियमित पौधरोपण एवं संरक्षण अभियान चलाने चाहिए। स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल प्रजातियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जब पौधों की देखभाल सामूहिक जिम्मेदारी बनती है, तभी हरित पर्यावरण का लक्ष्य सफल हो सकता है।



केशव शर्मा 'रसिक'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

मानवता की परीक्षा

श्रीलंका के हिंदू इंजीनियर सिवारसा अनोजन को सऊदी अरब में मृत्युदंड सुनाए जाने का मामला अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना हुआ है। सिवारसा वहां बैटरी बनाने वाली एक फैक्ट्री में काम करते थे। सोशल मीडिया पर धार्मिक विवाद के दौरान की गई उनकी एक टिप्पणी के बाद उन्हें सजा सुनाए जाने की खबर सामने आई है। बताया जाता है कि 27 जून को श्रीलंका के कतरगामा में भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) की तीर्थयात्रा के दौरान एक कुत्ते को लात मारने का वीडियो प्रसारित हुआ था। इसके बाद फेसबुक पर भगवान शिव के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी की गई। इसके जवाब में सिवारसा ने तमिल भाषा में पैगंबर मोहम्मद के बारे में टिप्पणी कर दी। उन्होंने करीब दस मिनट के भीतर टिप्पणी हटा दी और क्षमा भी मांगी। हालांकि, टिप्पणी का स्क्रीनशॉट लेकर उनकी कंपनी के सऊदी मालिक को भेज दिया गया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। खबरों के अनुसार, पहले उन्हें पांच वर्ष के कारावास और 30 लाख सऊदी रियाल के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। गत 17 सितंबर को अपीलीय अदालत ने कथित तौर पर शरीयत कानून के तहत सजा बढ़ाकर मृत्युदंड कर दी।

यह प्रकरण न्याय, धार्मिक सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े कई गंभीर सवाल खड़े करता है। इस पर मानवाधिकारों में विश्वास रखने वाले सभी लोगों, विशेषकर धार्मिक और सामाजिक संगठनों तथा बुद्धिजीवियों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को आहत करना उचित नहीं है, लेकिन ऐसी घटनाओं में कार्रवाई निष्पक्ष और समान मानदंडों के आधार पर होनी चाहिए। यदि एक धर्म के प्रतीकों और आस्थाओं के अपमान को गंभीर अपराध माना जाता है, तो दूसरे धर्मों के प्रति अपमानजनक टिप्पणियों को भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक सम्मान के प्रश्न किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं हो सकते।

इस मामले में यह भी महत्वपूर्ण है कि सिवारसा की टिप्पणी किस संदर्भ में की गई थी, उसे हटाने और क्षमा मांगने के उनके कदमों पर कितना विचार हुआ तथा संबंधित कानूनी प्रक्रिया में उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का अवसर मिला या नहीं। इन पहलुओं की स्वतंत्र और विश्वसनीय जानकारी सामने आना आवश्यक है। यदि किसी टिप्पणी के लिए मृत्युदंड जैसी कठोर सजा सुनाई गई है, तो उसकी कानूनी और मानवीय समीक्षा की मांग स्वाभाविक है। धार्मिक विवादों का समाधान प्रतिशोध या असमान दंड से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण प्रक्रिया और संयम से होना चाहिए।

इस घटना पर भारतीय समाज और राजनीतिक वर्ग की प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि सिवारसा के मामले में भारतीय नेताओं, संगठनों और प्रमुख बुद्धिजीवियों की ओर से पर्याप्त आवाज नहीं उठाई गई।

भारतीय प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के लिए सऊदी अरब के अधिकारियों के समक्ष मानवीय आधार पर अपील रखना एक संभावित रास्ता हो सकता है। सऊदी नेतृत्व से सजा की समीक्षा और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जा सकता है। ऐसी पहल का उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय को निशाना बनाना नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार, न्याय और समानता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों की रक्षा होना चाहिए।

इस प्रकरण में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि भगवान शिव के संबंध में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध क्या कार्रवाई हुई। उपलब्ध तथ्यों की निष्पक्ष जांच किए बिना किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। फिर भी, यदि धार्मिक आस्था के अपमान की शिकायत की गई थी, तो उसकी भी समान गंभीरता से जांच होनी चाहिए। किसी विवाद की शुरुआत किसने की, किसने क्या कहा और बाद में किसने अपनी टिप्पणी हटाई या क्षमा मांगी—इन सभी तथ्यों को कानूनी प्रक्रिया में महत्व मिलना चाहिए। किसी की धार्मिक पहचान के आधार पर न्याय के मानदंड बदलना समाज में अविश्वास को बढ़ा सकता है।

सिवारसा अनोजन का मामला केवल किसी एक व्यक्ति या समुदाय का प्रश्न नहीं है। यह धार्मिक सहिष्णुता, पारस्परिक सम्मान और कानून के समान अनुप्रयोग की व्यापक चुनौती को सामने लाता है। हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, ईसाई और नास्तिक—सभी को दूसरों की आस्था और विचारों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार करना चाहिए। धार्मिक आलोचना, अपमान और उसके जवाब में की गई टिप्पणी के बीच अंतर को समझते हुए हर मामले में तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय होना चाहिए।

यदि मृत्युदंड की सजा की पुष्टि होती है, तो मानवीय आधार पर उसकी समीक्षा के लिए आवाज उठाना आवश्यक है। न्याय की मांग किसी राजनीतिक या धार्मिक खेमे तक सीमित नहीं होनी चाहिए। सिवारसा के मामले में निष्पक्ष सुनवाई, समान मानदंड और मानवीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करने की पहल ही धार्मिक सद्भाव और न्याय के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता का परिचय दे सकती है।

-शिवांश धाकड़

ग्लोबल वार्मिंग : मनुष्य के साथ ही समस्त जगत के विनाश का संकेत



मानव सभ्यता आज विज्ञान और तकनीक के जिस उच्च शिखर पर पहुंच चुकी है, उसने जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बना दिया है, किंतु इसी विकास की दौड़ में प्रकृति का संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ गया है। ग्लोबल वार्मिंग आज केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि समस्त मानवता और जीव-जगत के अस्तित्व से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बन चुकी है।

ग्लोबल वार्मिंग का तात्पर्य पृथ्वी के औसत तापमान में निरंतर वृद्धि से है। इसका प्रमुख कारण वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों-कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड—की बढ़ती मात्रा है। औद्योगीकरण, वाहनों का बढ़ता उपयोग, कोयला-पेट्रोलियम का अत्यधिक दहन तथा वनों की अंधाधुंध कटाई ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। वृक्षों की कमी के कारण कार्बन अवशोषण घट गया है, जिससे वातावरण में गर्मी लगातार बढ़ रही है। इस तापवृद्धि का प्रभाव पृथ्वी की समस्त प्राकृतिक प्रणालियों पर स्पष्ट दिखाई देता है। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, यमुना और अन्य नदियों के जल स्रोत संकट में हैं। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों और द्वीपों के डूबने का खतरा उत्पन्न हो गया है। मौसम चक्र असंतुलित हो चुका है-कहीं भीषण बाढ़, कहीं सूखा और कहीं असामान्य गर्मी सामान्य घटनाएं बनती जा रही हैं। इसका सीधा असर कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा पर पड़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग का सबसे गंभीर प्रभाव जैव विविधता पर पड़ रहा है। ध्रुवीय भालू, हिम तेंदुए, पेंगुइन और अनेक समुद्री जीव अपने प्राकृतिक आवास खो रहे हैं। प्रवासी पक्षियों के प्रवास चक्र में बाधा आ रही है और कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन भी तेजी से बिगड़ रहा है, जिससे संपूर्ण खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो रही है। मानव स्वास्थ्य भी इस संकट से अछूता नहीं है। बढ़ते तापमान के कारण हीट स्ट्रोक, हृदय रोग, श्वसन समस्याएं और त्वचा रोग बढ़ रहे हैं। मच्छर जनित बीमारियां जैसे डेंगू और मलेरिया नए क्षेत्रों में फैल रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं-बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग के कारण आर्थिक क्षति भी लगातार बढ़ रही है।



सुभाष चंद काशव
जिला चंबा (हि.प्र.)

इस गंभीर संकट का समाधान केवल सरकारी नीतियों से संभव नहीं है। इसके लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण, वनों का संरक्षण, सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का उपयोग तथा प्लास्टिक और प्रदूषण पर नियंत्रण समय की मांग है। साथ ही, प्रत्येक नागरिक को अपनी जीवनशैली में पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देनी होगी। विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को पर्यावरण शिक्षा को व्यवहारिक रूप से अपनाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रकृति के प्रति संवेदनशील बन सके। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सभी देशों को मिलकर इस संकट का समाधान खोजना होगा, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग किसी एक राष्ट्र की नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की समस्या है।

अंतत: यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग केवल तापमान वृद्धि नहीं, बल्कि समस्त चराचर जगत के विनाश का संकेत है। यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो भविष्य की पीढ़ियां एक असंतुलित और संकटग्रस्त पृथ्वी की उत्तराधिकारी बनेंगी। पृथ्वी का संरक्षण ही मानव सभ्यता का संरक्षण है, और यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दवा के नाम पर जहर का कारोबार, आखिर कब जागेगी सरकार?



गुणवत्ताहीन दवाओं पर कौन लगाएगा लगाम?

नकली और गुणवत्ताहीन दवाओं के निर्माण तथा उनकी बिक्री का मामला बेहद गंभीर है। दवा ऐसी वस्तु है जिसका संबंध सीधे इंसान के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा होता है। यदि यही दवा मानकों पर खरी न उतरे तो वह बीमारी दूर करने के बजाय मरीज के लिए खतरा बन सकती है। हिमाचल प्रदेश के कुछ दवा उद्योगों में तैयार होने वाली दवाओं की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे मामलों ने प्रदेश की दवा निर्माण व्यवस्था, निगरानी तंत्र और सरकारी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

हाल में नकली दवा निर्माण और जीएसटी में कथित चोरी को लेकर न्यायालय की गंभीरता भी सामने आई है। नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो की चंडीगढ़ इकाई द्वारा बद्दी और नालागढ़ क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां और टेपेंटाडोल पाउडर बरामद किया जाना भी चिंता बढ़ाने वाला है। यदि दवाओं की आड़ में नशीले पदार्थों का कारोबार होता है तो यह केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं बल्कि युवा पीढ़ी और समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर संकट है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच में हिमाचल प्रदेश में निर्मित दवाओं के कई नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण में असफल होना भी चिंता का विषय है। बुखार, दर्द, संक्रमण, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गैस, एनीमिया, एलर्जी और त्वचा रोगों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के नमूनों पर सवाल उठना सीधे आम जनता के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इंजेक्शन, सिरप, क्रीम, जेल और अन्य औषधीय उत्पादों की गुणवत्ता में कमी किसी मरीज के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। दवाओं के घुलने, सक्रिय तत्व की मात्रा, टूटने, पहचान, अम्लीयता और रोगाणुरहित होने जैसे परीक्षणों में असफलता को सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हिमाचल प्रदेश देश के प्रमुख औषधि निर्माण केंद्रों में शामिल है। प्रदेश में सैकड़ों दवा उद्योग संचालित हैं और देश की बड़ी मात्रा में दवाओं का निर्माण यहां होता है। ऐसे में यहां बनने वाली प्रत्येक दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार, औषधि नियंत्रकों और संबंधित कंपनियों की बड़ी जिम्मेदारी है। कुछ उद्योगों की लापरवाही या गलत गतिविधियों का असर पूरे प्रदेश की औषधि उद्योग की प्रतिष्ठा पर पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या दवाओं की कीमत और उनकी बिक्री व्यवस्था से जुड़ी है। कई बार मरीजों को महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था होने के बावजूद बाजार में कीमतों को लेकर शिकायतें सामने आती रहती हैं। आम आदमी बीमारी की स्थिति में चिकित्सक द्वारा लिखी दवा खरीदने को मजबूर होता है और कीमत अधिक होने पर उसके सामने कोई आसान विकल्प नहीं रहता।

दवाओं के उचित रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अनेक औषधियों को निर्धारित तापमान और उचित वातावरण में रखना आवश्यक होता है। यदि दवाएं धूप, अत्यधिक गर्मी, नमी या गलत परिस्थितियों में लंबे समय तक रखी जाएं तो उनकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रत्येक औषधि विक्रेता की नियमित जांच होना जरूरी है। केवल लाइसेंस जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित विभागों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि नियमों का पालन वास्तव में हो रहा है।

औषधि निरीक्षण व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है। यदि एक अधिकारी के पास कई जिलों की जिम्मेदारी होगी तो नियमित निरीक्षण और प्रभावी निगरानी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। सरकार को पर्याप्त संख्या में औषधि निरीक्षक और अन्य तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति करनी चाहिए। संदिग्ध दवाओं के नमूनों की नियमित जांच, दोषी कंपनियों पर कठोर कार्रवाई और जांच की पारदर्शी व्यवस्था आवश्यक है।



सुखदेव सिंह, नूरपुर

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज की प्रमुख हस्ती

मिसाइल मैन से जनराष्ट्रपति तक

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारत के महान वैज्ञानिकों और लोकप्रिय राष्ट्रपतियों में से एक थे। उनका पूरा नाम अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले कलाम के पिता जैनुलाब्दीन दूरसंचार कर्मचारी नहीं, बल्कि नावों से जुड़े कार्य करते थे, जबकि उनकी मां आशियम्मा गृहिणी थीं। सीमित संसाधनों के बावजूद कलाम ने शिक्षा और मेहनत के बल पर देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।



डॉ. एपीजे अब्दुल
जन्म : 15 अक्टूबर 1931

कलाम ने भौतिक विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल की। उन्होंने अपने वैज्ञानिक जीवन के लगभग चार दशक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में बिताए। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और मिसाइल विकास परियोजनाओं में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रक्षेपण यान तकनीक के विकास में भूमिका के कारण उन्हें 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाने लगा। वर्ष 1998 में पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विज्ञान और रक्षा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए वर्ष 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वर्ष 2002 में कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए और 2007 तक इस पद पर रहे। उन्हें 'जनता का राष्ट्रपति' कहा जाता था, क्योंकि वे विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों से सहजता से संवाद करते थे। उनका मानना था कि देश का भविष्य युवाओं की शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक क्षमता पर निर्भर करता है।

राष्ट्रपति पद से कार्यकाल पूरा करने के बाद भी कलाम शिक्षण, लेखन और सार्वजनिक सेवा से जुड़े रहे। वे विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को संबोधित करते और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते थे। 27 जुलाई 2015 को शिलांग स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान में व्याख्यान देते समय उन्हें हृदयाघात हुआ और उनका निधन हो गया।

चेहरे की चमक बढ़ाने में मददगार है फेस स्टीमिंग



फेस स्टीमिंग को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की 'स्वेदन' प्रक्रिया से जोड़कर देखा जाता है। सदियों से महिलाएं भाप का उपयोग शरीर और त्वचा को आराम देने तथा ताजगी महसूस करने के लिए करती रही हैं। आज भी भाप लेना आराम और सौंदर्य देखभाल का लोकप्रिय तरीका है। स्पा, सौना या गर्म पानी से स्नान के रूप में भाप का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे की त्वचा के लिए भी सीमित और सही तरीके से की गई स्टीमिंग उपयोगी हो सकती है।

वातावरण में मौजूद धूल, प्रदूषण और पसीना त्वचा पर जमा होकर रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं। इससे त्वचा तैलीय दिखाई देने लगती है और मुंहासों तथा ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। चेहरे पर हल्की भाप लेने से त्वचा की सतह पर जमा तेल और गंदगी नरम होने में मदद मिलती है, जिससे चेहरे की सफाई आसान हो सकती है।

फेस स्टीमिंग त्वचा को कोमल और मुलायम बनाने में भी मदद कर सकती है। गर्म भाप से त्वचा पर जमा सीबम और गंदगी कुछ हद तक ढीली हो जाती है। विशेष रूप से ब्लैकहेड्स की सफाई से पहले हल्की स्टीमिंग करने से त्वचा और रोमछिद्रों में जमा पदार्थ नरम हो सकते हैं। हालांकि, ब्लैकहेड्स को जोर लगाकर निकालने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए सावधानी जरूरी है।

भाप त्वचा की ऊपरी परत को नम करने में भी मदद करती है। स्टीमिंग के बाद त्वचा पर हल्का मॉइस्चराइजर या उपयुक्त सीरम लगाने से नमी को बनाए रखने में सहायता मिल सकती है। इस प्रक्रिया से त्वचा कुछ समय के लिए अधिक मुलायम और ताजा दिखाई दे सकती है।

स्टीमिंग के दौरान चेहरे पर गर्मी बढ़ने से रक्त संचार अस्थायी रूप से बेहतर महसूस हो सकता है, जिससे त्वचा में ताजगी और चमक दिखाई दे सकती है। हालांकि, यह दावा करना उचित नहीं है कि केवल भाप लेने से कोलेजन और इलास्टिन का उत्पादन निश्चित रूप से बढ़ता है। त्वचा की वास्तविक सेहत के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, धूप से बचाव और नियमित त्वचा देखभाल अधिक महत्वपूर्ण हैं। चेहरे को भाप देने के लिए गर्म तौलिए का इस्तेमाल अपेक्षाकृत सरल तरीका है। एक साफ छोटे तौलिए को गर्म पानी में भिगोकर अच्छी तरह निचोड़ें और जब तापमान त्वचा के लिए आरामदायक हो जाए, तब इसे कुछ देर चेहरे पर रखें। उबलते पानी का इस्तेमाल सीधे त्वचा पर न करें और बहुत गर्म तौलिया चेहरे पर न रखें।

पानी से भाप लेने की स्थिति में पानी को गर्म करने के बाद उसे थोड़ी देर ठंडा होने दें। चेहरे को पानी के बहुत पास न ले जाएं। लगभग 20 से 25 सेंटीमीटर की दूरी रखना और भाप को सहने योग्य तापमान पर रखना बेहतर है। आंखें बंद रखें और यदि गर्मी, जलन या असहजता महसूस हो तो तुरंत प्रक्रिया रोक दें।



शहनाज हुसैन

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

कविता

मोबाइल का प्रयोग न करें



मुकेश विग, किशन निवास
ठोडो मोड़, सोलन

वाहन चला रहे हों या पैदल कहीं जा रहे हों,
खाना खाते समय भी फोन से दूरी बनाए रखें।
न काम से बड़ी कोई मजबूरी, न कोई बहाना करें,
सुरक्षा को प्राथमिकता दें, मोबाइल का प्रयोग न करें।
जब मौसम हो खराब और बिजली चमक रही हो,
चाहे घर में हों या कहीं बाहर सफर कर रहे हों।
सावधानी का साथ लेकर खुद की रक्षा करें,
ऐसे समय में मोबाइल का प्रयोग न करें।
मंदिर जा रहे हों, ध्यान में मन लगा रहे हों,
या स्नान करते हुए अपने कार्य में व्यस्त हों।
एकाग्रता और मर्यादा का सदैव सम्मान करें,
इन पलों में मोबाइल का प्रयोग न करें।
पानी हो या ऊंची ढलान, सेल्फी का न रखें ध्यान,
क्षणिक शौक में डालकर जोखिम में अपनी जान।
सुरक्षित रहें और समझदारी का परिचय दें,
ऐसे अवसरों पर मोबाइल का प्रयोग न करें।
हो रात का अंधेरा या हो रहा नया सवेरा,
चार्जिंग पर लगा हो फोन, रखें उससे थोड़ा फासला।
सावधानी से ही जीवन में सुख और चैन भरें,
चार्जिंग के समय मोबाइल का प्रयोग न करें।
आंखों की रोशनी और कानों का भी रखें ध्यान,
बैटरी जब गर्म हो जाए, न करें उसका इस्तेमाल।
स्वास्थ्य और सुरक्षा का हमेशा सम्मान करें,
समझदारी अपनाएं, मोबाइल का प्रयोग न करें।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

बेहतर शिक्षा और अवसर देना सरकार की प्राथमिकता : सुक्खू

काजा में बच्चों से मिले मुख्यमंत्री सुक्खू, पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

भारतेन्दु संवाददाता, काजा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पीति घाटी के काजा दौरे के दौरान स्कूली बच्चों से मुलाकात कर उनके साथ आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री का स्नेहपूर्ण व्यवहार देखकर नन्हे विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। प्रशासनिक और विकास कार्यों की व्यस्तता के बीच मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनके पढ़ाई, सपनों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में बातचीत की।



मुख्यमंत्री सुक्खू से मुलाकात के दौरान नन्हे चेहरों पर बिखरी मुस्कान।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे प्रदेश और देश का भविष्य हैं। उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्पीति जैसे दुर्गम जनजातीय क्षेत्रों में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन और अपनी क्षमता साबित करने के अवसर देने की है।

सुक्खू ने विद्यार्थियों से कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियां उनके सपनों और सफलता की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। निरंतर मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

सुक्खू ने विद्यार्थियों से कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियां उनके सपनों और सफलता की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। निरंतर मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री की इस मुलाकात के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों के साथ उनका सहज और आत्मीय व्यवहार बच्चों के लिए यादगार रहा।

पठानकोट में 7.8 किलो हेरोइन बरामद महिला सहित दो तस्कर गिरफ्तार

सरना में लाल बैग से शुरू हुई जांच, किराए के मकान से मिली बड़ी खेप

भारतेन्दु संवाददाता, अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट पुलिस ने अंतरजिला नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए कुल 7.8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अमृतसर से हेरोइन लाकर पठानकोट और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस ने नशे की खेप बाजार में पहुंचने से पहले ही जब्त कर ली।



बरामद की गई हेरोइन के साथ पुलिस टीम।

एसएसपी मनप्रीत सिंह ने बताया कि 12 अक्टूबर को थाना सदर पठानकोट की पुलिस टीम अड्डा सरना के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि अमृतसर से हेरोइन लाकर पठानकोट में सप्लाई करने वाला एक व्यक्ति सरना से गांव बहलोलपुर रोड की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संदिग्ध गुरवंत सिंह निवासी गांव वडाला, थाना मजीठा, जिला अमृतसर को रोक लिया। उसके पास मौजूद लाल रंग के बैग की तलाशी लेने पर 541 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी ने अन्य खेप के संबंध में जानकारी दी। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने गुरदासपुर जिले की गुरु लाल जी कॉलोनी, छितगढ़ चुंगी स्थित उसके किराए के मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां से 7.3 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके से उसकी महिला सहयोगी हरमनजीत कौर निवासी गांव पियानपुर कोटली, जिला गुरदासपुर को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक गुरवंत सिंह के खिलाफ पहले भी अमृतसर, पठानकोट और बटाला में नशीले पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज हैं। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस हेरोइन के स्रोत, आगे की सप्लाई और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

सैंज स्कूल के विद्यार्थियों ने किया पार्बती पावर स्टेशन का भ्रमण



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सैंज के एनएसएस स्वयंसेवियों ने 13 अक्टूबर को एनएचपीसी के पार्बती पावर स्टेशन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जलविद्युत उत्पादन की प्रक्रिया, परियोजना की तकनीकी कार्यप्रणाली और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व की जानकारी हासिल की। एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बिजली उत्पादन के विभिन्न चरणों और जलविद्युत परियोजनाओं की भूमिका के बारे में बताया। विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के साथ-साथ एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। इस भ्रमण से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने तथा ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला।

सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर पूर्व सैनिक से 8.5 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सुजानपुर के पूर्व सैनिक सतीश कुमार ने बेटे को सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर साढ़े आठ लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में जालंधर निवासी रवि कुमार के माध्यम से महाराष्ट्र के राहुल किशोर गायकवाड़ और पठानकोट के एक अन्य व्यक्ति को रकम दी थी। आरोप है कि तीन वर्षों तक आयकर विभाग, अग्निवीर और सैन्य अभियंत्रण सेवा (एमईएस) के नियुक्ति पत्र भेजे गए, लेकिन बेटे को नौकरी नहीं मिली और रकम भी वापस नहीं हुई। समाजसेवी डॉ. संजय शर्मा ने संबंधित खातों में करीब तीन करोड़ रुपये के लेनदेन का दावा किया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

मंडी में तीन जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिली 30 हजार रुपये की शिक्षा सहायता

भारतेन्दु संवाददाता, भगत सिंह गुलेरिया, मंडी। खत्री सभा भवन मंडी में आयोजित कार्यक्रम में तीन जरूरतमंद विद्यार्थियों को दस-दस हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कुल 30 हजार रुपये की यह राशि करुणा प्रेम शिक्षा सहयोग ट्रस्ट की ओर से दी गई। खत्री सभा के कार्यकारिणी सदस्य नीरज हांडा ने बताया कि ट्रस्ट वर्ष 2022 से जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूली, उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग दे रहा है। वहीं, खत्री सभा चार सामाजिक संस्थाओं को प्रतिमाह सहायता देने के साथ 18 जरूरतमंद व्यक्तियों को भी आर्थिक मदद प्रदान कर रही है। यह सहायता बिना किसी भेदभाव के दी जाती है। कार्यक्रम में सभा के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

पंजाब से आ रहा 350 किलो पनीर पकड़ा, जांच के लिए भेजा नमूना

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार, हमीरपुर। त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग हमीरपुर ने सीआईडी यूनिट और जीएसटी विंग के सहयोग से भोटा क्षेत्र में विशेष नाका लगाकर पंजाब से आ रहे 350 किलोग्राम पनीर की जांच की। नाके के दौरान पनीर से लदे एक वाहन को रोककर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके पर ही प्रारंभिक जांच की। पनीर में यूरिया, स्टार्च और डिटर्जेंट जैसी मिलावट की आशंका जांचने के लिए आयोडीन और अरहर दाल पाउडर से परीक्षण किया गया। प्रारंभिक जांच में पनीर का नमूना ठीक पाया गया। हालांकि, एहतियात के तौर पर विभाग ने पनीर का एक नमूना लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया।

चौहार घाटी के किसानों ने उठाई लैंड कंसोलिडेशन की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिले की चौहार घाटी में किसानों ने टीला बंदी (लैंड कंसोलिडेशन) की मांग एक बार फिर जोरदार ढंग से उठाई है। घाटी के लोगों की आजीविका का मुख्य साधन खेतीबाड़ी है। यहां आलू, सब्जियां, राजमाह, मटर, लहसुन, मक्की और जौ जैसी फसलों का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है। इसके अलावा क्षेत्र में बागवानी की भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन खेतों के बिखरे होने के कारण किसानों और बागवानों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि खेत एक-दूसरे से अलग-अलग स्थानों पर होने के कारण खेतीबाड़ी और बागवानी को व्यवस्थित तरीके से करना मुश्किल हो रहा है। यही नहीं, मकान और अन्य निर्माण कार्य करवाने में भी लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। ऐसे में घाटी में टीला बंदी की प्रक्रिया शुरू करना जरूरी हो गया है। सहदेव, श्यामलाल, रामलाल, श्रीपत, राम सिंह, मेद राम, सतपाल, यशपाल, शेर सिंह और रामदेव का कहना है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद घाटी के मेहनतकश किसान अच्छी पैदावार कर रहे हैं। यदि सरकार और राजस्व विभाग टीला बंदी करवाते हैं तो किसानों को एक जगह खेत मिलने से खेती करना आसान होगा। इससे उत्पादन बढ़ने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। बागवानी और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिससे बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। बथेरी वार्ड-दो के जिला परिषद सदस्य रोशन लाल ठाकुर ने प्रदेश सरकार और राजस्व विभाग से चौहार घाटी में लैंड कंसोलिडेशन की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

◆ टीला बंदी के अभाव में किसान-बागवान परेशान, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

हिमाचल पुलिस कांस्टेबल भर्ती के ई-कॉल लेटर जारी

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर(बिलासपुर)। हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबल (पुरुष एवं महिला), श्रेणी-तीन (अराजपत्रित) के पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) और शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) में भाग लेने वाले अनंतिम रूप से पात्र अभ्यर्थियों के ई-कॉल लेटर जारी कर दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग ने ये ई-कॉल लेटर अभ्यर्थियों की संबंधित यूजर आईडी पर अपलोड किए हैं। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अपनी यूजर आईडी में लॉग-इन करके ई-कॉल लेटर डाउनलोड कर लें और उसमें दिए गए दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। इसके अतिरिक्त, भर्ती के लिए अनंतिम रूप से पात्र अभ्यर्थियों को उनके आवेदन में पंजीकृत मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी पर एसएमएस तथा ई-मेल के माध्यम से भी सूचना भेजी गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ई-कॉल लेटर की हार्ड कॉपी अलग से किसी अन्य माध्यम से नहीं भेजी जाएगी। ऐसे में अभ्यर्थी समय रहते अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें और उसमें दी गई जानकारी की जांच कर लें। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए अभ्यर्थी हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के दूरभाष नंबर 0177-2629738 और 0177-2624313 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा टोल-फ्री नंबर 1800-180-8004 पर भी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

◆ पुलिस भर्ती के अभ्यर्थी समय रहते डाउनलोड करें ई-कॉल लेटर

थुनाग महाविद्यालय में आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता,मंडी/गोहर। औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, थुनाग स्थित गोहर (गुडाहरी) में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अग्निशमन विभाग चैलचौक के प्रभारी रमेश कुमार और उनकी टीम ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव, सुरक्षा और राहत कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। टीम ने आपदा में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. प्रेम लाल शर्मा ने 30 जून, 2025 को थुनाग में आई प्राकृतिक आपदा से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने आपदा के समय धैर्य बनाए रखने, सूझबूझ से काम लेने और आपसी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 'मेरा युवा भारत' जिला मंडी की युवा विकास अधिकारी भारती मोगरा और उनकी टीम भी उपस्थित रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा के जोखिमों के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार करना था।

टीवीएस रेडियॉन नए आकर्षक डिजाइन में पेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। त्योहारों के मौसम के बीच टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल टीवीएस रेडियॉन को नए और आकर्षक डिजाइन में पेश किया है। कंपनी के अनुसार, इस मोटरसाइकिल के 11 लाख से अधिक ग्राहक हैं। नया मॉडल मौजूदा खूबियों को बरकरार रखते हुए आधुनिक लुक और नए ग्राफिक्स के साथ उतारा गया है। बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इसमें कई डिजाइन संबंधी बदलाव किए गए हैं। टीवीएस मोटर कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कम्प्यूटर और इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के प्रमुख अनिरुद्ध हल्दार ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप अपने उत्पादों में बदलाव करती रहती है। इसी सोच के साथ नई टीवीएस रेडियॉन को डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर बनावट, भरोसे और प्रकाश व्यवस्था के लिए पहचान बनाने वाली यह मोटरसाइकिल नए जमाने के ग्राफिक्स और दमदार डिजाइन के साथ ग्राहकों को आकर्षित करेगी। नई टीवीएस रेडियॉन के ईंधन टैंक, साइड पैनल और पिछले हिस्से में विशेष बदलाव किए गए हैं। इसका नया रूप सड़क पर आधुनिक और आत्मविश्वास से भरपूर लुक देता है। कंपनी का मानना है कि नए डिजाइन और आकर्षक स्टाइल के साथ यह मोटरसाइकिल रोजमर्रा के आवागमन को ध्यान में रखने वाले ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरी उतरने का प्रयास करेगी।

चमियाणा के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं हमीरपुर को देने की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार

हमीरपुर। डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हमीरपुर के भवन निर्माण का कार्य जल्द पूरा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट से क्षेत्र के मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलने की आशा है। दिशा फाउंडेशन के अध्यक्ष मनु शर्मा ने मांग की है कि अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, चमियाणा के कुछ विशेषज्ञ चिकित्सकों को हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में तैनात किया जाए, ताकि हमीरपुर और आसपास के जिलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए शिमला के चक्कर न काटने पड़ें।



हेल्पिंग हैंड्स सोसाइटी के संस्थापक गोल्डी राजपूत ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए सीटीवीएस विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रवीण धौलटा की सेवाएं हमीरपुर में उपलब्ध करवाने की अपील की। उन्होंने बताया कि डॉ. धौलटा ने मंडी जिले के 52 वर्षीय मरीज की तीसरी बार ओपन हार्ट सर्जरी की थी।

इसके अलावा सुजानपुर की 55 वर्षीय स्वर्णा देवी और हमीरपुर के 66 वर्षीय रविंद्र कुमार को भी जटिल उपचार के माध्यम से राहत मिली थी। मनु शर्मा, गोल्डी राजपूत सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि डॉ. धौलटा समेत विशेषज्ञ चिकित्सकों की हमीरपुर में तैनाती पर विचार किया जाए। उनका कहना है कि इससे गंभीर मरीजों और उनके तीमारदारों को लंबी दूरी की यात्रा, समय और आर्थिक परेशानी से राहत मिल सकती है।

◆ दिल के मरीजों के बेहतर इलाज के लिए डॉ. धौलटा की तैनाती की मांग

बस सेवा बंद होने से दो पंचायतों के लोग परेशान, बहाली की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बंजार से विहार चलने वाली बस सेवा पिछले डेढ़ वर्ष से बंद होने के कारण दो पंचायतों के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक परिवहन की सुविधा न मिलने से ग्रामीणों को निजी वाहनों के सहारे सफर करना पड़ रहा है। इसके चलते उन्हें एकतरफा यात्रा के लिए 100 रुपये तक किराया चुकाना पड़ रहा है। बस सेवा बंद होने का सबसे अधिक असर स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। विद्यार्थियों को प्रतिदिन अतिरिक्त पैसे खर्च कर शिक्षण संस्थानों तक पहुंचना पड़ रहा है। वहीं, महिलाओं, बुजुर्गों और रोजमर्रा के जरूरी कार्यों के लिए बंजार आने-जाने वाले लोगों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बस सेवा लंबे समय से बंद होने के कारण उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है और निजी वाहनों पर निर्भरता से आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत बिहार की प्रधान पुरवा देवी, ग्राम पंचायत कोठी चेहनी की प्रधान ममता ठाकुर, उपप्रधान रूपेश कुमार सहित दिव्या मेहता, रीता, लोत राम, राखी मेहता, हिमानी, पल्लवी और रवीना ने संबंधित विभाग से बस सेवा जल्द बहाल करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए अतिरिक्त किराया देना पड़ रहा है, जबकि महिलाओं और बुजुर्गों के लिए निजी वाहनों से सफर करना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीणों ने परिवहन विभाग और प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए बंजार-विहार बस सेवा शीघ्र शुरू करने की अपील की है, ताकि दोनों पंचायतों के लोगों को राहत मिल सके।

आर्थिक सहायता के साथ रोजगार सुरक्षा भी मिले: चौडिया

भारतेन्दु संवाददाता, आशीष दमीर। कांगड़ा। होमगार्ड कल्याण संघ, हिमाचल प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह चौडिया ने राज्य सरकार से होमगार्ड जवानों के लिए स्थायी रोजगार नीति बनाने, वर्षभर रोजगार सुनिश्चित करने और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की सुविधा लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में ड्यूटी के दौरान दुर्घटना होने पर 25 हजार रुपये और मृत्यु होने पर एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा स्वागतयोग्य है, लेकिन जवानों के सुरक्षित भविष्य के लिए इससे आगे ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

चौडिया ने मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल और सभी विधायकों का आभार जताते हुए कहा कि होमगार्ड जवान लंबे समय से प्रदेश की सेवा कर रहे हैं, लेकिन उनके रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड अधिनियम, 1968 और नियम, 1971 के तहत नियमितीकरण में कानूनी कठिनाइयां हो सकती हैं, लेकिन सरकार को कानून के दायरे में स्थायी रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के दूसरे विकल्प तलाशने चाहिए।

उन्होंने भर्ती में पात्र होमगार्ड जवानों के लिए निर्धारित 15 प्रतिशत आरक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा में छूट का लाभ प्रभावी ढंग से देने की मांग भी उठाई। चौडिया ने कहा कि जवानों के अनुभव और वर्षों की सेवा को ध्यान में रखते हुए विभागों में आरक्षण का लाभ सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से संगठन को उसकी क्षमता के अनुरूप निश्चित विभागीय जिम्मेदारियां सौंपने का आग्रह किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जवानों के हित में सकारात्मक निर्णय लेकर उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित करेगी।

◆ होमगार्ड जवानों के लिए स्थायी रोजगार नीति बनाने की उठी मांग

स्पीति को सौर ऊर्जा और सड़क विकास की सौगात, सीएम सुक्खू ने दी परियोजनाएं

भारतेन्दु संवाददाता,धनेश गौतम, काजा। जनजातीय क्षेत्र स्पीति में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और सड़क संपर्क मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने काजा में दो मेगावाट क्षमता वाले ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण किया। इसके साथ ही रोंगटोंग में एक मेगावाट-घंटा क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली को जनता को समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री ने छिदांग तंगती से खर तेलिंग तथा तंजित से हिक्किम तक सड़कों के उन्नयन कार्यों का भूमि पूजन भी किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होने और दूरदराज के गांवों तक सड़क सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद है।

काजा में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, रोंगटोंग की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली जरूरत के समय बिजली उपलब्ध कराने और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगी। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले स्पीति क्षेत्र में इन परियोजनाओं का विशेष महत्व है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिलने की संभावना है।



सड़क संपर्क बेहतर होने से ग्रामीणों को मिलेगी राहत।

छिदांग तंगती-खर तेलिंग और तंजित-हिक्किम सड़क मार्गों के उन्नयन से स्थानीय लोगों की आवाजाही सुगम होने की उम्मीद है। बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। इसके अलावा परिवहन व्यवस्था सुधरने से स्थानीय कारोबार और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

स्पीति अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है। ऐसे में सड़क सुविधाओं का विस्तार पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मददगार हो सकता है। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करने और दूरदराज के गांवों को बेहतर संपर्क सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

आपदा के 14 महीने बाद भी दोगड़ा पुल की नींव का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, गौतम, कुल्लू। जिला कुल्लू के उपमंडल बंजार की तीर्थन घाटी स्थित मशियार पंचायत में दोगड़ा पुल का निर्माण शुरू न होने से तीन गांवों के करीब 600 लोग परेशान हैं। कमेडा, मंझली और मशियार गांवों को जोड़ने वाला यह वाहन योग्य पुल 13 अगस्त, 2025 को भारी बारिश के कारण फलाचन नदी में बह गया था। आपदा के 14 महीने बाद भी पुल की नींव तक नहीं पड़ पाई है। पुल टूटने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों और आवाजाही में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। बठाहड़ स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भी नदी पार करके आना-जाना पड़ रहा है। फिलहाल नदी का जलस्तर कम होने के कारण कुछ वाहन नदी से गुजर रहे हैं, लेकिन यह रास्ता जोखिम भरा और अस्थायी है। पानी बढ़ने पर आवाजाही बाधित हो सकती है।

ग्रामीणों ने सरकार से मांगी राहत

पूर्व उपप्रधान प्रकाश ठाकुर, वार्ड सदस्य प्रेम सिंह, पूर्व वार्ड सदस्य भाग सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार, उपायुक्त कुल्लू और लोक निर्माण विभाग से जल्द निर्माण शुरू करवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का जलस्तर बढ़ने से पहले नींव और फाउंडेशन का काम शुरू किया जाए, ताकि तीनों गांवों के लोगों को राहत मिल सके।



फिर जोर पकड़ने लगी चोलथरा स्कूल को सीबीएसई से संबद्ध करने की मांग



फाईल फोटो।

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट

आजादी से पूर्व स्थापित शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चोलथरा को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध करने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से पहचान बनाने वाले इस ऐतिहासिक विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर सीबीएसई से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में न जाना पड़े।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह विद्यालय लगभग छह से सात पंचायतों और आठ से दस किलोमीटर के दायरे में रहने वाले हजारों लोगों के लिए शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर कई विद्यार्थी देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद विद्यालय को सीबीएसई से संबद्ध करने की मांग लंबे समय से लंबित है।

सीबीएसई संबद्धता की आस में चोलथरा स्कूल

पंचायतों के पुनर्सीमांकन के बाद विद्यालय ग्राम पंचायत सरौन के अंतर्गत आ गया है। इस बदलाव के बीच ग्रामीणों ने विद्यालय की ऐतिहासिक पहचान और स्थानीय जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए इसके प्रशासनिक संरक्षण के विषय पर भी पुनर्विचार करने की मांग उठाई है। कारगिल शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया का पैतृक गांव चोलथरा होने के कारण विद्यालय का क्षेत्र से विशेष जुड़ाव है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन समिति और ग्राम पंचायत चोलथरा के प्रधान की ओर से प्रस्ताव पारित कर लगभग एक वर्ष पूर्व धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर को ज्ञापन सौंपा गया था। अब लोगों की निगाहें सरकार के आगामी निर्णय पर टिकी हैं कि नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रस्तावित विद्यालयों की सूची में चोलथरा स्कूल को स्थान मिलता है या नहीं। ग्राम पंचायत चोलथरा के प्रधान विजय बनयाल, उपप्रधान राकेश बनयाल, आसपास की पंचायतों के प्रतिनिधियों, पूर्व जिला परिषद सदस्य वंदना गुलेरिया, एसएमसी प्रधान योगराज, अभिभावकों, पूर्व विद्यार्थियों और महिला मंडलों तथा युवक मंडलों के सदस्यों ने सरकार से मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। ग्रामीणों का कहना है कि सीबीएसई से संबद्धता मिलने पर विद्यार्थियों को आधुनिक पाठ्यक्रम और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय विद्यालय की पात्रता, निर्धारित मानकों और सरकार की स्वीकृति पर निर्भर करेगा।

एचएयू का हिसार प्याज-3 असम में लहराएगा अपना परचम : प्रो. बीआर कम्बोज

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की जा रही उन्नत किस्मों के बीज अब देश के विभिन्न राज्यों के किसानों तक पहुंचेंगे। इसी दिशा में विश्वविद्यालय ने निजी क्षेत्र की कंपनी मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी (असम) के साथ हिसार प्याज-3 किस्म के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बुधवार को यह जानकारी दी।

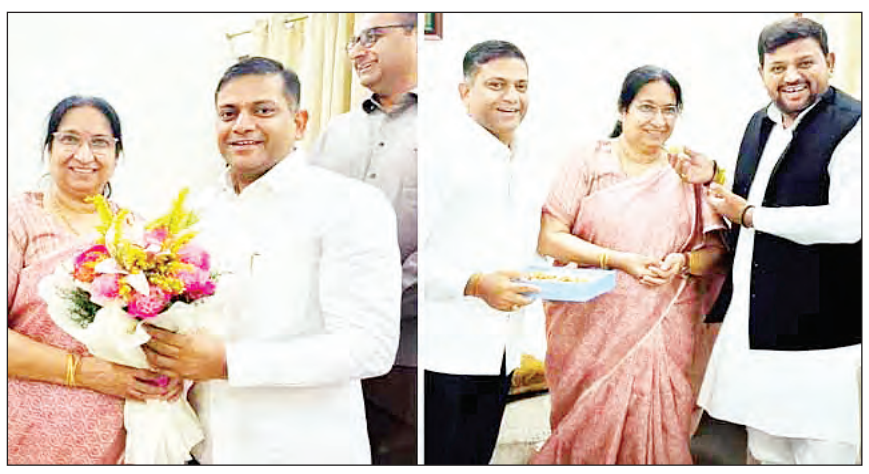
उन्होंने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिक लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर रहे हैं और इन किस्मों की मांग देशभर में बढ़ रही है। किसानों को विश्वसनीय और बेहतर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाने से कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की उन्नत किस्में देश के कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मेंबर नीरज अग्रवाल और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते से हिसार प्याज-3 के बीज असम सहित अन्य क्षेत्रों के किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि हिसार प्याज-3 के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे-लाल रंग के और गोलाकार होते हैं। प्याज में तीखापन कम होने के बावजूद इसकी भंडारण क्षमता अच्छी है।

इसमें कुल घुलनशील तत्वों की मात्रा 14 प्रतिशत है। खड़ी फसल में फूल वाले डंठल निकलने और भंडारण के दौरान फुटाव की समस्या भी बहुत कम होती है। उन्होंने बताया कि इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया ड्वार्फ विषाणु रोग और चूरड़ा कीट का प्रकोप न्यूनतम रहता है। यह किस्म 130 से 140 दिनों में तैयार हो जाती है और प्रति एकड़ लगभग 125 क्विंटल तक पैदावार देने में सक्षम है।

हरियाणा के 14 नेताओं ने संभाली राज्यपाल पद की जिम्मेदारी

राजनीतिक कौशल और प्रशासनिक अनुभव के दम पर नेताओं ने बनाई राष्ट्रीय पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा की राजनीति का प्रभाव केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहा है। राज्य के कई नेताओं ने अपने राजनीतिक कौशल, प्रशासनिक अनुभव और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका के दम पर देश के विभिन्न राज्यों के राजभवन तक का सफर तय किया है। हरियाणा के नेताओं को दूसरे राज्यों में राज्यपाल और उपराज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर जिम्मेदारी मिलने से प्रदेश की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मजबूत हुई है।

प्रदेश के नेताओं ने अलग-अलग समय पर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका निभाई है। इनमें ऐसे नेता भी शामिल रहे हैं, जिन्होंने संगठन, सरकार और सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक काम किया। राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक समझ के आधार पर उन्हें विभिन्न राज्यों में संवैधानिक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इससे हरियाणा की राजनीतिक प्रतिभा को देशभर में पहचान मिली।

हाल ही में डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद हरियाणा से जुड़े ऐसे नेताओं की चर्चा फिर तेज हो गई है। डॉ. सुधा यादव का नाम इस सूची में जुड़ने के साथ प्रदेश के उन नेताओं की संख्या 14 बताई जा रही है, जिन्होंने विभिन्न राज्यों में राज्यपाल या उपराज्यपाल की जिम्मेदारी संभाली है। उनकी नियुक्ति को हरियाणा के राजनीतिक इतिहास के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरियाणा के नेताओं की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका प्रदेश की राजनीतिक सक्रियता को भी दर्शाती है। राज्य के नेताओं ने न केवल प्रदेश की राजनीति में योगदान दिया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विभिन्न संवैधानिक पदों पर उनकी नियुक्तियां इस बात का संकेत हैं कि हरियाणा से जुड़े नेताओं को देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलती रही हैं। राज्यपाल और उपराज्यपाल के पद संवैधानिक व्यवस्था में अहम स्थान रखते हैं। इन पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को संबंधित राज्यों में संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना होता है।

हरियाणा की राजनीतिक प्रतिभा का सम्मान

हरियाणा के नेताओं ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। विभिन्न राज्यों में राज्यपाल और उपराज्यपाल के पदों पर उनकी नियुक्तियां प्रदेश के लिए गौरव का विषय रही हैं। डॉ. सुधा यादव की नियुक्ति के बाद एक बार फिर हरियाणा की राजनीतिक प्रतिभा और राष्ट्रीय स्तर पर उसके योगदान की चर्चा तेज हो गई है। इन नियुक्तियों ने प्रदेश के नेताओं की प्रशासनिक क्षमता और राजनीतिक अनुभव को देशभर में पहचान दिलाई है।

हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हरियाणा ने दिल्ली को 3-0 से हराया

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



झांसी में जारी 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हॉकी हरियाणा ने शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले मुकाबले में हॉकी दिल्ली को 3-0 से पराजित किया। इस जीत के साथ हरियाणा की टीम ने प्रतियोगिता के अगले चक्र में प्रवेश कर लिया। मुकाबले में मंजीत, जोगिंद्र और दीपक ने गोल किए, जबकि बेहतरीन प्रदर्शन के लिए परीक्षित को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

हॉकी हरियाणा की कोच एवं द्रोणाचार्य अवार्डी नीतू सांगवान ने बुधवार को बताया कि टीम ने मुकाबले की शुरुआत से ही बेहतर तालमेल और अनुशासन के साथ खेल दिखाया। हरियाणा की ओर से पहला गोल मंजीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर किया। इसके बाद जोगिंद्र ने भी पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागते हुए टीम की बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल दीपक ने फील्ड गोल के रूप में किया और टीम को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई। दूसरी ओर, हॉकी दिल्ली ने मुकाबले में वापसी करने और गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन हरियाणा की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने विपक्षी टीम के हमलों को नाकाम करते हुए अपनी बढ़त अंत तक कायम रखी।

नीतू सांगवान ने कहा कि दिल्ली की टीम पूरे साल एक साथ प्रशिक्षण करती है। उसके लगभग 95 प्रतिशत खिलाड़ी नेशनल हॉकी अकादमी (एनएचए) और नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई), दिल्ली से जुड़े हैं। एनसीओई में देशभर से चयनित खिलाड़ी एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं और वहीं रहते भी हैं। दिल्ली की टीम में हरियाणा के भी एक-दो खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने कहा कि ऐसी मजबूत टीम के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज करना हरियाणा के लिए बड़ी उपलब्धि है।

खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में एकजुट होकर प्रदर्शन किया और रणनीति के अनुरूप खेलते हुए जीत हासिल की। अब हॉकी हरियाणा का अगला मुकाबला हॉकी मणिपुर के साथ होगा। टीम की कोशिश इस जीत की लय बरकरार रखते हुए प्रतियोगिता में आगे बढ़ने की होगी। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि खिलाड़ी आगामी मुकाबले में भी इसी तरह का प्रदर्शन दोहराएंगे। मजबूत रक्षापंक्ति और प्रभावी आक्रमण हरियाणा की जीत की अहम कड़ी रहे। अब सभी की नजरें मणिपुर के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर रहेंगी।

कैथल में एक्सप्रेस-वे पर कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। हरियाणा के कैथल जिले के कलायत में जम्मू-कटरा एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान पंजाब के जीरा गांव निवासी राम सिंह के रूप में हुई है। हादसा उस समय हुआ, जब वह परिवार के साथ गाड़ी में सवार होकर दिल्ली की ओर जा रहे थे। घटना उनके बेटे के सामने हुई। जानकारी के अनुसार, राम सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ पंजाब के जीरा गांव से दिल्ली लौट रहे थे। जब उनकी गाड़ी कलायत कस्बे के पास जम्मू-कटरा एक्सप्रेस-वे पर पहुंची, तो उन्होंने लघुशंका के लिए वाहन सड़क किनारे रोक दिया। इसी दौरान सड़क से गुजर रही एक कार ने राम सिंह को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद परिवार के सदस्यों में चीख-पुकार मच गई। राम सिंह के बेटे ने अपनी आंखों के सामने पिता को हादसे का शिकार होते देखा। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई। इस दुर्घटना में राम सिंह की मौत हो गई। परिवार के लिए यह घटना बेहद दुखद रही।

पेंशन लाभ दिलाने के नाम पर मांगी रिश्वत, आरोपी गिरफ्तार

पेंशन और सरकारी लाभ चालू करवाने के बदले मांगे थे 30 हजार रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



हरियाणा के पानीपत जिले के इसराना में पेंशन और सरकारी लाभों की राशि जारी करवाने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने ट्रेजरी विभाग से जुड़े एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है। जींद से आई एसीबी की पांच सदस्यीय टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा।

आरोपी की पहचान सुरेंद्र के रूप में हुई है। वह हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से डेटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि उसने सेवानिवृत्त हेल्थ इंस्पेक्टर धर्मपाल शर्मा से उनकी पेंशन चालू करवाने और अन्य सरकारी लाभों की राशि जारी करवाने के बदले पैसे मांगे थे। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने रिटायर्ड हेल्थ इंस्पेक्टर से काम करवाने के बदले पहले 30 हजार रुपये की मांग की थी। बाद में दोनों के बीच 20 हजार रुपये में काम करने की बात तय हुई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने मामले की जानकारी एंटी करप्शन ब्यूरो को दी।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले की जांच की और आरोपी को पकड़ने के लिए कार्रवाई की योजना बनाई। बुधवार को पांच सदस्यीय टीम इसराना पहुंची और निर्धारित योजना के तहत कार्रवाई की। टीम ने आरोपी सुरेंद्र को 20 हजार रुपये लेते हुए पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान एसीबी की टीम इसराना स्थित ट्रेजरी विभाग में मौजूद रही। रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। मामले में शिकायतकर्ता धर्मपाल शर्मा से संबंधित पेंशन और सरकारी लाभों के काम के बदले रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच की जा रही है।

◆ रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया एचकेआरएन के माध्यम से तैनात डेटा एंट्री ऑपरेटर

सरकारी काम करवाने के बदले रिश्वत मांगने की शिकायतों पर एसीबी लगातार कार्रवाई करती है। इस मामले में भी शिकायत के आधार पर टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ा। पुलिस और संबंधित जांच एजेंसी मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

वॉट्सऐप पर फर्जी चालान का मैसेज आए तो रहें सतर्क, पलवल पुलिस ने दी चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

◆ सरकारी नोटिस के नाम पर ठगी, बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें

◆ साइबर ठगी से बचने के लिए संदिग्ध संदेशों की पहले पुष्टि करें

फर्जी ट्रैफिक चालान और सरकारी नोटिस के नाम पर साइबर ठग लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। ठग वाहन का चालान काटने और तुरंत भुगतान नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर लोगों को फर्जी वेबसाइट पर पहुंचा रहे हैं। इसके बाद लिंक के माध्यम से बैंक खाते और निजी जानकारी चुराने की कोशिश की जाती है। इसे देखते हुए पलवल पुलिस ने 11 अक्टूबर को साइबर एडवाइजरी जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधी वॉट्सऐप और एसएमएस के जरिए फर्जी चालान के संदेश भेज सकते हैं। इन संदेशों में भुगतान के लिए लिंक दिया जाता है। जल्द भुगतान करने का दबाव बनाकर लोगों को बिना जांच किए लिंक खोलने के लिए उकसाया जाता है। ऐसे में किसी अनजान लिंक पर क्लिक करना नुकसानदायक हो सकता है। पलवल पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ट्रैफिक चालान की जानकारी जांचने और उसका भुगतान करने के लिए केवल आधिकारिक पोर्टल का ही इस्तेमाल करें। किसी संदिग्ध संदेश में दिए गए लिंक पर अपनी बैंकिंग जानकारी, कार्ड विवरण या अन्य निजी जानकारी साझा न करें। चालान से संबंधित किसी भी संदेश की सत्यता की पहले पुष्टि करें। पुलिस ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो उसे बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करनी चाहिए।

समय पर शिकायत करने से ठगी की रकम को रोकने में मदद मिल सकती है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे संदेशों को लेकर सतर्क रहें और साइबर ठगों के झांसे में आने से बचें। जागरूकता और सावधानी ही ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव का प्रभावी तरीका है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध संदेश की जानकारी संबंधित साइबर सेल को दें। ठगी के मामलों में तुरंत कार्रवाई के लिए 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। जागरूक रहकर और निजी जानकारी साझा करने से बचकर साइबर अपराधियों के मंसूबों को नाकाम किया जा सकता है।

भूगोल विषय की स्क्रीनिंग परीक्षा के उत्तरों पर उठे विवाद में विशेषज्ञों की राय को अहमियत दी गई

हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती को हाई कोर्ट की हरी झंडी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर (भूगोल) भर्ती प्रक्रिया को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से हरी झंडी मिल गई है। अदालत ने स्क्रीनिंग परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी में बदलाव करने और कुछ प्रश्नों को हटाने के हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के फैसले को चुनौती देने वाली 16 याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस फैसले से भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

मामले में याचिकाकर्ताओं ने स्क्रीनिंग परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी में किए गए संशोधनों और कुछ प्रश्नों को हटाने के आयोग के निर्णय पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इन फैसलों को चुनौती देते हुए अदालत से हस्तक्षेप की मांग की थी। याचिकाओं में मुख्य रूप से परीक्षा के प्रश्नों और उनके उत्तरों से जुड़े विवाद को उठाया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग के फैसले को चुनौती दी गई, लेकिन हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को राहत नहीं दी। अदालत ने सभी 16 याचिकाओं को खारिज कर दिया। इससे स्क्रीनिंग परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी में बदलाव और प्रश्नों को हटाने के एचपीएससी के निर्णय को चुनौती देने का प्रयास सफल नहीं हो सका।

◆ कम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, कृषि पर पड़ सकता है असर

भर्ती प्रक्रिया में परीक्षा की उत्तर कुंजी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इसी के आधार पर अभ्यर्थियों के अंकों और चयन प्रक्रिया पर असर पड़ता है। ऐसे में इस मामले में अदालत का फैसला भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों के लिए अहम है। हाई कोर्ट के इस निर्णय के बाद हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर (भूगोल) के पदों पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता खुल गया है। इस फैसले से भर्ती प्रक्रिया में अनिश्चितता दूर होगी और अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा में ग्रुप-डी कर्मचारियों को काडर बदलने का एक और मौका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में ग्रुप-डी कर्मचारियों को काडर बदलने के लिए सरकार ने एक और मौका दिया है। बुधवार से पोर्टल फिर खोल दिया जाएगा, जिस पर पात्र कर्मचारी 30 अक्टूबर तक अपना विकल्प दे सकेंगे। यह सुविधा विज्ञापन संख्या 4/2018 के तहत चयनित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगी। मानव संसाधन विभाग ने इससे पहले 17 जुलाई को पोर्टल शुरू कर कर्मचारियों को कामन काडर में बने रहने या उससे बाहर निकलकर संबंधित विभाग के सेवा नियमों के तहत आने का विकल्प दिया था। अब कर्मचारी दोबारा अपनी पसंद दर्ज कर सकेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कामन काडर बदलने से जरूरी नहीं कि कर्मचारियों की वरिष्ठता प्रभावित हो। कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पोर्टल पर अपना विकल्प भरना होगा। यह अवसर उन कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो अपने विभागीय काडर और सेवा नियमों के अनुसार बदलाव चाहते हैं।

राम रहीम केस के चर्चित जज जगदीप सिंह को फरीदाबाद की जिम्मेदारी, सुरक्षा बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को दुष्कर्म मामले में सजा सुनाने वाले न्यायाधीश जगदीप सिंह को फरीदाबाद का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद सेक्टर-12 स्थित जिला अदालत परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। वह बुधवार को पदभार ग्रहण कर सकते हैं। जगदीप सिंह अगस्त 2017 में उस समय देशभर में चर्चा में आए थे, जब उन्होंने राम रहीम को दोषी ठहराकर सजा सुनाई थी। सुरक्षा कारणों से मामले की सुनवाई रोहतक की सुनारिया जेल में विशेष अदालत लगाकर की गई थी। फैसले के बाद उन्हें विशेष सुरक्षा प्रदान की गई थी। इससे पहले जगदीप सिंह पंचकूला में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तैनात थे। अक्टूबर 2025 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के प्रशासनिक आदेश पर उन्हें गुरुग्राम से पंचकूला भेजा गया था। अब उन्हें फरीदाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

खरखौदा में सड़क हादसे में 20 वर्षीय हरनाथ की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, खरखौदा

शहर के दिल्ली मार्ग पर बुधवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय बाइक चालक हरनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि एक वाहन के टायर युवक के सिर के ऊपर से गुजर गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।



एआई चित्र।

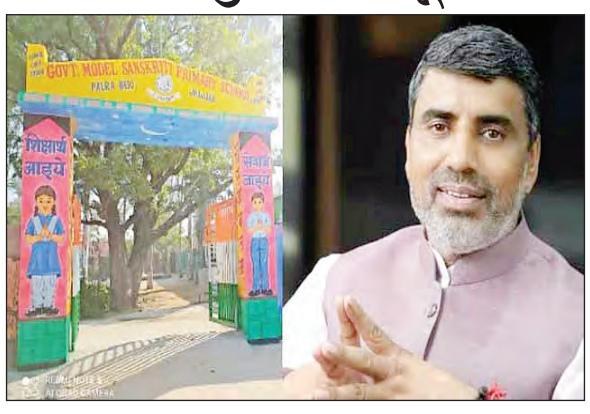
जानकारी के अनुसार, मृतक हरनाथ पिपली में किराये के मकान में अपने साथियों के साथ रहता था। वह मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार के भरण-पोषण में सहयोग करता था। कम उम्र में ही उसकी मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के लिए यह घटना गहरा सदमा बनकर सामने आई है। दिल्ली मार्ग पर सड़क हादसे के बाद वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुटने से यातायात प्रभावित हुआ। सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मार्ग पर जाम लगने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतें हुईं। हादसे के बाद कुछ समय तक घटनास्थल के आसपास अफरातफरी का माहौल बना रहा।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हरनाथ पिपली में अपने साथियों के साथ रहकर मेहनत-मजदूरी करता था और परिवार की आर्थिक मदद करता था।

स्वच्छता जिन स्कूलों में अंशकालिक कर्मचारी नहीं, वहां सफाई व्यवस्था के लिए जारी हुआ बजट

स्वच्छ प्रांगण योजना से सुधरेगी स्कूलों की सफाई व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग की ओर से 'स्वच्छ प्रांगण' योजना के तहत पात्र प्राथमिक विद्यालयों को प्रति माह 8,000 रुपये का बजट जारी किया गया है। इस राशि का उपयोग स्कूलों में साफ-सफाई और रखरखाव से संबंधित विभिन्न कार्यों पर किया जाएगा। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने इसकी जानकारी दी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि जिन राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अंशकालिक कार्यकर्ता कार्यरत नहीं हैं, वहां सफाई और परिसर के रखरखाव की व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए यह बजट उपलब्ध करवाया गया है। इसका उद्देश्य विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण तैयार करना और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध करवाना है। योजना के माध्यम से स्कूलों में सफाई से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

'स्वच्छ प्रांगण' योजना के तहत जारी बजट का उपयोग स्कूलों में हाउसकीपिंग, छतों और शौचालयों की सफाई, खेल के मैदानों के रखरखाव तथा जल निकासी की व्यवस्था करने के लिए किया जाएगा। विद्यालय परिसर में नियमित सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इससे स्कूलों में साफ-सफाई की स्थिति बेहतर बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ वातावरण बनाए रखना आवश्यक है। साफ परिसर, स्वच्छ शौचालय और उचित जल निकासी की व्यवस्था विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और विद्यालय के समग्र माहौल से जुड़ी है। ऐसे में सफाई व्यवस्था के लिए अलग से बजट उपलब्ध करवाने से स्कूलों को अपनी जरूरतों के अनुसार आवश्यक कार्य करवाने में सुविधा मिलेगी।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को जारी किया बजट

शिक्षा विभाग ने यह बजट सीधे जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ) के रूप में जारी किया है। विभाग की ओर से जिला और खंड स्तर के शिक्षा अधिकारियों के साथ-साथ प्रधानाचार्यों, मुख्य अध्यापकों और मुख्य शिक्षकों को भी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। योजना के तहत उपलब्ध करवाई गई राशि का उद्देश्य उन प्राथमिक विद्यालयों में सफाई व्यवस्था को मजबूत करना है, जहां अंशकालिक कर्मचारियों की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

मुरथल से परांठे खाकर लौट रहे जीजा-साले की सड़क हादसे में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। मुरथल से परांठे खाकर लौट रहे जीजा-साले की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों की गाड़ी रास्ते में खराब हो गई थी। इसके बाद वे गाड़ी को धक्का लगाकर आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कैंटर ने दोनों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों उछलकर सड़क पर डिवाइडर के पास जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलने पर संबंधित पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान प्रतीक और विशाल के रूप में हुई है। हादसे से परिवारों में शोक की लहर है।

भिवानी के कुसुंभी में गोशाला कार्यक्रम में बुजुर्गों को किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। हरियाणवी लोक गायक और रागनी कलाकार विकास पासौरिया ने गोवंश की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए इसके संरक्षण के लिए गोशालाओं को जरूरी बताया। भिवानी के गांव कुसुंभी की गोशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि गोवंश ने पुराने समय में बुजुर्गों और किसानों के जीवन को सहारा दिया, लेकिन आज इसकी स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में खेती के लिए मशीनों का इस्तेमाल बढ़ गया है। इसके चलते खेती में गोवंश की उपयोगिता पहले जैसी नहीं रही। ऐसे में गोवंश की देखभाल और संरक्षण के लिए समाज को आगे आना चाहिए। उन्होंने गोशालाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए लोगों से गोसेवा के प्रति जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों को सम्मानित भी किया गया। आयोजकों ने बुजुर्गों के सम्मान और गोवंश संरक्षण का संदेश दिया।

दिल्ली पुलिस का बड़ा कदम: जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर, जानें अब कहां होगा प्रदर्शन

एजेंसी ,नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को अधिसूचित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया है। इसके स्थान पर बुराड़ी ग्राउंड, रामलीला मैदान और सीबीडी ग्राउंड को वैकल्पिक प्रदर्शन स्थल घोषित किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान इसकी जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि यह कदम सुप्रीम कोर्ट की 9 अक्टूबर की टिप्पणी के बाद उठाया गया है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस के फैसले और संबंधित नियमों को चुनौती दी है।

इस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि जंतर-मंतर को अधिसूचित



दिल्ली में प्रदर्शन के नियम बदले, 3 नए स्थल तय

प्रदर्शन स्थल के दर्जे से हटाया जा चुका है। पुलिस की ओर से दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के 9 अक्टूबर के आदेश के बाद प्रदर्शन स्थलों में बदलाव किया गया है। इसी आधार पर पुलिस ने कहा कि उदय भानु चिब की याचिका का उद्देश्य अब प्रभावी नहीं रह गया है।

दिल्ली पुलिस ने 12 अक्टूबर को अपने स्थायी आदेश में संशोधन करते हुए जंतर-मंतर को अधिसूचित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया था। पुलिस के मुताबिक, यह बदलाव गृह मंत्रालय के तहत गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इस फैसले के बाद बुराड़ी ग्राउंड, रामलीला मैदान और सीबीडी ग्राउंड को प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक स्थानों के रूप में अधिसूचित किया गया है।

हालांकि, इन स्थानों पर प्रदर्शन करने के लिए लागू अनुमति और अन्य नियमों का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने क्या टिप्पणी की थी? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 9 अक्टूबर को दिल्ली में अगले दिन प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा था। इस दौरान पहले मेट्रो और रेलवे सेवाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार किया जा रहा था। सुनवाई के दौरान अदालत ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के लिए बुनियादी सुविधाओं से युक्त वैकल्पिक स्थल की पहचान करने और उसे अधिसूचित करने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

तिरंगा फहराने पर गिरफ्तारी का मुद्दा गरमाया कपिल मिश्रा ने केजरीवाल को दिया जवाब

एजेंसी ,नई दिल्ली



कपिल मिश्रा का केजरीवाल को जवाब

तिरंगा फहराने को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान पर दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने पलटवार किया है। दोनों नेताओं के बीच यह बयानबाजी सीजेपी के कार्यकर्ताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद सामने आई है। अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि क्या अपने ही देश में अपना झंडा लहराना कोई अपराध है?

उन्होंने इस कार्रवाई को बेतुका बताया। इसके जवाब में कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार में लाल चौक तक तिरंगा लहराया जा रहा है, जहां पहले धमकियां दी जाती थीं। उन्होंने केजरीवाल पर तिरंगे के नाम पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और उनकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए।

इससे पहले सीजेपी के अजिंक्य शिंदे ने बताया था कि जंतर-मंतर के पास विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए दावा किया कि दोनों कार्यकर्ताओं की गलती केवल जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराना था।

न्यूज ब्रीफ

आगरा में ऑपरेशन कायाकल्प की खुली पोल, 1120 स्कूलों में 19 मानक अधूरे



एजेंसी ,नई दिल्ली आगरा जिले के परिषदीय विद्यालयों की स्थिति सुधारने के लिए चलाया जा रहा ऑपरेशन कायाकल्प कई स्कूलों में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाया है। सरकारी दावों के बीच कई विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। कहीं बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं, तो कहीं शुद्ध पेयजल, शौचालय और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जिले के कुल 2219 परिषदीय विद्यालयों में से 1120 स्कूलों में टाइल्स, स्मार्ट क्लास, शुद्ध पेयजल और शौचालय समेत सभी 19 निर्धारित मानक पूरे नहीं हुए हैं। वहीं, 234 जर्जर विद्यालयों को चिह्नित कर उनके ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कई भवन अब भी खड़े हैं। जर्जर इमारतों में बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए कुछ कक्षाओं को टिनशेड या दूसरे विद्यालयों में स्थानांतरित किया गया। ऐसे में स्कूलों की वास्तविक स्थिति सुधारने और बच्चों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की जरूरत है।

दीपावली-छठ पर रेलवे का बड़ा तोहफा, 16 अक्टूबर से दौड़ेगी दिल्ली-पटना स्पेशल वंदे भारत



प्रतीकात्मक तस्वीर।

एजेंसी, नई दिल्ली दीपावली और छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली से पटना के बीच 16 कोच वाली विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन कानपुर और प्रयागराज के रास्ते संचालित होगी, जिससे त्योहारों के दौरान यात्रियों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, विशेष ट्रेन का संचालन सीमित तिथियों पर किया जाएगा। ट्रेन संख्या 02252 नई दिल्ली-पटना स्पेशल वंदे भारत एक्सप्रेस 16 और 18 अक्टूबर को चलेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 02251 पटना-नई दिल्ली स्पेशल 17 और 19 अक्टूबर को संचालित होगी। त्योहारों के दौरान दिल्ली से बिहार जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में रेलवे की इस पहल से यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय, ठहराव और टिकट की उपलब्धता की जानकारी आधिकारिक रेलवे माध्यमों से प्राप्त कर लें।

कभी भीड़ में खड़े होकर देखते थे रामलीला, आज 12 साल से मंच पर बन रहे भगवान राम



12 साल से भगवान राम का किरदार निभा रहे दीपक

एजेंसी, नई दिल्ली दीपक मिश्रा की प्रेरणादायक कहानी। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर और शिक्षक दीपक मिश्रा पिछले 12 वर्षों से रामलीला के मंच पर भगवान श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। उनके लिए यह भूमिका केवल अभिनय नहीं, बल्कि मर्यादा, आदर्श और संस्कारों को जीवन में उतारने का माध्यम है। दीपक का यह सफर बचपन में शुरू हुआ, जब वह गलियों और चौराहों पर होने वाली रामलीला देखने के लिए भीड़ में खड़े रहते थे। मंच पर भगवान राम का किरदार निभाने वाले कलाकार को देखकर उनके मन में भी एक इच्छा जागती थी कि काश, एक दिन वह भी भगवान राम बनकर मंच पर उतर सकें। समय के साथ उनका यह सपना हकीकत में बदल गया। आज दीपक पिछले 12 वर्षों से रामलीला में भगवान राम की भूमिका निभाकर दर्शकों के सामने आदर्शों और मर्यादा का संदेश प्रस्तुत कर रहे हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और शिक्षण जैसे पेशेवर दायित्वों के बीच रामलीला से उनका जुड़ाव उनकी आस्था और समर्पण को दर्शाता है। उनके लिए भगवान राम का किरदार निभाना एक जिम्मेदारी है, जो उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को समझने और अपनाने की प्रेरणा देता है।

फरीदाबाद में हैवानियत: युवक की दोनों टांगें तोड़ीं, सड़क पर घसीटा

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के डबुआ-गाजीपुर रोड पर मंगलवार रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक को बीच बाजार घेरकर लाठी-डंडों और सरियों से बेरहमी से पीटा। बदमाशों ने युवक को सड़क पर गिराकर क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं और उसके पैर पकड़कर उसे सड़क पर काफी दूर तक घसीटा। करीब चार मिनट तक चले इस खौफनाक तांडव के दौरान हमलावरों ने दहशत फैलाने के लिए आसपास की दुकानों पर पथराव भी किया। इस हमले में युवक की दोनों टांगें बुरी तरह टूट गई हैं। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाशों की गुंडागर्दी साफ देखी जा सकती है। दिन-दहाड़े और बाजार के बीच इस तरह की घटना से स्थानीय लोगों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलावस्था में युवक को अस्पताल पहुंचाया।

दिल्ली जल बोर्ड की लापरवाही : यादव नगर के 1000 घरों में 3 दिन से सूखा

एजेंसी, नई दिल्ली



तीन दिन से आपूर्ति ठप। एई जनरेटेड

बाहरी दिल्ली के यादव नगर इलाके में पिछले तीन दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप होने से भीषण पेयजल संकट पैदा हो गया है। बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक जलापूर्ति बंद कर दिए जाने के कारण क्षेत्र के एक हजार से अधिक परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पानी न आने से खाना पकाने, पीने और नहाने जैसे रोजमर्रा के आवश्यक काम बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। घरों में लगे पानी के टैंकर और टंकियां पूरी तरह खाली हो चुकी हैं।

लोगों को मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदने या महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।इलाके के लोगों में दिल्ली जल बोर्ड के रवैये को लेकर भारी आक्रोश है। निवासियों का आरोप है कि जलापूर्ति बंद होने के तुरंत बाद ही उन्होंने जल बोर्ड के अधिकारियों और शिकायत केंद्र में इस समस्या की सूचना दे दी थी।

इसके बावजूद, तीन दिन बीत जाने के बाद भी न तो समस्या का समाधान किया गया है और न ही इलाके में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पानी के टैंकर भेजे गए हैं।प्रशासन और विभाग की इस अनदेखी के कारण लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जलापूर्ति बहाल नहीं की गई, तो वे सड़कों पर उतरकर जल बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने को विवश होंगे।

नोएडा में 1 करोड़ का गांजा बरामद, ट्रक के गुप्त केबिन से 165 किलो से ज्यादा नशा मिला

एजेंसी, नई दिल्ली



पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। भारतेंदु

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना बादलपुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीम की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 165 किलो 700 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक में गांजे को बेहद शातिर तरीके से छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके। पुलिस के मुताबिक, 14 अक्टूबर को स्थानीय खुफिया तंत्र और गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

सूचना मिलने के बाद थाना बादलपुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीम ने संयुक्त रूप से निगरानी शुरू की। इसी दौरान कुड़ी खेड़ा मोड़ के पास दादरी से लालकुआं जाने वाली सड़क पर संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रक में बने गुप्त केबिन और खुफिया कैविटी से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। गांजे को इस तरह छिपाया गया था कि सामान्य जांच में उसका पता लगाना मुश्किल हो सकता था। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिनेश पुत्र जय नाथ पाल, समीर कुमार पुत्र केशो मंडल और रवि कुमार साहनी के रूप में हुई है। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह के तार दूसरे राज्यों में सक्रिय तस्करों से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, गांजे की वास्तविक आपूर्ति कहां से की गई थी, इसे कहां पहुंचाया जाना था और इस अवैध कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

आगरा में विकास कार्यों की निगरानी तेज, डीएम ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा शहर में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बुधवार को शिल्पग्राम के समीप निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम और यूनिटी मॉल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।



डीएम ने किया छत्रपति शिवाजी म्यूजियम का निरीक्षण।

शिल्पग्राम के पास बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम के भवन का निर्माण कार्य 30 नवंबर तक पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की गई है। निरीक्षण के दौरान डीएम मनीष बंसल ने अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति और अब तक हुई प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि म्यूजियम का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। इसके लिए निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और कार्यदायी संस्था से तय समय के अनुसार काम कराने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। निर्माण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, कार्य की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। डीएम ने यूनिटी मॉल परियोजना का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों से इसकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े कार्यों को तय समय के अनुसार आगे बढ़ाया जाए।

मेरठ बनेगा यूपी का नया औद्योगिक हब, गंगा एक्सप्रेसवे किनारे 2000 एकड़ में बनेगा कॉरिडोर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने के लिए मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे लगभग 2000 एकड़ भूमि पर विशाल औद्योगिक गलियारा विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य इसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस परियोजना से छोटे और बड़े उद्योगों को निवेश और कारोबार बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। मेरठ से प्रयागराज तक जाने वाले गंगा एक्सप्रेसवे के सभी 12 जनपदों में औद्योगिक गलियारे विकसित किए जा रहे हैं। इनमें मेरठ की लोकेशन देश-विदेश की नामचीन कंपनियों को आकर्षित कर रही है।

इसी को देखते हुए यहां बड़े स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की तैयारी है। परियोजना के तीन चरणों की तैयारी की जा चुकी है। पहले चरण में 530 एकड़ भूमि शामिल है। इसकी अधिकांश जमीन खरीदी जा चुकी है और भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। यहां विकास कार्य शुरू करने की तैयारी भी की जा रही है। वहीं, दूसरे चरण में 722 एकड़ भूमि पर काम आगे बढ़ाया जाना है।

इसके लिए तीन गांवों की जमीन खरीदने की घोषणा की जा चुकी है। इस औद्योगिक गलियारे के विकसित होने से मेरठ में निवेश बढ़ने, नए उद्योग स्थापित होने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है। मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे बनने वाला 2000 एकड़ का औद्योगिक गलियारा निवेश का बड़ा केंद्र बनेगा। पहले चरण में 530 एकड़ जमीन की खरीद लगभग पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे चरण में 722 एकड़ भूमि विकसित की जाएगी।

दिल्ली हाई कोर्ट में यासीन मलिक की पेशी पर सवाल, तिहाड़ जेल अधीक्षक को देना होगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली



टेरर फंडिंग मामले की दिल्ली हाई कोर्ट में होनी थी सुनवाई। फाइल फोटो

कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक की टेरर फंडिंग मामले में वर्चुअल पेशी नहीं होने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने इस संबंध में तिहाड़ जेल के अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की है। मामले की सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि यासीन मलिक खुद अदालत में अपना पक्ष रखना चाहता है। दिल्ली हाई कोर्ट राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की उस अपील पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा यासीन मलिक को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को मृत्युदंड में बदलने की मांग की गई है।

इसी मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को मलिक की जेल से वर्चुअल पेशी नहीं हो सकी, जिसके बाद अदालत ने जेल प्रशासन से जवाब मांगा। यासीन मलिक टेरर फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसकी सजा बढ़ाकर मृत्युदंड किए जाने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। एजेंसी का पक्ष है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सजा पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। हाई कोर्ट में इसी याचिका पर सुनवाई चल रही है। बुधवार को सुनवाई के दौरान मलिक की वर्चुअल उपस्थिति नहीं होने का मुद्दा उठा। इसके बाद अदालत ने तिहाड़ जेल अधीक्षक से इस संबंध में रिपोर्ट पेश करने को कहा, ताकि पेशी नहीं होने के कारणों की जानकारी मिल सके। सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि यासीन मलिक इस मामले में अपना पक्ष खुद रखना चाहता है। ऐसे में उसकी अदालत में उपस्थिति और सुनवाई की प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो गई है। हालांकि, उसके खुद बहस करने के अनुरोध पर अदालत का अंतिम निर्णय क्या होगा, यह आगे की सुनवाई में स्पष्ट होगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्चुअल पेशी नहीं होने के मामले में तिहाड़ जेल प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली में महिलाओं के लिए बनेंगे खास पार्क, 250 वार्डों में जगहों की तलाश शुरू

महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा पर जोर, दिल्ली के हर वार्ड में बनेंगे पिंक पार्क

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में महिलाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने की दिशा में नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। निगम की योजना के तहत दिल्ली के सभी 250 वार्डों में महिलाओं के लिए विशेष पार्क विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इन पार्कों को 'महिला पार्क' या 'पिंक पार्क' के रूप में विकसित करने की पहल की गई है, ताकि महिलाएं सुरक्षित वातावरण में समय बिता सकें और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस संबंध में एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी जोन में सर्वेक्षण कराकर ऐसे स्थानों की पहचान करने को कहा है, जहां महिलाओं के लिए विशेष पार्क विकसित किए जा सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य राजधानी में महिलाओं के लिए अधिक अनुकूल सार्वजनिक स्थान तैयार करना है। एमसीडी की योजना के तहत दिल्ली के सभी 250 वार्डों में महिला पार्क विकसित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसके लिए निगम के उद्यान विभाग को अलग-अलग जोन में सर्वेक्षण करने और उपयुक्त स्थानों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वेक्षण के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि किन स्थानों पर महिला पार्क बनाए जा सकते हैं और उपलब्ध जगहों का बेहतर उपयोग कैसे किया जा सकता है। इस पहल के जरिए महिलाओं को अपने आसपास ही ऐसे सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है, जहां वे बिना किसी असुविधा के समय बिता सकें।

हालांकि, पार्कों के निर्माण की समयसीमा और सभी सुविधाओं का विस्तृत ब्योरा अभी सामने नहीं आया है। महिला पार्क विकसित करने की पहल में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करना प्रमुख उद्देश्य है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।



दिल्ली नगर निगम के हर वार्ड में बनेगा खास 'महिला पार्क'

पार्कों के लिए उपयुक्त स्थानों का चयन करते समय महिलाओं की जरूरतों और सार्वजनिक स्थानों की उपयोगिता को ध्यान में रखने पर जोर दिया जा रहा है। महिलाओं के लिए विशेष पार्क विकसित होने से उन्हें घूमने-फिरने, आराम करने और खाली समय बिताने के लिए बेहतर जगहें मिल सकती हैं। साथ ही, ऐसे पार्क महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों का अधिक सुविधाजनक तरीके से उपयोग करने का अवसर प्रदान कर सकते हैं। इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए एमसीडी का उद्यान विभाग सभी जोन में सर्वेक्षण कर संभावित स्थानों की पहचान करेगा। इसके बाद चिह्नित जगहों पर महिला पार्क विकसित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। फिलहाल, अधिकारियों को सर्वेक्षण और स्थान चयन से जुड़ी प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में 250 वार्डों के स्तर पर महिला पार्क विकसित करने की यह पहल महिलाओं के अनुकूल सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यदि योजना प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो राजधानी की महिलाओं को अपने आसपास सुरक्षित और सुविधाजनक पार्कों का लाभ मिल सकता है। अब सभी की नजरें सर्वेक्षण के नतीजों और पार्कों के विकास की आगामी योजना पर टिकी हैं।

नोएडा में 2 लाख परिवारों का सपना अधूरा, नवरात्र में भी नहीं मिला घर



नोएडा के करीब दो लाख परिवारों को इंतजार है अपने घर में गृह प्रवेश करने का। एआई इमेज

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में घर खरीदने का सपना देखने वाले करीब दो लाख परिवारों की उम्मीदों को एक बार फिर झटका लगा है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर भी लगभग 150 अधूरी आवासीय परियोजनाओं में फ्लैट खरीदारों को अपने घर का इंतजार करना पड़ रहा है। सालों से अपने आशियाने की राह देख रहे इन परिवारों के लिए इस बार भी त्योहार खुशियों के बजाय निराशा लेकर आया है। नवरात्र शुरू होते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है।

दुकानों पर फूल-मालाएं सज गई हैं और लोग नए घर में गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त निकलवा रहे हैं। कई परिवार इस पावन अवसर पर अपने नए घर में पूजा-पाठ और उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन नोएडा-ग्रेटर नोएडा की अधूरी इमारतों को देखकर हजारों खरीदारों की उम्मीदें फिर टूट गई हैं।इन परियोजनाओं में फ्लैट खरीदने वाले लोगों ने अपनी जीवनभर की कमाई और बचत घर खरीदने में लगा दी थी। कई खरीदारों ने बैंक से कर्ज लेकर फ्लैट बुक कराए, ताकि वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और स्थायी आशियाने में रह सकें। इसके बावजूद उन्हें वर्षों बाद भी अपने घर की चाबी नहीं मिल सकी है।

अधूरे निर्माण और लंबे इंतजार ने उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ा दी हैं। करीब 150 परियोजनाओं के अधूरे रहने से दो लाख परिवारों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। खरीदार लगातार अपने घरों का कब्जा पाने और न्याय की मांग कर रहे हैं। त्योहारों के दौरान उनकी पीड़ा और बढ़ जाती है, क्योंकि हर साल उन्हें उम्मीद रहती है कि शायद इस बार उनका सपना पूरा हो जाएगा।

अमेठी में आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं, 9 समूहों को मिलेगा डेढ़ लाख रुपये का फंड

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेठी जिले में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक नई पहल की जा रही है। इस योजना के तहत महिलाएं सब्जी, पनीर और मसालों के उत्पादन एवं कारोबार के जरिए अपनी आय बढ़ा सकेंगी। इससे उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिलेगा। गरीबी उन्मूलन की दिशा में शुरू किए गए इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत नौ प्रोड्यूसर ग्रुप का चयन किया गया है। इन समूहों को कारोबार स्थापित करने के लिए डेढ़ लाख रुपये का फंड उपलब्ध कराया जाएगा। इस आर्थिक सहायता से महिलाएं अपने उद्यम की शुरुआत कर सकेंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा कर पाएंगी। योजना का उद्देश्य महिलाओं को केवल स्वरोजगार से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उन्हें दूसरों के लिए भी रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम बनाना है। सब्जी उत्पादन, पनीर निर्माण और मसाला कारोबार जैसे क्षेत्रों में काम शुरू करके महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

नगरोटा बगवां कॉलेज में योग व ध्यान सत्र, 70 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में उच्च शिक्षा निदेशालय शिमला के दिशा-निर्देशों के अनुसार योग व ध्यान सत्र आयोजित किया गया। इसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के योग क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. राजीव कुमार ने विद्यार्थियों को ध्यान योग के साथ उज्जायी श्वास और भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस दौरान विद्यार्थियों को मानसिक शांति, एकाग्रता और तनावमुक्त जीवन में योग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के 6 अक्तूबर, 2026 के निर्देशों के अनुसार विद्यार्थियों को आर्ट ऑफ लिविंग के ऑनलाइन सत्रों से जुड़ने के लिए लिंक उपलब्ध करवाया गया है। ये सत्र प्रतिदिन शाम पांच, छह और सात बजे आयोजित किए जाने निर्धारित हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सोनी ने कहा कि तनाव प्रबंधन में योग वरदान साबित हो सकता है। इस अवसर पर प्रो. पूनम शर्मा, डॉ. सोनिका सहित अन्य उपस्थित रहे।

17 व 18 अक्तूबर को सजेगा दुर्गाष्टमी मेला

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल की ग्राम पंचायत देवरा के गांव जखौली में 17 और 18 अक्तूबर को दुर्गाष्टमी मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पहले दिन कबड्डी और शतरंज प्रतियोगिताओं के साथ मेले का शुभारंभ होगा। शाम को जिला पंचायतीराज सोलन के अध्यक्ष राकेश ठाकुर मुख्यातिथि होंगे। 18 अक्तूबर को प्रभात फेरी के बाद खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। दोपहर में स्कूली बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान अर्की के विधायक संजय अवस्थी शामिल होंगे। मेले में हिमाचली गायक दीपक चौहान, ज्योति शर्मा और हास्य कलाकार विकास ठाकुर भी प्रस्तुतियां देंगे। इसके अतिरिक्त स्थानीय युवक मंडल और भानुष म्यूजिकल ग्रुप कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। मेले के दूसरे दिन मां भद्रकाली मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। मेले के दौरान खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को मनोरंजन और मेलजोल का अवसर मिलेगा।

नेपाल के अधिकारी सीख रहे आधुनिक बागवानी तकनीकें



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। नेपाल के अधिकारी नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी व वानिकी विश्वविद्यालय में आधुनिक बागवानी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नेपाल में फल उत्पादन, बागवानी प्रबंधन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को उन्नत फल उत्पादन, पौधों की देखभाल, वैज्ञानिक बागवानी प्रबंधन और नई तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को आधुनिक तरीकों से बागवानी की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने के उपायों से अवगत करवाया जा रहा है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कृषि व बागवानी क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही, वैज्ञानिक पद्धतियों के आदान-प्रदान से किसानों को बेहतर उत्पादन और आय बढ़ाने के नए अवसर मिल सकते हैं। हालांकि, प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी उपलब्ध होने पर इससे जुड़ी अन्य जानकारियां भी साझा की जा सकती हैं।

विश्वविद्यालय की स्वायत्तता से समझौता नहीं, प्रस्तावित विधेयक का हो गहन अध्ययन



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ का शांतिपूर्ण आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। धरना-प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने प्रस्तावित विधेयक के प्रत्येक प्रावधान का गहन अध्ययन करने और उसके संभावित प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण करने पर जोर दिया। डॉ. जसवीर, डॉ. दीप लता, डॉ. अशोक बंसल, डॉ. विनोद नेगी, डॉ. सुनील, संयुक्त सचिव डॉ. अंजली शर्मा और सचिव डॉ. अंकुश भारद्वाज ने विश्वविद्यालय की संस्थागत गरिमा तथा शैक्षणिक स्वतंत्रता बनाए रखने की आवश्यकता जताई। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार है। उन्होंने पूर्व छात्रों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को जोड़कर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की अपील की। संघ ने प्रदेश सरकार से प्रस्तावित प्रावधानों पर पुनर्विचार कर विश्वविद्यालय की स्वायत्तता सुरक्षित रखने का आग्रह किया।

घाटा टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों से टोल वसूली का विरोध, पांच किलोमीटर के दायरे में राहत की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। मटौर-शिमला फोरलेन स्थित घाटा टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों से टोल शुल्क वसूली के विरोध में आसपास की पंचायतों के प्रतिनिधियों ने आवाज उठाई है। 14 अक्तूबर को आयोजित बैठक में प्रतिनिधियों ने पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के निवासियों को टोल शुल्क से राहत देने की मांग की। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए बार-बार इस मार्ग से गुजरना पड़ता है। ऐसे में उनसे बार-बार टोल वसूलना आर्थिक बोझ बढ़ाता है। उन्होंने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले का शीघ्र समाधान करने की मांग की। बैठक में खोली, तकीपुर, समेला, रानीताल, भागवार, हार जलाड़ी और जमानाबाद पंचायतों के प्रतिनिधि शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की रणनीति बनाई जा सकती है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए आवेदन आमंत्रित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकरण योजना (पीएमएफएमई) के तहत नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने और पुरानी इकाइयों के उन्नयन के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ओम प्रकाश जरयाल ने बताया कि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को परियोजना लागत पर 35 प्रतिशत तक सब्सिडी मिलेगी। इसके तहत अधिकतम 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। लाभार्थी को परियोजना लागत का कम से कम 10 प्रतिशत स्वयं वहन करना होगा, जबकि शेष राशि बैंक ऋण से उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से अधिक आयु के युवा, महिलाएं, किसान और उद्यमी इसका लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक आवेदक www.pmfme.mofpi.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग केंद्र धर्मशाला में संपर्क करें।

डॉ. आंबेडकर की बौद्ध दीक्षा निरंतरता की यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित आंबेडकर संवादमाला के समापन सत्र में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर की बौद्ध दीक्षा को केवल मतांतरण के रूप में नहीं, बल्कि निरंतरता की यात्रा के रूप में समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भगवान बुद्ध के विचारों को अपनाकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट की थीं। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने शोध को सामाजिक और राष्ट्रीय समस्याओं से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और बेहतर नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. किस्मत कुमार की पुस्तक 'बुद्ध की शरण में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर' का लोकार्पण भी किया गया।

हिमाचल के 10 जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट, 18 अक्तूबर से खुलेगा मौसम

कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि के आसार, लोगों को सतर्क रहने की सलाह

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम अगले तीन दिन तक करवट ले सकता है। मौसम विभाग ने 15 अक्तूबर यानी वीरवार को राज्य के 10 जिलों में आंधी, बिजली कड़कने और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी जिलों में मौसम खराब होने की आशंका है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। 16 और 17 अक्तूबर को भी राज्य के कुछ क्षेत्रों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। इसके बाद 18 से 20 अक्तूबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार वीरवार को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में आंधी और बिजली कड़कने की आशंका है। इन जिलों के कुछ क्षेत्रों में बारिश भी हो सकती है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। 16 और 17 अक्तूबर को भी कुछ स्थानों पर मौसम खराब रह सकता है, हालांकि इन दोनों दिनों के लिए मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है।



राज्य का औसत तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक

मौसम विभाग की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान हिमाचल प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। राज्य का औसत तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस अवधि में अधिकांश मौसम केंद्रों पर बारिश दर्ज नहीं हुई। सराहन में एक मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री

प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ने लगी है। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में बुधवार को न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ताबो में न्यूनतम तापमान 2.1 डिग्री रहा। किन्नौर के कल्पा में 6.2 डिग्री, मनाली में 8.4 डिग्री, भुंतर में 11.0 डिग्री और कुफरी में 11.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। अन्य प्रमुख स्थानों में सोलन का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री, पालमपुर और भरमौर का 13.0 डिग्री, चंबा का 13.2 डिग्री और शिमला का 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा। सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री, ऊना में 14.8 डिग्री, कांगड़ा में 15.2 डिग्री, मंडी में 15.3 डिग्री और बिलासपुर में 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धर्मशाला में न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री, सराहन में 17.8 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 19.0 डिग्री और पांवटा साहिब में 21.0 डिग्री सेल्सियस रहा। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सुबह और रात के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है।

चतुर्थ नवरात्र पर मां बज्रेश्वरी के दरबार में 6500 श्रद्धालुओं ने नवाया शीश

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। चतुर्थ नवरात्र के पावन अवसर पर मां बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा में श्रद्धालुओं की खूब भीड़ उमड़ी। इस दौरान लगभग 6500 श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में शीश नवाकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नगर निगम पालमपुर की आयुक्त नेत्रा मैती ने भी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के पुजारी कांति शर्मा और अन्य सदस्यों ने आयुक्त को विधिवत पूजा-अर्चना करवाई। इस अवसर पर एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग भी मौजूद रहीं। उन्होंने भी मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। साथ ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंदिर अधिकारी प्रकाश चंद ने बताया कि चतुर्थ नवरात्र पर लगभग 6500 श्रद्धालुओं ने मां बज्रेश्वरी के दरबार में माथा टेका। नवरात्र के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी हुई है। मंदिर प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरे नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर में 10,72,080 रुपए का चढ़ावा अर्पित किया था। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से मां के दर्शन कर रहे हैं।



देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे राहुल गांधी, कड़ाई से हो पूछताछ : संजय शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संजय शर्मा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा किए गए हालिया दावों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए इसे अत्यंत गंभीर, संवेदनशील और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा करार दिया है। संजय शर्मा ने कहा कि गत 12 अक्तूबर को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने दावा किया था कि सीबीआई, ईडी तथा विदेश मंत्रालय सहित विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के 200 से अधिक अधिकारी उन्हें सरकार के अंदर की गुप्त सूचनाएं दे रहे हैं, राहुल गांधी का यह बयान बेहद चौंकाने वाला और चिंताजनक है। यह देश की सुरक्षा से जुड़ा एक अति संवेदनशील मुद्दा है। अगर जांच व सुरक्षा एजेंसियों तथा विदेश मंत्रालय के अधिकारी राजनीतिक नेताओं को गोपनीय सूचनाएं लीक कर रहे हैं, तो यह सीधे तौर पर देश की सुरक्षा, संप्रभुता और गोपनीय कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है।

ट्रैकिंग स्थलों को बेहतर स्थिति में बनाए रखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन जरूरी : पठानिया



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। विधायक व उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने धर्मशाला में वन विभाग के अधिकारियों और ट्रैकिंग संचालकों के साथ बैठक कर त्रियूंड, करेरी सहित विभिन्न ट्रैकिंग स्थलों के विकास और पर्यटकों की सुविधाओं पर चर्चा की।

बैठक में स्थानीय युवाओं के रोजगार, संचालकों की समस्याओं और करेरी की ईको विकास समिति से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। पठानिया ने बताया कि करेरी ट्रैकिंग स्थल के विकास के लिए दो करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। त्रियूंड मार्ग पर पानी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 30 लाख रुपए तथा गल्लू मार्ग पर करीब 10 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांगड़ा को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने के प्रयास जारी हैं। नड्डी में एशिया की सबसे बड़ी जिपलाइन स्थापित की जा रही है। डल झील में पानी का रिसाव रुकने और आरती शुरू होने से भी पर्यटन को बढ़ावा मिला है। उन्होंने ट्रैकिंग स्थलों पर पर्यटकों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर बल दिया। वन एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को संचालकों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठक में उठाए गए विशेष मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष भी रखा जाएगा। कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होगा।

'विकसित भारत 2047' के रंग में रंगा धर्मशाला

विधायक सुधीर शर्मा ने 72 होनहारों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पूरे देश में चलाए जा रहे 'सेवा समर्पण के 25 वर्ष' व 'सेवा संकल्प अभियान' की गूंज धर्मशाला में भी देखने को मिली।

'विकसित भारत 2047' के विजन को लेकर धर्मशाला में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग' पहल के तहत बनाई गई एक अत्यंत आकर्षक और विशाल रंगोली के साथ हुआ। धर्मशाला में छात्रों व भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा बनाई गई यह रंगोली प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करती नजर आई। तीन दिन में बनी यह रंगोली प्रदेश की सबसे मनमोहक व विशालतम रंगोली रही। इस अवसर पर छात्रों ने मुख्यातिथि सुधीर शर्मा को 'विकसित भारत 2047' के विजन और इसके तहत देशभर में चल रहे विविध कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के 12 स्कूलों के लगभग 470 बच्चों ने डिबेट और पेंटिंग प्रतियोगिताओं के जरिए अपने सपनों के भारत की तस्वीर पेश की।

इन प्रतियोगिताओं के 72 विजेता होनहारों को धर्मशाला में आयोजित एक भव्य समारोह में धर्मशाला के विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए यह विशेष पहल की गई। इस अभियान के तहत 12 विभिन्न स्कूलों में डिबेट और पेंटिंग कार्यक्रम करवाए गए, जिनमें 470 के करीब छात्रों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में प्रत्येक स्कूल से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले 72 विद्यार्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। मुख्यातिथि सुधीर शर्मा ने इन सभी विजेता बच्चों की पीठ थपथपाई और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

बाहरी राज्यों से मछली की आपूर्ति व अवैध आखेट पर मत्स्य विभाग की कड़ी निगरानी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिले में बाहरी राज्यों से मछली लाकर बेचने और अवैध मत्स्य आखेट पर रोक लगाने के लिए मत्स्य विभाग ने निगरानी तेज कर दी है।

सहायक निदेशक मत्स्य पंकज ठाकुर ने बताया कि गोबिंदसागर जलाशय और स्थानीय मछली बाजारों में नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग की संयुक्त टीम ने बिलासपुर के मछली बाजार में निरीक्षण के दौरान अवैध बिक्री से जुड़े पांच मामले पकड़े और 5,000 रुपए जुर्माना लगाया। वहीं, गोबिंदसागर जलाशय के बिलासपुर, जकातखाना, सीर खड्ड, जड्ड और नकराणा क्षेत्रों में गश्त के दौरान लगभग 25 किलोग्राम निर्धारित आकार से छोटे जाल जब्त किए गए। इस दौरान अवैध मत्स्य आखेट के चार मामले दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त भाखड़ा, लठियाणी और दोबड़ मंडली



जलाशय क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान अवैध मत्स्य आखेट का एक मामला सामने आया। विभाग ने स्थानीय मछली विक्रेताओं और मछली फ्राई दुकानों की भी जांच की। पंकज ठाकुर ने कहा कि बिना अनुमति मछली परिवहन और बाहरी राज्यों से मछली लाकर बेचने जैसी गतिविधियों पर विभाग की नजर है। स्थानीय मछुआरों के हितों और मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के लिए कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने मछुआरों और मत्स्य सहकारी सभाओं से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना विभाग को देने की अपील की, ताकि जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

धर्मशाला कॉलेज में सौ साल बाद शुरू हुई स्नातकोत्तर पढ़ाई

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। वर्ष 1926 में स्थापित राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में सौ साल बाद स्नातकोत्तर शिक्षा का नया अध्याय शुरू हुआ। कॉलेज में एमए राजनीति विज्ञान और एमए इतिहास की नियमित कक्षाएं विधिवत आरंभ कर दी गई हैं। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों में जाने की जरूरत कम होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य राकेश पठानिया ने इसे संस्थान की शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने ढोल की थाप और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। स्नातकोत्तर कक्षाओं की शुरुआत से धर्मशाला और आसपास के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

भट्टू की पीएचसी बंद कर कांग्रेस ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य अधिकारों पर किया कुठाराघात : परमार



भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। सुलह विधानसभा क्षेत्र में जनसुविधाओं को एक-एक करके समाप्त करने की कांग्रेस सरकार की कथित नीति के विरुद्ध भारतीय जनता पार्टी ने भट्टू में विरोध प्रदर्शन कर सरकार के प्रति अपना तीखा आक्रोश व्यक्त किया। भट्टू स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को बंद किए जाने का मुद्दा उठाते हुए भाजपा ने इसे ग्रामीण जनता के स्वास्थ्य अधिकारों, सुविधाजनक उपचार और क्षेत्रीय विकास पर सीधा प्रहार बताया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सुलह विधानसभा क्षेत्र के अनेक संस्थान बंद किए गए हैं, जिससे आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने के स्थान पर उपलब्ध संस्थानों को बंद करना सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र से विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सुलह की जनता ने कांग्रेस को अपने साथ भेदभाव करने, जनसुविधाएं छीनने और क्षेत्र के विकास को अवरुद्ध करने का जनादेश नहीं दिया है, जिस विधानसभा क्षेत्र ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुना है, उस क्षेत्र की जनता को राजनीतिक प्रतिशोध अथवा पक्षपातपूर्ण निर्णयों की कथित कीमत क्यों चुकानी पड़े?

एससी-एसटी अत्याचार के मामलों का समयबद्ध निपटारा करें अधिकारी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने की। बैठक में कुल 88 मामलों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछली तिमाही में पांच मामलों का निपटारा हुआ, जबकि चार मामलों में जांच जारी है। एडीसी ने संबंधित विभागों को लंबित मामलों में तेजी लाने और पीड़ितों को समय पर न्याय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस, अभियोजन पक्ष और अन्य विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा मामलों की नियमित निगरानी करने को कहा। बैठक में राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के तहत प्राप्त पांच मामलों पर भी चर्चा हुई। इनमें चार मामले अनुमोदित किए गए, जबकि एक मामले में आवश्यक दस्तावेज पूरे करने के निर्देश दिए गए।

डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल आयोजित

विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्क रहने व सुरक्षा उपायों की दी जानकारी





भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में घबराने के बजाय सतर्कता, धैर्य और समझदारी से काम लेने के लिए तैयार करना था। मॉक ड्रिल के दौरान विद्यार्थियों को आपदा की स्थिति में अपनाए जाने वाले जरूरी सुरक्षा उपायों, सुरक्षित स्थान तक पहुंचने, अनुशासन बनाए रखने और संबंधित निर्देशों का पालन करने की जानकारी दी गई। इस अभ्यास के माध्यम से उन्हें समझाया गया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना चाहिए और अपनी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करना भी जरूरी है। इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनमें जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और जीवन में काम आने वाले कौशल सिखाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। आपदा प्रबंधन से जुड़ी ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शूलिनी विवि के डॉ. रवि कांत जर्मनी के अंतरराष्ट्रीय शोध दौरे के लिए चयनित

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी संकाय के सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कांत का जर्मनी में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव चिकित्सा नवाचार शोध दौरे के लिए चयन हुआ है। वह दुनिया भर से चुने गए 30 शोधकर्ताओं में शामिल हैं। यह कार्यक्रम 8 से 14 नवंबर, 2026 तक बर्लिन में आयोजित होगा। इस दौरे का आयोजन जर्मन शैक्षणिक आदान-प्रदान सेवा द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. कांत जर्मनी के प्रमुख विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों का दौरा करेंगे तथा वैज्ञानिकों से शोध सहयोग के अवसरों पर चर्चा करेंगे। डॉ. कांत संगणकीय जीवविज्ञान, दवा खोज, संक्रामक रोगों, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और टीका अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्हें लगभग 23 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। उनके चयन से शूलिनी विश्वविद्यालय और जर्मनी के शोध संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ने तथा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसर विकसित होने की उम्मीद है।

नवरात्र पर हिमालयन होंडा सोलन ने लॉन्च की नई होंडा एलिवेट, कीमत 11.80 लाख से शुरू



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। नवरात्र के पावन अवसर पर हिमालयन होंडा सोलन ने बुधवार को अपनी डीलरशिप में नई होंडा एलिवेट का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में यूको बैंक सोलन की आरएलएच प्रमुख नेहा बानू ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। नई होंडा एलिवेट को आकर्षक बाहरी डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर, आधुनिक तकनीक और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ पेश किया गया है। इसमें 1.5 लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 121 पीएस की अधिकतम शक्ति उत्पन्न करता है। ग्राहक इसे छह गति वाले मैनुअल और सीवीटी स्वचालित ट्रांसमिशन विकल्पों में खरीद सकते हैं। एसयूवी में 10.25 इंच की टचस्क्रीन, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो, 360 डिग्री कैमरा तथा इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिए छह एयरबैग, वाहन स्थिरता सहायक प्रणाली, हिल स्टार्ट असिस्ट और होंडा सेंसिंग उन्नत चालक सहायता प्रणाली शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, नई एलिवेट की दिल्ली में शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.80 लाख रुपए है, जबकि शीर्ष संस्करण की कीमत 18.40 लाख रुपए तक है। वाहन के साथ तीन वर्ष की असीमित किलोमीटर मानक वारंटी भी दी जा रही है।

हिमालयन मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित हिमालयन होंडा सोलन और आसपास के क्षेत्रों में ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करती है। नई एसयूवी के शुभारंभ से क्षेत्र के वाहन खरीदारों को इसके विभिन्न संस्करणों और सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

न्यूज ब्रीफ

आपदाओं से बचाव व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को आपदाओं से बचाव और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। यह दिवस प्रतिवर्ष 13 अक्तूबर को आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम 'लचीलापन घर से शुरू होता है', जो परिवार और समुदाय के स्तर पर आपदा से निपटने की तैयारी को मजबूत करने पर बल देती है। विद्यार्थियों को बताया गया कि हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन, भूकंप, बादल फटने और अचानक बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बना रहता है। समय पर चेतावनी, सतर्कता और पूर्व तैयारी से जान-माल की क्षति कम की जा सकती है। भूकंप के दौरान 'झुको, ढको और पकड़े रहो' सुरक्षा नियम अपनाने तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया गया। साथ ही, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, अभ्यास और सामुदायिक सहभागिता को सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए आवश्यक बताया गया।

एचआरटीसी बसों से सामान भेजने की सुविधा शुरू, वजन के हिसाब से लगेगा किराया

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल पथ परिवहन निगम ने सोलन क्षेत्र के सोलन, अर्की, कुनिहार व राजगढ़ बस अड्डों से सामान भेजने की सुविधा शुरू की है। इसके तहत लोग निगम की बसों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न स्थानों और बाहरी राज्यों में भी सामान भेज सकेंगे। निगम के अनुसार, सामान भेजने के लिए संबंधित बस अड्डे के प्रभारी से संपर्क कर खेपन कार्यालय में सामान जमा करवाना होगा। सामान जमा करवाने पर किराये की रसीद भी दी जाएगी। निर्धारित दरों के अनुसार, 10 किलोग्राम तक सामान भेजने पर सामान्य बस किराये का एक-चौथाई, 20 किलोग्राम तक आधा और 40 किलोग्राम तक एक टिकट के बराबर किराया लगेगा। सोलन बस अड्डे के प्रभारी नरेंद्र सिंह से 01792-226040 या 85447-71104, अर्की के प्रभारी राजेंद्र कुमार से 01796-222004 या 78763-96812 पर संपर्क किया जा सकता है। कुनिहार और राजगढ़ बस अड्डों से भी संबंधित प्रभारियों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस सुविधा से लोगों को सामान भेजने में सहूलियत मिलेगी।

11.54 ग्राम चिट्टे के साथ शिलाई का युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। जिला सिरमौर के पांवटा साहिब में एसआईयू नाहन की टीम ने नशा विरोधी अभियान के तहत शिलाई क्षेत्र के एक युवक को 11.54 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि शिलाई निवासी नक्ष यमुना पुल कुल्हाल के पास राम मंदिर के गेट के सामने मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की तलाशी ली, जिसमें उसके कब्जे से 11.54 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस अधीक्षक सिरमौर एनएस नेगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ पांवटा साहिब थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नशे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

जीवनरक्षक तकनीकों का दिया प्रशिक्षण



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब की ओर से प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान के तहत फ्लैश मॉब और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य एचआईवी की रोकथाम, जोखिम की पहचान तथा एड्स से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को समाप्त करने के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। युवाओं और आम लोगों को क्यूआर कोड के माध्यम से एचआईवी जोखिम का स्वयं आकलन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. सोनिया राठौर ने आपात परिस्थितियों में जीवन बचाने वाली तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने हृदय गति रुकने पर सीपीआर देने, सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार तथा बच्चों के गले में बाहरी वस्तु फंसने पर अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में शांत रहकर सही प्राथमिक उपचार देना किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सरकाघाट में दिवाली की तैयारियों को लेकर बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। दिवाली के मद्देनजर बाजार में सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को एसडीएम कार्यालय सरकाघाट में तहसीलदार मनीश कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पटाखों की बिक्री के लिए नगर परिषद के बहुमंजिला भवन में स्टॉल लगाए जाएंगे। बाजार आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग के लिए संयुक्त सचिवालय के समीप अस्थायी पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाजार में दुकानों पर पटाखों की खुली बिक्री नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। खाद्य आपूर्ति और स्वास्थ्य विभाग को व्यापार मंडल के सहयोग से मिठाइयों सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग को आपात स्थिति से निपटने और पुलिस को यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लक्ष्य निर्धारण व अनुशासन सफलता की कुंजी : धर्माणी



भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। ग्राम नियोजन, आवास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि विद्यार्थियों में स्कूली स्तर से ही नेतृत्व क्षमता विकसित करना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभा सकें। वह बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पनोह में विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों का मंच पर बोलने का डर दूर कर उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने के साथ अनुशासन, नियमित व्यायाम और समय का सदुपयोग सफलता के लिए आवश्यक हैं। मंत्री ने विद्यार्थियों को नए कौशल सीखने और अपनी बात स्पष्टता से रखने की सलाह दी। उन्होंने विद्यालयों में संवाद क्षमता बढ़ाने के लिए नियमित वाद-विवाद और विचार साझा करने हेतु संवाद क्लब स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि सही निर्णय लेने और सामाजिक जिम्मेदारियां निभाने की क्षमता विकसित करना भी है। इस अवसर पर उपनिदेशक उच्च शिक्षा नरेश चंदेल सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

पुराना कांगड़ा की रामलीला में ताड़का वध का मंचन, धर्म की विजय का दिया संदेश



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगरकोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा की ऐतिहासिक रामलीला के चौथे दिन स्थानीय युवा कलाकारों ने विश्वामित्र द्वारा राजा दशरथ से सहायता मांगने और ताड़का वध सहित रामायण के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि तुलसीराम ने रामायण प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सम्मानित किया। मंचन के माध्यम से कलाकारों ने भगवान श्रीराम के पराक्रम और ऋषि-मुनियों को राक्षसों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने की कथा प्रस्तुत की। प्रसंग के अनुसार, महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ में ताड़का और उसके पुत्र बाधा डालते थे। यज्ञ की रक्षा के लिए विश्वामित्र भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को वन में ले गए, जहां श्रीराम ने ताड़का का वध किया। आगे सुबाहु का वध और मारीच को बाण से दूर भगाने का प्रसंग भी प्रस्तुत किया गया। रामलीला के माध्यम से धर्म की रक्षा और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में निर्देशक अजय बिजला सहित अन्य कलाकारों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

डॉ. राजीव भारद्वाज व विधायक पवन काजल ने कांग्रेस पर साधा निशाना

आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र की रजियाना खास पंचायत में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। दोनों नेताओं ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी।

सांसद राजीव भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए महिलाओं को 1500 रुपए मासिक सहायता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और युवाओं को रोजगार देने के वादों पर सवाल उठाए। उन्होंने कर्मचारियों और पेंशनरों को समय पर भुगतान नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया। विधायक पवन काजल ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाते हुए टांडा मेडिकल कॉलेज में ग्लूकोज, सिरिंज, दस्ताने और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने में विफल रही है। इस दौरान सांसद ने भंगवार पंचायत में सांसद निधि से 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित पुलिया का लोकार्पण किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में घट्टा-रानीताल टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों को पांच किलोमीटर के दायरे में टोल शुल्क से राहत देने का मुद्दा भी उठाया गया। पंचायत प्रतिनिधियों की मांग पर सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर 15 दिनों के भीतर समाधान का प्रयास करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एचपी टीईटी के लिए 39,984 आवेदन, 22 नवंबर से शुरू होगी परीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की शिक्षक पात्रता परीक्षा नवंबर-2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है। बोर्ड को विभिन्न श्रेणियों में कुल 39,984 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 38,355 अभ्यर्थियों ने निर्धारित शुल्क जमा करवाया है, जबकि 1,629 आवेदन बिना शुल्क के प्राप्त हुए हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए योग्य और पात्र शिक्षकों का चयन आवश्यक है। शिक्षक पात्रता परीक्षा शिक्षा के निर्धारित मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाएं 22 नवंबर, 2026 से शुरू होंगी। अभ्यर्थियों से परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों और नवीनतम जानकारी के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट नियमित रूप से देखने की अपील की गई है।

विधायक सुंदर ठाकुर के प्रयास लाए रंग, कुल्लू मदर चाइल्ड अस्पताल में भरे जाएंगे 10 पद



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में विधायक सुंदर सिंह ठाकुर के प्रयास सफल होते नजर आ रहे हैं। कुल्लू स्थित मदर चाइल्ड अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित 10 पद भरे जाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। इससे अस्पताल में उपचार सुविधाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है।

विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती से अस्पताल की कार्यक्षमता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, ताकि लोगों को इलाज के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में न जाना पड़े। उन्होंने बताया कि कुल्लू में कैथ लैब और क्रिटिकल केयर सेंटर का निर्माण कार्य भी जल्द पूरा होने वाला है। इन सुविधाओं के शुरू होने से हृदय रोगियों और गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

सात विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को मिलेगा लाभ

सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि कुल्लू अस्पताल पर कुल्लू के अलावा पांगी, लाहौल-स्पीति, द्रंग, सराज, बंजार और आनी सहित सात विधानसभा क्षेत्रों के लोग निर्भर हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। इससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाने और बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी।

बिलासपुर में 46 .39 ग्राम चिट्टे के साथ पंजाब के पांच युवक गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिलासपुर पुलिस की विशेष पहचान टीम ने गरा फोरलेन पर हिमाचल प्रवेश टोल बैरियर के समीप 46.39 ग्राम चिट्टे के साथ पंजाब के पांच युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ स्वारघाट थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस की विशेष टीम गरा टोल बैरियर के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर पांच युवकों की तलाशी ली गई, जिसमें उनके कब्जे से 46.39 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने पांचों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुदागर सिंह (37), अरुणजीत सिंह (22), अमरीक सिंह (22), नितिन शर्मा (21) और हरप्रीत सिंह (21) के रूप में हुई है। सभी आरोपी पंजाब के अमृतसर जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस थाना स्वारघाट में आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत अभियोग संख्या 82/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थ की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

अंतरराष्ट्रीय युवा महोत्सव के तहत मंडी में आज होगी रेड रन मैराथन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अंतरराष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 के तहत स्वास्थ्य विभाग मंडी की ओर से 15 अक्तूबर को रेड रन मैराथन का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार चौहान ने बताया कि मैराथन सुबह आठ बजे सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी से शुरू होगी। मैराथन का मार्ग भूतनाथ मंदिर, पुरानी मंडी, न्यू ब्रिज और समखेतर से होकर गुजरेगा। इसके बाद प्रतिभागी वापस सरदार पटेल विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। मैराथन की कुल दूरी लगभग पांच किलोमीटर निर्धारित की गई है। इस आयोजन में जिला मंडी के 10 राष्ट्रीय रेड रिबन क्लबों से कुल 80 प्रतिभागी भाग लेंगे। इनमें 40 पुरुष और 40 महिला प्रतिभागी शामिल होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं की भागीदारी बढ़ाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करना है।

छह महीने से पेंशन लंबित विकास कार्य ठप : जम्वाल



भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व विधायक राकेश जम्वाल ने ग्राम पंचायत जरल, बंदली, बदैहण और वजीहण के दौरे के दौरान कांग्रेस सरकार पर जनसमस्याओं की अनदेखी करने के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन छह महीने से लंबित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे जरूरतमंदों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जम्वाल ने सरकार से लंबित पेंशन का जल्द भुगतान करने और देरी के कारण स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने बंदली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को दोबारा शुरू करने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसे खोलने का आश्वासन मिलने के बावजूद अभी तक सुविधा बहाल नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक है। मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीतिक मुद्दों के बजाय जनता की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। जम्वाल ने चुनाव प्रक्रिया पर कांग्रेस के सवालों को भी राजनीतिक विरोध करार दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है और आरोप तथ्यों के आधार पर लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की समस्याओं को उठाती रहेगी और सरकार को अपने कार्यों का हिसाब देना होगा।

सरकाघाट कॉलेज में एनएसएस स्वयंसेवियों ने चलाया सफाई अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। रबींद्रनाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से कॉलेज परिसर में दो दिवसीय सफाई अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के पहले दिन स्वयंसेवियों ने पुस्तकालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई की। इस दौरान स्वयंसेवियों ने उगी घास और झाड़ियों की कटाई की तथा परिसर में बिखरे कूड़े को एकत्रित कर साफ-सफाई की। उन्होंने श्रमदान के माध्यम से महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। अभियान में एनएसएस स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की आदत विकसित करना है। स्वयंसेवकों ने स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

कांग्रेस राज में सारे काम ठप, सरकारी भवन अधूरे स्लैब-पिलर खड़े कर भाग गई सरकार : राजेंद्र राणा



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बुधवार को सुजानपुर भाजपा मंडल द्वारा प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया गया। मंडल अध्यक्ष जसवंत ठाकुर की अध्यक्षता में हुए इस प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने विशेष रूप से भाग लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और एसडीएम सुजानपुर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन भेजा।

इस अवसर पर राजेंद्र राणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है, जैसे किसी गाड़ी का इंजन फेल हो जाता है। सबसे बड़ी वोट चोरी तो इस सरकार ने प्रदेश की जनता को ठग कर की है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की सड़कें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं। सुजानपुर में एक सरकारी भवन के लिए उनके विधायक रहते कुल 3.75 करोड़ रुपए का बजट आया था, उसके बाद एक रुपया नहीं आया और भवन आज भी अधूरा पड़ा है। वार्ड नंबर 9 में जल शक्ति विभाग के रास्ते का काम स्लैब और पिलर खड़े कर कार्य बंद पड़ा है। चबूतरा में बन रहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी वहीं का वहीं है। उन्होंने स्थानीय विधायक को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सरकार को नए काम शुरू नहीं करने हैं तो मत करो, कम से कम पुराने लगे काम तो पूरे कर देते। स्थानीय विधायक क्या कर रहे हैं तथा उनकी क्या जिम्मेदारी है? एसआईआर पर बोलते हुए राजेंद्र राणा ने कहा कि एसआईआर को कांग्रेस ही लाई थी तथा भाजपा राज में इससे वोट चोरी रुकी है। बांग्लादेशी घुसपैठियों के और 2-2, 3-3 जगह बने फर्जी वोट कटे हैं, उसी का दर्द राहुल गांधी और कांग्रेस को हो रहा है। अपनी चोरी छिपाने के लिए कांग्रेस तिलमिला गई है। कांग्रेस वोट चोर ही नहीं, हिमाचल की खजाना चोर भी है, जिन्होंने प्रदेश के खजाने को लूटा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह अक्सर कहते थे कि सुखविंद्र सिंह सुक्खू को मौका मिला, तो हिमाचल को भी तबाह कर देगा और कांग्रेस को भी। आज उनकी बात सच हो गई है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में जनता ने कांग्रेस का सफाया कर दिया है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भी खाता नहीं खुलेगा।

जनता के मुद्दे छोड़ दिल्ली में आंदोलन कर रहे मुख्यमंत्री सुक्खू : पंकज



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पंकज जम्वाल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए उनके दिल्ली में आंदोलनों में शामिल होने पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री प्रदेश की समस्याओं को प्राथमिकता दे रहे हैं या राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त हैं। जम्वाल ने आरोप लगाया कि बरसात से हुए नुकसान, बागवानों की समस्याओं और पेंशनरों की परेशानियों पर सरकार पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर सरकारी हेलीकॉप्टर के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता के कर से संचालित संसाधनों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं होना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने चुनाव प्रक्रिया पर कांग्रेस के आरोपों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाकर वह जनता के जनादेश पर संदेह तो नहीं जता रही। जम्वाल ने मांग की कि मुख्यमंत्री प्रदेश की समस्याओं पर जवाब दें और जनता के संसाधनों का उपयोग जिम्मेदारी से करें।

सराज घाटी में हरे मटर के दाम ने किसानों को किया मालामाल, खेतों से 130 रुपए किलो तक हो रही बिक्री



भारतेन्दु संवाददाता, बालीचौकी। हिमाचल प्रदेश की सराज घाटी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हरे मटर की अच्छी कीमत मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। वर्तमान में किसानों को खेतों से ही 100 से 130 रुपए प्रति किलोग्राम तक दाम मिल रहे हैं। वहीं, प्रदेश की विभिन्न मंडियों में मटर 100 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है।

सराज घाटी के थाची, सोमागाड़, थाटा, बागाचनोगी और कहलणी क्षेत्रों में इन दिनों मटर की फसल तैयार होकर बाजार पहुंच रही है। क्षेत्र से रोजाना पांच से सात गाड़ियां मटर लेकर प्रदेश और बाहरी राज्यों की मंडियों के लिए रवाना हो रही हैं। इससे किसानों को अच्छी आमदनी की उम्मीद जगी है। स्थानीय किसानों काहन सिंह, रमा देवी और कौर सिंह ने बताया कि करीब 20 दिन पहले बाहरी मंडियों में मटर के दाम 250 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए थे। हालांकि, इस बार समय पर बारिश न होने और बाद में बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से फसल को काफी नुकसान हुआ है। किसानों के अनुसार, मौसम अनुकूल रहता, तो उत्पादन और मुनाफा दोनों बेहतर होते। सराज घाटी के किसान गेहूं और जौ की बिजाई के बाद नकदी फसल के रूप में मटर उगाते हैं। क्षेत्र में किसानों ने 40 क्विंटल से अधिक मटर का बीज खरीदा है, जबकि बाहरी क्षेत्रों के किसानों ने भी यहां से बीज लिया है। इसके बावजूद अच्छी कीमत मिलने से फसल बचा पाने वाले किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। किसानों को उम्मीद है कि बाजार में बेहतर दाम बने रहने से उनकी मेहनत का उचित लाभ मिलेगा।

बिलासपुर के 34 जेबीटी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन 16 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग के माध्यम से जेबीटी भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रदेशभर में 600 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें जिला बिलासपुर के 34 चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन 16 अक्तूबर को उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा, बिलासपुर के कार्यालय में किया जाएगा। उपनिदेशक स्कूल शिक्षा (प्रारंभिक) अरुण गौतम ने बताया कि सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर सुबह 10:30 बजे कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। सत्यापन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए कार्यालय स्तर पर विशेष समिति गठित की गई है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे अपने सभी आवश्यक मूल दस्तावेज और उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां साथ लेकर आएं। निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर दस्तावेज सत्यापन करवाना सुनिश्चित करें, ताकि भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आगामी कार्यवाही नियमानुसार समय पर पूरी की जा सके।

धौलरा मंदिर में दुर्गा पूजा उत्सव की धूम, बंगाल की तर्ज पर उमड़ रहे श्रद्धालु



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ऐतिहासिक धौलरा मंदिर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर दुर्गा पूजा उत्सव श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल की धार्मिक परंपराओं की तर्ज पर आयोजित इस उत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंच रहे हैं। पूजा की वैदिक परंपराओं का निर्वहन करवाने के लिए शिमला से आए पुजारी सुधांशु शेखर भट्टाचार्य विधिवत पूजा-अर्चना करवा रहे हैं। दुर्गा पूजा समिति की संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा ने बताया कि बिलासपुर में बंगाल की तर्ज पर दुर्गा पूजा की शुरुआत 25 वर्ष पूर्व की गई थी। आज यह उत्सव क्षेत्र में आस्था और सामाजिक सौहार्द का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। उत्सव का शुभारंभ प्रथम नवरात्र पर भव्य कलश शोभायात्रा से हुआ था, जिसमें श्रद्धालुओं ने पारंपरिक पीले वस्त्र पहनकर भाग लिया। नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। शाम को भजन मंडलियां मां भगवती का गुणगान कर रही हैं। वहीं, सांस्कृतिक मंच पर स्थानीय विद्यालयों के बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विभिन्न महिला मंडल भी भजन-कीर्तन के माध्यम से उत्सव की रौनक बढ़ा रहे हैं।

भुंतर के पंचायत प्रतिनिधियों ने सीखे सीपीआर के गुर

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कुल्लू ने विभिन्न विभागों और संस्थाओं के सहयोग से बहुउद्देशीय भवन में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इसमें आपदा मित्रों, नेहरू युवा केंद्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यशाला में आपदा से पहले तैयारी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित व्यवहार और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में भुंतर विकास खंड के पंचायत प्रतिनिधियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रशिक्षकों ने प्राथमिक उपचार और हृदय गति रुकने की स्थिति में सीपीआर देने की तकनीक सिखाई। अधिकारियों ने कहा कि आपदा के समय प्रशिक्षित स्वयंसेवक और पंचायत प्रतिनिधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनभागीदारी, सामुदायिक जागरूकता और बेहतर समन्वय से आपदाओं में जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

कांगड़ा की रामलीला में उमड़ी दर्शकों की भीड़, मुख्यातिथियों ने दिए 11 हजार रुपए



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगर परिषद मैदान कांगड़ा में आयोजित रामलीला की तीसरी रात पूजा वालिया, एमडी राइजिंग स्टार स्कूल और कपिल वालिया, एमएस टीवीएस शोरूम कांगड़ा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने रामलीला सभा को 11 हजार रुपए की राशि

कैथरीन डियाजएल का खूबसूरत अंदाज

कैथरीन डियाजएल साल्वाडोर की प्रसिद्ध सर्फर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और सर्फिंग में पहचान बनाई। कैथरीन डियाज अपनी प्रतिभा, जुनून और मेहनत के लिए जानी जाती थीं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनीं।



स्पोर्ट्स विंडो

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फोबे कूल्हे की चोट के कारण तीसरे वनडे से बाहर

एजेंसी, ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड कूल्हे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह निकोला कैरी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। वहीं, अपना 100वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आकर पारी की शुरुआत करेंगी। एलन बॉर्डर फील्ड में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान ताहलिया मैक्ग्रा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। समाचार लिखे जाने तक बांग्लादेश ने 9 ओवर में केवल 18 रन पर तीन विकेट गंवा दिया है। लिचफील्ड को रविवार को खेले गए दूसरे वनडे में 71 रन की पारी के दौरान कूल्हे की मांसपेशियों में हल्का खिंचाव आया था। चोट की गंभीरता कम बताई गई है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला को देखते हुए उनकी उपलब्धता पर भी सवाल बने हुए हैं।

टी20 में गेल जैसी क्षमता रखते हैं अभिषेक शर्मा : चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि अभिषेक शर्मा में वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल जैसी क्षमता है और टी20 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के चौथे मुकाबले से पहले पुजारा ने जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में अभिषेक की शानदार बल्लेबाजी, ईशान किशन की भूमिका और नमन धीर की गेंदबाजी पर अपनी राय रखी। भारत ने इंदौर में तीसरा टी20 मुकाबला जीतकर श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है। अब टीम की नजरें हैदराबाद में होने वाले चौथे मुकाबले को जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने पर हैं। अभिषेक शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने पर पुजारा ने कहा, 'किसी ने नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी इतने बड़े मुकाम तक पहुंच जाएंगे। लेकिन अभिषेक ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि वह अब तक भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।





देसाई के शानदार प्रदर्शन से गुजरात ने ओडिशा को 10 विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी, अहमदाबाद। बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात ने बुधवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी के एक मैच में ने ओडिशा को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनस अंक सहित सात अंक हासिल किए। ओडिशा ने सुबह चार विकेट पर 119 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई लेकिन उसकी पूरी टीम 161 रन पर आउट हो गई। गुजरात को इस तरह से 47 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 9.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। इससे पहले देसाई ने 36 रन देकर पांच विकेट लिए और ओडिशा को सस्ते में समेटने में अहम भूमिका निभाई। ओडिशा की तरफ से संदीप पटनायक ने 65 और निनाद राठवा ने 53 रन बनाए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जन नागवासवाला ने भी गुजरात की जीत में योगदान दिया। उन्होंने मैच में छह विकेट लिए, जिसमें दूसरी पारी में लिए गए 33 रन देकर तीन विकेट भी शामिल हैं।

कबड्डी चैंपियंस लीग के दूसरे सत्र की नीलामी 17 अक्तूबर को

एजेंसी, नई दिल्ली। कबड्डी चैंपियंस लीग के दूसरे सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 17 अक्टूबर को होगी। नीलामी में 300 से अधिक खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है, जबकि सभी 10 फ्रेंचाइजी के पास अपनी टीम बनाने के लिए कुल पांच करोड़ रुपये का बजट होगा। केंद्रीय चयन ट्रायल के लिए छह हजार से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। आगामी सत्र के लिए सोनीपत और रोहतक में केंद्रीय चयन ट्रायल आयोजित किए गए थे। इन ट्रायल के जरिए कबड्डी खिलाड़ियों को आगामी सत्र में चयनित होने का अवसर मिला। अब नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजी अपनी जरूरत और रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। नीलामी में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं और भारतीय राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों सहित कई प्रमुख नाम शामिल होने की उम्मीद है। एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके सुनील मलिक के अलावा अयान लोचब, अंकित जगलान और जयदीप दहिया पर भी सबकी नजरें रहेंगी। इनके अतिरिक्त मीतू शर्मा, नीरज नरवाल, योगेश दहिया, विजय मलिक, सुरजीत नरवाल और नितिन धनखड़ जैसे खिलाड़ियों के भी नीलामी में शामिल होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों की मौजूदगी से नीलामी में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। दूसरे सत्र के लिए कुल पांच करोड़ रुपये का खिलाड़ी बजट 10 फ्रेंचाइजी में बांटा जाएगा। प्रत्येक टीम को अपनी टीम तैयार करने के लिए 50 लाख रुपये मिलेंगे।

पंजाब में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से होगी अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी

27 अक्तूबर से दो नवंबर तक एशिया की छह शीर्ष टीमों में खिताब के लिए होगी भिड़ंत

एजेंसी, नई दिल्ली

पुरुष हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के आयोजन के साथ पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होने जा रही है। भारतीय हॉकी को कई दिग्गज खिलाड़ी देने वाले इस राज्य में 27 अक्तूबर से दो नवंबर तक एशिया की छह शीर्ष टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इसे अपने और पूरी टीम के लिए विशेष अवसर बताया है। भारत में पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन दूसरी बार हो रहा है। इससे पहले 2023 में चेन्नई ने इस प्रतियोगिता की मेजबानी की थी। इस बार पंजाब के जालंधर और मोहाली में मुकाबले खेले जाएंगे। मेजबान भारत के अलावा मलेशिया, दक्षिण कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश की टीमें खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी।

पंजाब में हॉकी केवल खेल नहीं, बल्कि गौरव और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। गांवों, अकादमियों और स्थानीय खेल ढांचे से निकलकर यहां के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उद्यम सिंह और बलबीर सिंह सीनियर जैसे दिग्गजों से लेकर मौजूदा पीढ़ी के मनप्रीत सिंह और हरमनप्रीत सिंह तक, पंजाब ने भारतीय हॉकी को कई महत्वपूर्ण खिलाड़ी दिए हैं। राज्य की खेल संस्कृति, जमीनी स्तर पर मौजूद सुविधाओं और हॉकी के प्रति लोगों के जुनून ने ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व कप विजेताओं और राष्ट्रीय टीम के कई दिग्गजों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। यह प्रतियोगिता पंजाब की इसी विरासत का उत्सव मनाने के साथ प्रशंसकों को शीर्ष स्तर की हॉकी अपने करीब से देखने का अवसर देगी।

जालंधर में उद्घाटन, मोहाली में होंगे पदक मुकाबले

जालंधर के बल्टन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से दो नवंबर तक उद्घाटन समारोह और लीग चरण के मुकाबले खेले जाएंगे। यह स्टेडियम 1975 विश्व कप विजेता और दिग्गज रक्षक सुरजीत सिंह के नाम पर है। इसके बाद प्रतियोगिता मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में पहुंचेगी, जहां चार और पांच नवंबर को सेमीफाइनल तथा पदक मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में सभी छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। गत चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्टूबर को जालंधर में बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम है। वह अब तक पांच बार, 2011, 2016, 2018 में संयुक्त विजेता के रूप में तथा 2023 और 2024 में खिताब जीत चुका है। घरेलू मैदान पर खेलने से भारतीय टीम को जहां उत्साही समर्थकों का साथ मिलेगा, वहीं दूसरी टीमों को पंजाब की हॉकी परंपरा और खेल संस्कृति का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।



हरमनप्रीत के परिवार के लिए भी खास होगा यह टूर्नामेंट

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह पूरी टीम के लिए, विशेषकर पंजाब से आने वाले खिलाड़ियों के लिए खास अवसर होगा, क्योंकि पहली बार हम पंजाब में किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय जर्सी पहनकर खेलेंगे।' उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में बैठकर मुझे अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए देखने के लिए आने वाला है। इसमें मेरे पिता भी शामिल हैं, जिन्होंने अब तक मुझे स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।' हरमनप्रीत लगातार दो एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम की कप्तानी करने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं।



आईसीसी की टी20 रैंकिंग में भारत का दबदबा, शीर्ष 4 बल्लेबाजों में 3 भारतीय

एजेंसी, दुबई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईसीसी की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार शुरुआत का फायदा अय्यर को मिला है। वह करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग के शीर्ष चार में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बना ली है। अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में लखनऊ में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था।

उनकी इस पारी का असर आईसीसी रैंकिंग में भी देखने को मिला। वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। अय्यर की इस उपलब्धि के साथ भारतीय बल्लेबाजों का शीर्ष रैंकिंग में दबदबा और मजबूत हुआ है। ईशान किशन पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर काबिज हैं। पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान तीसरे स्थान पर हैं। इस तरह शीर्ष चार में ईशान, अभिषेक और अय्यर के रूप में तीन भारतीय बल्लेबाज शामिल हैं। आईसीसी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। भारतीय बल्लेबाजों के अलावा श्रीलंका के कुसल मेंडिस को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन भी चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 27वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बिलासपुर बना बास्केटबॉल चैंपियन

अंडर-19 महिला वर्ग में भी बिलासपुर की बेटियों का दबदबा



भारतेन्दु संवाददाता बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश की राज्यस्तरीय अंडर-19 छात्रा बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बिलासपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। जिला सिरमौर के मानपुर देवड़ा में 11 से 14 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में बिलासपुर ने मंडी की टीम को 54-28 के बड़े अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में बिलासपुर की खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल, आक्रामक खेल और मजबूत रणनीति का प्रदर्शन किया। टीम ने पूरे मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। बिलासपुर की खिलाड़ियों के सटीक शॉट और प्रभावी खेल के सामने मंडी की टीम अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी। बिलासपुर ने जहां 54 बास्केट किए, वहीं मंडी की टीम 28 बास्केट तक ही पहुंच पाई। प्रतियोगिता के दौरान बिलासपुर की छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा और टीम भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में मिली जीत ने जिले की महिला बास्केटबॉल टीम की क्षमता को साबित किया है। इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में खुशी का माहौल है।

श्रीलंका ने तीसरे टी20 में पाक को 8 विकेट से हराया

एजेंसी, रावलपिंडी। श्रीलंका ने मंगलवार को तीसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ उसने पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने से रोक लिया। रावलपिंडी में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पाकिस्तान के 20 ओवर में 8 विकेट पर 168 रन का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका ने 17.1 ओवर में 2 विकेट पर लक्ष्य हासिल करके जीत दर्ज की। श्रीलंकाई कप्तान कुसल मेंडिस ने 48 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाए। मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए, जबकि, साहिबजादा फरहान को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया। पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने 47 गेंदों पर 76 रन बनाकर फिफ्टी लगाई। ईशान मलिंगा ने पाकिस्तान को शुरुआती झटका दिया। फखर जमां 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मलिंगा ने माज सदाकत को 3 गेंदों पर शून्य के स्कोर पर आउट किया। श्रीलंका के लिए शनाका के अलावा, ईशान मलिंगा और नुवान थषारा ने 2-2 विकेट लिए।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय मदद देकर बढ़ाया हौसला, नेशनल मेडल ले आई प्रिया

गरीब परिवार की बेटी ने एथलेटिक्स में 400 मीटर दौड़ में जीता कांस्य पदक

भारतेन्दु संवाददाता,हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अलावा व्यक्तिगत रूप से भी कई ऐसे जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं, जिनका इस दुनिया में कोई सहारा नहीं होता। मुख्यमंत्री की इस दरियादिली के कारण ही आज एक गरीब परिवार की लड़की प्रिया ठाकुर देश के टॉप एथलीटों में जगह बनाने में कामयाब हुई है और इसी हफ्ते नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर आई है। भलेठ के साथ लगते कांगड़ा जिले के सिहोरबल्ला क्षेत्र के गांव मेहसी की प्रतिभाशाली एथलीट प्रिया ठाकुर पिछले कुछ वर्षों से हमीरपुर के अणु में स्थित सिंथेटिक ट्रैक पर अभ्यास कर रही थीं। परिवार की आर्थिक हालत ठीक न होने के कारण प्रिया को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उसे अच्छी प्रैक्टिस और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने में भी दिक्कत हो रही थी।



इस बारे में जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को अवगत करवाया गया तो उन्होंने न केवल संबंधित अधिकारियों को त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी प्रिया की मदद एवं हौसलअफजाई की। इसी के परिणामस्वरूप, प्रिया ठाकुर ने जनवरी 2026 में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में 400 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर हिमाचल का नाम रोशन किया। इसके बाद प्रिया का लक्ष्य नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेडल लाना था, लेकिन इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भी उसे आर्थिक मदद की दरकार थी। मुख्यमंत्री ने यहां भी प्रिया की भरपूर मदद की। 8 से 11 अक्तूबर तक नई दिल्ली में आयोजित नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रिया ने 400 मीटर की दौड़ में 53.56 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। प्रिया ठाकुर ने मदद बरने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू का आभार व्यक्त किया है।

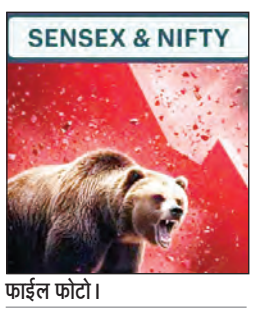
सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा फिसला

तेजी के अगले दिन बाजार में गिरावट, सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 200 अंक से अधिक टूटकर 72,850 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी करीब 100 अंक गिरकर 22,650 के स्तर पर पहुंच गया। ऑटो, फार्मा और धातु क्षेत्र के शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली। इससे पहले मंगलवार को बाजार में अच्छी तेजी रही थी।

सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़कर 73,034 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 359 अंक की बढ़त के साथ 22,722 पर पहुंचा था। एशियाई बाजारों में भी बुधवार को कमजोरी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। अमेरिकी बाजारों में भी मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई थी।



फाईल फोटो।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से घरेलू बाजार पर दबाव बना हुआ है। बीते सात दिनों में विदेशी निवेशकों ने 19,526 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 20,931 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

बीएचईएल का मुनाफा 120 प्रतिशत बढ़ा

इस बीच सरकारी कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 821 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 375 करोड़ रुपये से करीब 120 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की आय भी बढ़कर 9,300 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, फ्यूजन सीएक्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 अक्टूबर को खुल गया है। निवेशक इसमें 16 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने प्रति शेयर मूल्य दायरा 275 से 289 रुपये तय किया है और इसके जरिए 702 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

थोक महंगाई पांच महीने के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई दर सितंबर में बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में थोक महंगाई दर 9.92 प्रतिशत थी। खाने-पीने की वस्तुओं, ईंधन, बिजली और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही। सितंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर बढ़कर 8.66 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 7.05 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली क्षेत्र की महंगाई दर भी 22.93 प्रतिशत से बढ़कर 25.85 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसी तरह कच्चे माल की श्रेणी में महंगाई 7.76 प्रतिशत से बढ़कर 8.67 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 8.37 प्रतिशत से बढ़कर 9.76 प्रतिशत हो गई। इस बीच खुदरा महंगाई दर भी अगस्त के 4.82 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 5.54 प्रतिशत दर्ज की गई। सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के साथ कच्चे तेल की महंगाई ने भी दबाव बढ़ाया। सरकार ने जून 2026 में थोक मूल्य सूचकांक के लिए नया आधार वर्ष 2022-23 लागू किया था। थोक महंगाई लंबे समय तक ऊंची रहने पर कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ सकती है।

दीपावली पर बाजारों में रिकॉर्ड कारोबार की उम्मीद, कैट ने जताया अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष नवरात्रि से दीपावली तक देशभर में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का त्योहारी कारोबार होने का अनुमान जताया है। यह पिछले वर्ष के रिकॉर्ड कारोबार से करीब 15 से 18 प्रतिशत अधिक हो सकता है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार, यह आकलन विभिन्न राज्यों के व्यापारिक संगठनों से मिले फीडबैक, उपभोक्ता मांग और बाजारों में खरीदारी के रुझान पर आधारित है।

पिछले वर्ष दीपावली के दौरान लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। इस वर्ष किराना, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, मिठाई, सजावटी सामान और उपहारों की मांग बढ़ने की संभावना है। इसके साथ ही परिवहन, होटल, रेस्तरां, पर्यटन, पैकेजिंग और आयोजन संबंधी सेवाओं में भी तेजी आने की उम्मीद है। कैट के मुताबिक, सेवा क्षेत्र का कारोबार 80 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।



नवरात्रि से दीपावली तक सात लाख करोड़ के कारोबार का अनुमान, वोकल फॉर लोकल से त्योहारी बाजार को मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन

खंडेलवाल ने कहा कि स्थानीय उत्पादों, भारतीय ब्रांडों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को प्राथमिकता मिलने से घरेलू बाजार को मजबूती मिलेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से स्थानीय और देश में निर्मित वस्तुओं की खरीदारी करने की अपील की।

नियो-रेट्रो अंदाज में आई होंडा की नई बाइक, 249 सीसी इंजन से लैस

एजेंसी, मुंबई

होंडा ने चीन में आयोजित सीआईएमए मोटरसाइकिल ट्रेड शो में अपनी नई सीबी250एसएस कॉन्सेप्ट बाइक पेश की है। नियो-रेट्रो डिजाइन और स्क्रैम्बलर स्टाइलिंग वाली यह मोटरसाइकिल क्लासिक लुक के साथ आधुनिक तकनीक का मेल दिखाती है। हालांकि, कंपनी ने अभी इसके उत्पादन मॉडल, कीमत और भारत में लॉन्च को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

बाइक में गोल्डन फिनिश वाले फ्रंट फोर्क्स, आगे और पीछे 17 इंच के अलॉय व्हील तथा राउंड टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है। इसमें दूसरी पीढ़ी के होंडा रोडसिंक कनेक्टिविटी सिस्टम का समर्थन भी बताया गया है। इसके अलावा असिस्ट और स्लिपर क्लच, फ्रंट में यूएसडी फोर्क्स और पीछे प्रो-लिंक मल्टी-लिंक सस्पेंशन मिलता है। कंपनी के अनुसार, इसका नया फ्रेम हल्का और अधिक फुर्तीला बनाया गया है।



नई सीबी250एसएस।

सीबी250एसएस कॉन्सेप्ट में 249 सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। इसे बेहतर लो-एंड टॉर्क और सहज पावर डिलीवरी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। हालांकि, इंजन की आधिकारिक पावर और टॉर्क क्षमता का खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, इसका उत्पादन मॉडल पहले चीन में पेश किया जा सकता है और 2027 के वसंत तक बाजार में आने की चर्चा है। यह समयसीमा आधिकारिक नहीं है। भारत में लॉन्च की पुष्टि के लिए ग्राहकों को कंपनी की घोषणा का इंतजार करना होगा।

साझेदारी रक्षा, तकनीक और खनिजों तक फैली भारत-अमेरिका की मजबूत साझेदारी

भारत-अमेरिका के संबंध काफी अच्छे: गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध काफी अच्छे हैं तथा दोनों देशों के बीच राजनीतिक विचारधारा में बदलाव के बावजूद रिश्तों में आगे और सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उन्हें दोनों देशों के संबंधों में फिलहाल कोई समस्या नजर नहीं आती। गोयल नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 को संबोधित कर रहे थे।

गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश बड़े लोकतंत्र हैं और उनके आपसी संबंधों के दुनिया के लिए दूरगामी मायने हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा अभ्यासों, प्रौद्योगिकी सहयोग तथा वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुला रखने जैसे क्षेत्रों में लगातार सहयोग किया जा रहा है।



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार की संभावना से जुड़े सवाल पर गोयल ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही काफी अच्छे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका आने वाले वर्षों में भी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहेगा।

शुल्क विवाद के बीच भारत को समझौते से उम्मीद

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी समझौते को लेकर भी उन्हें कोई समस्या नहीं दिखती। उनके अनुसार, द्विपक्षीय संबंधों का दायरा व्यापक है और इसमें व्यापार के साथ रणनीतिक सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गोयल की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इस समझौते की रूपरेखा की घोषणा फरवरी में की गई थी। हालांकि, अमेरिका की शुल्क व्यवस्था में बदलाव के कारण बातचीत अभी जारी है। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में उसके उत्पादों पर प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम शुल्क लगाया जाए, ताकि भारतीय निर्यातकों को समान अवसर मिल सकें। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में ऊंचे शुल्क के बावजूद अमेरिका को भारत का निर्यात 0.92 प्रतिशत बढ़कर 87.3 अरब डॉलर हो गया।

अमेरिका से आयात 15.95 प्रतिशत बढ़ा

इसी अवधि में अमेरिका से भारत का आयात 15.95 प्रतिशत बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। इसके परिणामस्वरूप भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 40.89 अरब डॉलर था। ऐसे में दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर जारी बातचीत और शुल्क संबंधी मुद्दे आने वाले समय में आर्थिक संबंधों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार की संभावना से जुड़े सवाल पर गोयल ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही काफी अच्छे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका आने वाले वर्षों में भी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहेगा।